● वर्ष-4
● अंक-96
रायपुर, शनिवार
30 नवंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» कायम रहे खिलखिलाहट...

चुनावी हार से गुस्साए विपक्षी देश के खिलाफ कर रहे साजिश- मोदी

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आंदोलन हमेशा से होते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ समय में आप सभी ने एक बहुत बड़ा बदलाव देखा होगा। संविधान की भावना को कुचला जा रहा है। लोकतंत्र की गरिमा को नकारा जा रहा है। सत्ता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानने वाले लोग पिछले एक दशक से केंद्र की सत्ता खो चुके हैं। वे लोगों से इस बात के लिए भी नाराज हैं कि उनके अलावा किसी और को आशीर्वाद दिया जा रहा है। वे इतने गुस्से में हैं कि वे देश के खिलाफ साजिश कर रहे हैं।

पीएम ने कहा कि उन्होंने देश को गलत दिशा में ले जाने के लिए लोगों को गुमराह करना शुरू कर दिया है। झूठ और अफवाहों की उनकी दुकान पिछले 75 सालों से चल रही है। उन्होंने अब अपने मिशन को और तेज कर दिया है। उनकी गतिविधियां अपने देश से प्यार करने वाले लोगों के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन रही है।

उन्होंने कहा कि मैं सभी को बताना चाहता हूं कि हमें सतर्क रहना है और

लोगों को जागरूक करते रहना है। हमें हर झूठ को उजागर करना है। सत्ता के भूखे इन लोगों ने जनता से सिर्फ झूठ बोला है। वे हर बार एक बड़ा झूठ लेकर आते हैं। 2019 में जो चौकीदार उनके लिए चोर था, 2024 तक आते-आते वो ईमानदार हो गया और एक बार भी चौकीदार को चोर नहीं कह पाए। इनका मकसद सिर्फ यही है कि किसी तरह देश की जनता को गुमराह करके सत्ता पर कब्जा किया जाए।प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल दिन-रात भाजपा के बारे में गलत सूचना फैलाते रहते हैं। लेकिन जनता खुद भाजपा को आशीर्वाद देने के लिए मैदान में आती है। चुनाव से कुछ महीने पहले बड़े-बड़े राजनीतिक विशेषज्ञ ओडिशा में भाजपा को पूरी तरह से खारिज कर रहे थे। लेकिन जब नतीजे आए तो सभी हैरान रह गए। क्योंकि ओडिशा के लोगों के लिए भाजपा की केंद्र सरकार के कार्य और दिल्ली में बैठे हुए भी ओडिशा के लोगों के साथ अपनापन का जो नाता रहा, वो ओडिशा के घर-घर पहुंच चुका था।

पीएम ने कहा कि पहले ओडिशा, फिर हरियाणा, अब महाराष्ट्र। यही बीजेपी की विशेषता है। यह भाजपा कार्यकर्ताओं का सामर्थ्य है। महाराष्ट्र चुनाव, हरियाणा चुनाव और देशभर में हुए उपचुनाव के नतीजों ने पूरे देश में जो विश्वास भर दिया है, वो मुझे आपकी आंखों नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि पांच दिन पहले मुझे दिल्ली में ओडिशा पर्व के शानदार समारोह में शामिल होने का अवसर मिला था। ओडिशा पर्व में उड़िया विरासत और गौरव के वो भव्य दर्शन, ओडिशा के लोगों का स्नेह और अपनापन मेरे लिए बहुत ही यादगार पल हैं। प्रधानमंत्री बोले कि आज केंद्र की भाजपा सरकार ओडिशा के गौरव को और ओडिशा को बड़ी प्राथमिकता दे रही है। ओडिशा में हमारी सरकार बनते ही माताओं-बहनों के लिए कई बड़े कदम उठाए गए हैं।

भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन तैयार

इसरो का कमाल, स्पेस में एक साथ रह सकेंगे 3 अंतरिक्ष यात्री

नई दिल्ली। इसरो भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के साथ अंतरिक्ष में शुरुआती चरण में तीन अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने की योजना बना रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अनुसार, बीएएस का उद्देश्य अंतरग्रहीय अनुसंधान, जीवन विज्ञान और चिकित्सा अध्ययन समेत कई वैज्ञानिक प्रयासों को सुविधाजनक बनाना है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) के लिए योजनाओं की घोषणा की है, जो भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वहीं इसरो के अनुसार, बीएएस का वजन 52 टन है और यह शुरू में तीन लोगों के चालक दल के लिए बनाया जाएगा, भविष्य में इस क्षमता को छह तक बढ़ाने की योजना है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का अनावरण बंगलूरू में यू आर राव सैटेलाइट सेंटर में कन्नड़ तकनीकी सेमिनार के दौरान किया गया।

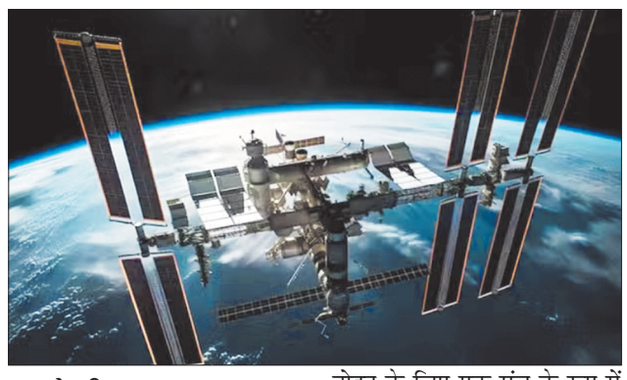

बनाने की कवायद

इस सेमिनार के दौरान, इसरो ने अंतरिक्ष में स्थायी आवास बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला, जो लंबी अवधि के मिशनों को सक्षम करेगा और अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाएगा। स्टेशन से मानव स्वास्थ्य पर सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण के प्रभावों को समझने और अन्य ग्रहों पर जीवन का समर्थन करने वाली तकनीकों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन अंतरिक्ष पर्यटन और अंतरिक्ष संसाधनों के दोहन के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा, जो अंतरिक्ष अन्वेषण के अधिक वाणिज्यिक अनुप्रयोगों की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव को भी चिह्नित करेगा।

भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के साथ, इसरो न केवल वैज्ञानिक ज्ञान को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखता है, बल्कि वैज्ञानिकों और खोजकर्ताओं की नई पीढ़ी को प्रेरित भी करना चाहता है। अंतरिक्ष पर्यटन की संभावना अंतरिक्ष विज्ञान के साथ सार्वजनिक जुड़ाव के लिए नए रास्ते खोल सकती है, जिससे यह दुनिया भर के लोगों के लिए अधिक सुलभ हो जाएगा।

कोविड प्रभावित फेफड़ों के इलाज में आयुर्वेद प्रभावी

दिल्ली के अरावली रिज क्षेत्र में मिले मकोय और हरित मंजरी के पौधे कोविड के दौरान गंभीर रूप से प्रभावित हुए फेफड़ों के इलाज में प्रभावी मिले। इन पौधे में मिलने वाले रसायन से दवा तैयार की गई है। जांच के बाद आयुष से इसे मंजूरी भी मिल गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना महामारी के दौरान एसीई 2 रिसेप्टर ने फेफड़ों को गंभीर रूप से प्रभावित किया। एसीई 2 रिसेप्टर कई प्रकार की कोशिकाओं की सतह पर मौजूद एक प्रोटीन है। यह एसएआरएस-सीओवी-2 वायरस के लिए रिसेप्टर के रूप में कार्य करता है। इसने कोशिकाओं को संक्रमित किया। इस संक्रमण को रोकने में मकोय-हरित मंजरी में मिला रसायन फायदेमंद रहा।

एम्स में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फार्माकोलॉजी सम्मेलन और भारतीय फार्माकोलॉजी सोसाइटी के 54वें वार्षिक सम्मेलन में दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रमेश के गोयल ने कहा कि अरावली के रिज क्षेत्र में मकोय और हरित मंजरी दो पौधे मिले। इनका इस्तेमाल इलाज के लिए किया गया। मकोय की दवा पहले से हमदर्द में उपलब्ध थी।

हालिया विधानसभा चुनावों में धक्का लगा है: खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्य समिति की शुक्रवार को बैठक हुई जिसमें महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा में पार्टी के हालिया चुनाव प्रदर्शन पर चर्चा की गई। आगामी दिल्ली चुनाव और संसद सत्र के लिए रणनीतियां भी एजेंडे में थीं। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में हुई बैठक में पूर्व प्रमुख राहुल गांधी, एआईसीसी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, केसी वेणुगोपाल और जयराम रमेश शामिल थे। सीडब्ल्यूसी ने विभिन्न चुनाव परिणामों का विश्लेषण किया। पार्टी के गठबंधन को झारखंड में जीत तो

मिली, लेकिन महाराष्ट्र और हरियाणा में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। सीडब्ल्यूसी की यह बैठक संभावित गठबंधनों सहित दिल्ली और बिहार में आगामी चुनावों की तैयारी पर भी फोकस थी। बैठक में खड़गे ने कहा कि हमें तुरंत चुनावी नतीजों से सबक लेते हुए संगठन के स्तर पर अपनी सभी कमजोरियों और खामियों को दुरुस्त करने की जरूरत है, ये नतीजे हमारे लिए संदेश हैं। उन्होंने कहा कि आपसी एकता की कमी और एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी हमें काफी नुकसान पहुंचाती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जरूरी है कि हम सख्ती से अनुशासन का पालन करें और एकजुट रहें।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम पुराने ढर्रे पर चलते हुए हर समय सफलता नहीं पा सकते, हमें समय से निर्णय लेने होंगे और जवाबदेही तय करनी होगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ईवीएम ने चुनावी प्रक्रिया को संदिग्ध बना दिया है, महाराष्ट्र के परिणाम ऐसे हैं कि कोई भी अंकगणित इसे उचित ठहराने में असमर्थ है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हालिया विधानसभा चुनावों में हमें धक्का लगा है, इसीलिए हमें कठोर निर्णय लेने होंगे।

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र द्वारा नवा रायपुर अटल नगर स्थित अरण्य भवन में सतत आवास और कृषि क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ राज्य जलवायु परिवर्तन कार्य योजना के क्रियान्वयन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एयर कंडीशनर तापमान विनियमन पर पोस्टर और जलवायु परिवर्तन से संबंधित 100 सफलता कहानियों पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन किया गया।

प्रमुख समाचार

तटरक्षक बल ने कोच्चि तट पर समुद्री खोज का अभ्यास किया

कोच्चि। भारतीय तटरक्षक बल गुरुवार को कोच्चि में अब तक के सबसे बड़े राष्ट्रीय समुद्री खोज एवं बचाव अभ्यास सारेक्स-24 और 22वीं राष्ट्रीय समुद्री खोज एवं बचाव एनएमएसएआर बोर्ड बैठक की मेजबानी करने जा रहा है। भारतीय तटरक्षक बल ने गुरुवार को कोच्चि तट पर 11वां राष्ट्रीय समुद्री खोज और बचाव अभ्यास आयोजित किया। इस अभ्यास का उद्घाटन रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने किया और इसमें समुद्री सुरक्षा और खोज-और-बचाव अभियानों में तटरक्षकों की विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया गया। गुरुवार को समाप्त हुए दो दिवसीय कार्यक्रम में चर्चाएँ, कार्यशालाएँ और समुद्री अभ्यास शामिल थे। भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक एस परमेश् ने गतिविधियों की निगरानी की, जिसमें राष्ट्रीय समुद्री खोज और बचाव बोर्ड के सदस्य और मित्र देशों के 38 विदेशी पर्यवेक्षक शामिल थे। इस वर्ष के अभ्यास का विषय था क्षेत्रीय सहयोग के माध्यम से खोज और बचाव क्षमताओं को बढ़ाना। इस कार्यक्रम की मुख्य विशेषताओं में से एक नकली समुद्री बचाव अभियान था। इसमें 250 यात्रियों को ले जा रहे एक यात्री विमान को दिखाया गया था।

महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री पर सस्पेंस जारी

मुंबई। भले ही महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री चेहरे के नाम पर सस्पेंस जारी है। वहीं, अब अटकलें तेज हो गई हैं कि नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 5 दिसंबर को आजाद मैदान में होगा। सीएम की रेस में अब भी देवेंद्र फडणवीस आगे हैं। एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को दो प्रमुख बैठकें रद्द कर दीं और सूत्रों की मानें तो वह अपने गांव सतारा के लिए रवाना हो गए हैं। विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा प्रचंड बहुमत हासिल करने के बाद महाराष्ट्र में अगली सरकार के लिए सत्ता-साझाकरण समझौते को तैयार करने के लिए शिंदे ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के साथ गुरुवार देर रात शाह और नड्डा से मुलाकात की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीजेपी में पुराने और नए चेहरों को मिलाकर 17 कैबिनेट मंत्री हो सकते हैं। एकनाथ शिंदे की शिवसेना के नौ कैबिनेट मंत्री और अजित पवार की एनसीपी के सात कैबिनेट मंत्री हो सकते हैं। एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को कहा कि गुरुवार रात राज्य में सरकार गठन के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा के साथ उनकी अच्छी और सकारात्मक चर्चा हुई।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में अकेले उतरेगी कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के साथ किसी भी गठबंधन से इनकार करते हुए आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने के अपने फैसले की घोषणा की। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि पार्टी आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में सभी 70 सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने साफ किया कि चुनाव में किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं होगा। यादव ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के बारे में फैसला चुनाव के बाद कांग्रेस विधायक दल द्वारा किया जाएगा। इस महीने की शुरुआत में, आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों की तुलना महाभारत के समान धर्मयुद्ध से की थी। पूर्व सीएम ने जिला स्तर पर एक संबोधन में कहा, दिल्ली विधानसभा चुनाव एक धर्मयुद्ध की तरह है। उनके पास कौरवों की तरह अपार धन और शक्ति है, लेकिन भगवान और लोग पांडवों की तरह हमारे साथ हैं। इस बीच, दिल्ली बीजेपी ने गुरुवार (28 नवंबर) को विधानसभा चुनाव से संबंधित कार्यों के लिए 43 समितियों की घोषणा की, जिनमें महिलाओं, युवाओं, एससी, ओबीसी और केंद्रीय योजना के लाभार्थियों से संपर्क के लिए अभियान शामिल हैं।

प्रदर्शन की चेतावनी, टिकैत ने सीधे पीएम को लिखा पत्र

नई दिल्ली। किसान नेता राकेश टिकैत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर भारत में आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) बीजों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया। पत्र में ऐतिहासिक उदाहरणों का संदर्भ दिया गया है जहां आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों, जैसे बैसिलस थुरिंजिएन्सिस (बीटी) कपास की शुरूआत ने मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर उनके संभावित प्रतिकूल प्रभावों के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं। टिकैत ने किसानों के सामने बढ़ती इनपुट लागत और अप्रत्याशित जलवायु परिस्थितियों, फसल की पैदावार को प्रभावित करने और किसानों की आय में कमी सहित बढ़ती चुनौतियों को भी संबोधित किया। पत्र में, टिकैत ने बताया कि प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, किसानों को उनकी उपज का उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है, जिससे उनकी आर्थिक दुर्दशा और खराब हो रही है। आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) फसलें वे पौधे हैं जिनके डीएनए को विशिष्ट वांछनीय लक्षण विकसित करने के लिए आनुवंशिक इंजीनियरिंग के माध्यम से संशोधित किया गया है।

भारत को लगा बड़ा झटका, फिसली जीडीपी ग्रोथ रेट

नई दिल्ली। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि घटकर 5.4% रह गई, जो लगभग दो वर्षों में इसकी सबसे धीमी गति है। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, यह पिछले साल की समान अवधि में दर्ज की गई 8.1% की वृद्धि से एक महत्वपूर्ण गिरावट है। मंदी के बावजूद, भारत ने उसी तिमाही में चीन की 4.6% जीडीपी वृद्धि को पीछे छोड़ते हुए सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा। पिछली बार जीडीपी वृद्धि इस स्तर से नीचे वित्त वर्ष 2023 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में गिरी थी, जब यह गिरकर 4.3त्न हो गई थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार, कृषि क्षेत्र के लिए सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में बढ़कर 3.5% हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 1.7% था। इसके विपरीत, विनिर्माण क्षेत्र की जीवीए वृद्धि गिरकर 2.2% हो गई, जो कि एक साल पहले की अवधि में दर्ज की गई 14.3% की मजबूत वृद्धि से तेज गिरावट है।

विदेश मंत्रालय ने की कांग्रेस नेता के बयान की निंदा

अदाणी मामले पर भारत सरकार को जानकारी नहीं दी गई - विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। अमेरिकी अभियोजकों की ओर से उद्योगपति गौतम अदाणी पर लगाए गए आरोपों को लेकर विदेश मंत्रालय ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि गौतम अदाणी का मामला कानूनी है। इसमें निजी फर्म, व्यक्ति और अमेरिकी न्याय विभाग शामिल हैं। ऐसे मामलों के लिए कुछ तय प्रक्रिया और कानूनी रास्ते हैं। हमें विश्वास है कि इनका पालन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस मुद्दे के बारे में भारत सरकार को पहले से सूचित नहीं किया गया था। हमने इस मामले पर अमेरिकी सरकार से कोई बातचीत भी नहीं की है। किसी विदेशी सरकार द्वारा समन/गिरफ्तारी वारंट की तामील के लिए किया गया कोई भी अनुरोध आपसी कानूनी सहायता का हिस्सा है। ऐसे अनुरोधों की योग्यता के आधार पर जांच की जाती है। हमें इस मामले में अमेरिकी पक्ष से कोई अनुरोध नहीं मिला है। यह एक ऐसा मामला है जो निजी संस्थाओं से संबंधित है और भारत सरकार इस समय कानूनी रूप से किसी भी तरह से इसका हिस्सा नहीं है।

अमेरिकी न्याय विभाग के अभियोग में आरोप लगाया गया है कि भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी और अन्य ने भारत में सौर ऊर्जा के ठेके लेने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी। हालांकि इस अभियोग में सिर्फ आरोप लगाए गए हैं और आरोपों के संबंध में पुख्ता सबूत नहीं दिए गए हैं। हालांकि अरबपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी पर लगे आरोपों को अदाणी समूह ने सिरे से खारिज कर दिया। अदाणी समूह ने बुधवार को कहा कि गौतम अदाणी और उनके भतीजे पर रिश्वतखोरी का कोई आरोप नहीं है। वहीं इस मुद्दे को लेकर संसद में लगातार विपक्ष सरकार को घेर रहा है। इसके चलते लगातार चार बार संसद को स्थगित किया जा चुका है।

पीएम मोदी पर राहुल गांधी की टिप्पणी अफसोसजनक

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दिए गए बयान को अफसोसजनक बताया और कहा कि यह सरकार की स्थिति को नहीं दर्शाता है। राहुल गांधी ने हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी पर टिप्पणी की थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी की याददाश्त भी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की तरह कमजोर हो रही है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच जो साझेदारी है, वह वर्षों की मेहनत, आपसी सम्मान और सहयोग पर आधारित है। ऐसी टिप्पणियां गर्मजोशी भरे और दोस्ताना संबंधों के अनुरूप नहीं हैं। जायसवाल ने कहा, %भारत और अमेरिका के बीच एक बहुआयामी साझेदारी है, जो दोनों देशों के बीच वर्षों की मेहनत, मिलकर काम करने, आपसी सम्मान और प्रतिबद्धता पर बनी है। हम इस प्रकार की टिप्पणियों को अफसोसजनक मानते हैं और यह भारत व अमेरिका के अच्छे और दोस्ताना संबंधों के अनुकूल नहीं है। यह भारत सरकार की स्थिति को नहीं दर्शाता।%

एलएसी पर गश्त को लेकर विदेश मंत्रालय ने क्या कहा

इसके बाद, जब वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारतीय सैनिकों की गश्त के बारे में पूछा गया, तो जायसवाल ने कहा कि यह प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा, हम पहले भी कह चुके हैं कि हम इस पर काम कर रहे हैं और यह प्रक्रिया जारी है। इससे पहले भारत और चीन की सेनाओं ने पूर्वी लद्दाख के डेमचोक और देपसांग इलाकों में हर हफ्ते एक संयुक्त गश्त का फैसला लिया था।

दोनों देशों ने अक्तूबर के आखिरी हफ्ते में इन इलाकों से पीछे हटने के बाद इस गश्त की शुरुआत की थी। दोनों देशों के बीच संबंध उस समय से ज्यादा तनावपूर्ण थे, जब जून 2020 में गलवान घाटी में हिंसक झड़प हुई थी। दोनों देशों की सेनाओं के बीच दशकों में यह खूनी संघर्ष हुआ था।

हिन्दुओं की सुरक्षा करे बांग्लादेश सरकार- जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार अल्पसंख्यकों सहित बांग्लादेश के नागरिकों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। जयशंकर ने बांग्लादेश में हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के बारे में लोकसभा में एक सवाल के जवाब में यह बयान दिया। विदेश मंत्री ने कहा कि सरकार ने अगस्त 2024 से हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं की कई रिपोर्टें देखी हैं, जब शेख हसीना को बांग्लादेश से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

जयशंकर ने कहा कि सरकार ने पूरे बांग्लादेश में अगस्त 2024 के महीने सहित हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों, उनके घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं और मंदिरों/धार्मिक स्थानों पर हमलों की कई रिपोर्टें देखी हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सरकार ने इन घटनाओं को गंभीरता से लिया है और बांग्लादेश सरकार के साथ अपनी चिंताओं को साझा किया है।

जनपद और ग्राम पंचायत की संपत्ति कुर्क

कोर्ट के आदेश पर तहसीलदार ने की कार्रवाई, पीड़ित परिवार को मिलेगी सहायता राशि

बलौदाबाजार। जिले में पहली बार उच्च न्यायालय के आदेश के बाद तहसीलदार ने जनपद पंचायत बलौदाबाजार और ग्राम पंचायत देवरी की संपत्ति कुर्क की है। दरअसल मामला 2016 का है। ग्राम पंचायत देवरी के स्कूल में शौचालय निर्माण के दौरान एक मजदूर की 11 हजार केवी लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई थी। इस पर हाईकोर्ट में याचिका दायर किया गया था। न्यायालय ने ग्राम पंचायत देवरी व जनपद पंचायत बलौदाबाजार की संपत्ति कुर्क कर पीड़ित को 11,02,286 रुपए देने का आदेश दिया है। कोर्ट के आदेश के बाद आज जनपद पंचायत बलौदाबाजार में तहसीलदार ने संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की।

कोर्ट के आदेश के बाद जनपद सीईओ, जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित आफिस के कुर्सी टेबल सहित अन्य सामानों को जब्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार सन 2016 में देवरी पंचायत द्वारा स्कूल में शौचालय निर्माण कराया जा रहा था, जिसके ऊपर से 11 केवी बिजली लाइन गई थी। काम के दौरान इस बिजली

लाइन की चपेट में आने से मजदूर की मौत हो गई थी। ललित साहू की मौत के बाद मृतक की पत्नी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर न्याय की गुहार लगाई थी। इस पर न्यायालय ने मृतक के परिवार को जनपद पंचायत व ग्राम पंचायत देवरी से मृतक के परिवार को 11 102 1286 रुपए देने का आदेश दिया था। यदि पैसा नहीं दे पाते हैं तो संपत्ति कुर्क कर परिजनों को सहायता राशि उपलब्ध कराने कहा, जिस पर आज कार्रवाई की गई।

जनपद पंचायत के अधिकारी ने बताया, उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। बीआरसीसी के आदेश पर पंचायत को शौचालय निर्माण एजेंसी नियुक्त किया गया था। शौचालय निर्माण के दौरान हादसा हुआ, जिसमें एक मजदूर की की मौत हुई थी। अचानक संपत्ति कुर्क करने की कार्यवाही से हड़कंप मच गया है।

संपत्ति की नीलामी कर पीड़ित परिवार को दी जाएगी सहायता राशि

इस मामले में नायब तहसीलदार ने बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश पर आज कार्रवाई प्रारंभ की गई है। पहले चल संपत्ति को कुर्क किया गया। उसके बाद अचल संपत्ति पर जब्ती की कार्यवाही की जाएगी। इसके नीलामी से जो पैसा आएगा उसमें से पीड़ित परिवार को उच्च न्यायालय के आदेशानुसार सहायता राशि दी जाएगी।

सरगुजा संभाग में विकासखंड स्तरीय समन्वय बैठक आज

एमसीबी। सरगुजा संभाग में प्रशासनिक समन्वय और जनभागीदारी को सशक्त बनाने के लिए 30 नवंबर 2024 को जनकपुर-भरतपुर ब्लॉक मुख्यालय में विकास खंड स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक सुबह 11:30 बजे शुरू होगी। कार्यक्रम में आयुक्त महोदय के साथ जिला स्तरीय अधिकारी, निर्वाचित जनप्रतिनिधि और समाज के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य शासन की योजनाओं और विकास कार्यक्रमों को समय पर लक्षित समुदायों तक पहुंचाना है। इसमें स्वच्छता अभियान, पंचायती राज को सशक्त बनाने, जल-जंगल-जमीन के प्रबंधन, राजस्व प्रशासन और शासकीय भूमि के संरक्षण जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। त्रिस्तरीय पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों पर भी विशेष जोर दिया जाएगा। बैठक का संचालन अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार और सीईओ जनपद पंचायत की देखरेख में होगा। इस कार्यक्रम में 11:30 बजे अधिकारियों का स्वागत, 11:35 बजे दीप प्रज्वलन और 11:50 बजे आयुक्त महोदय का उद्बोधन होगा। इसके बाद विभागीय योजनाओं की जानकारी और विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा।

दुर्ग डिजिटल अरेस्ट ठगी केस आरोपी औरंगाबाद से पकड़ाया

■ पुलिस की अपील लोग रहें अलर्ट

दुर्ग। दुर्ग में डिजिटल अरेस्ट का झांसा देकर ठगी के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस ठगी गिरोह के एक सदस्य को पकड़ने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी को महाराष्ट्र के औरंगाबाद से गिरफ्तार किया है। इस केस का मास्टरमाइंड अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। दुर्ग के भिलाई में आरोपियों ने एक शख्स को डिजिटल अरेस्ट की बात कहकर उससे कुल 49 लाख रुपये की ठगी की थी।

आरोपियों ने डिजिटल अरेस्ट का झांसा देकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया। भिलाई के इंद्रप्रकाश कश्यप को डिजिटल अरेस्ट की बात कहकर पांच दिनों तक उन्हें परेशान किया। बदमाशों ने कुल पांच दिनों तक उन्हें झांसा दिया और उनसे कुल 49 लाख रुपये की ठगी की। शातिर ने पुलिस नेटवर्क को लेकर एक फर्जी सेटअप तैयार किया और फोन पर उन्हें गुमराह कर ठगी की वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस ने इस केस की जांच में साइबर क्राइम और क्राइम यूनिट की मदद ली। इसके

बाद इनपुट मिलने पर टीम महाराष्ट्र गई और आरोपी को हिरासत में ले लिया। इस केस में आरोपी से पूछताछ की जा रही है। दुर्ग पुलिस का दावा है कि वह मास्टरमाइंड की तलाश कर रही है। जल्द ही डिजिटल अरेस्ट का मास्टरमाइंड सलाखों के पीछे होगा।

दुर्ग पुलिस ने इस मसले पर लोगों से अपील की है कि डिजिटल अरेस्ट का कोई प्रावधान कानून में नहीं है। कई बार पीएम मोदी भी मन की बात में इस बात का उल्लेख कर चुके हैं। उन्होंने कहा है कि डिजिटल अरेस्ट का देश के कानून में कोई जिक्र नहीं है। जो लोग इस बात का झांसा देते हैं उनसे सतर्क रहने की जरूरत है। ऐसे किसी भी झांसे में आप लोग न आएं। ऐसी सूरत में अपने स्थानीय पुलिस को संपर्क करें।

शैक्षणिक स्तर को लेकर कलेक्टर गंभीर, स्कूलों का कर रही हैं दौरा

गौरेला पेंड्रा मरवाही। बीते शैक्षणिक वर्ष में परीक्षा परिणाम संतोष जनक नहीं आने के बाद जिले की कलेक्टर शैक्षणिक स्तर बढ़ने और बच्चों के परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। कलेक्टर स्कूलों में छात्रों से सीधे संवाद करने से लेकर उन्हें कैरियर गाइडेंस और शिक्षकों पर नकेल कसने और लगातार निगरानी करने के प्रशासनिक प्रयास के बाद अब कलेक्टर अर्धवार्षिक परीक्षा के परिणाम के बाद संकुल स्तर पर निजी एवं सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राओं से जिला प्रशासन की टीम के साथ सीधे संवाद कर उन्हें टाइम मैनेजमेंट एवं पढ़ाई के प्रति ईमानदार रहने जैसी अनेक सलाह दे रही है साथ ही सभी समस्याओं को ठीक करने का आश्वासन देकर पूरा फोकस पढ़ाई पर करने के लिए प्रेरित कर रही है।

आदिवासी जिले गौरेला पेंड्रा मरवाही शुरू से प्रतियोगी परीक्षाओं से लेकर खेल कूद में आगे रहा है,पर बीते एक-दो वर्षों से जिले का परीक्षा परिणाम लगातार नीचे गिरता रहा है जिसकी वजह से जिले में पद स्थापना के बाद से जिले की कलेक्टर लीना

कमलेश मंडावी ने इसे गंभीरता से लेकर शैक्षणिक स्तर ऊंचा करने प्रयासरत है जिस क्रम में सबसे पहले उन्होंने शिक्षकों पर नकेल लगाने से लेकर शिक्षा के प्रति अपना सत प्रतिशत देने के लिए उन्हें प्रेरित किया एवं लापरवाह शिक्षकों पर लगातार कार्यवाही भी की , इसके साथ ही कलेक्टर अपने दौरे मैं नियमित रूप से किसी न किसी स्कूल में भ्रमण कर वहां के छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद कर रही हैं।

वहीं जिले का अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद अब जिले की कलेक्टर तीनों विकास खंड के अलग-अलग संकुलों में जाकर उसे संकुल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी शासकीय एवं निजी विद्यालयों के टॉप 3 छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद कर उन्हें और बेहतर परिणाम लाने के लिए प्रेरित कर रही हैं साथ ही उनके प्रश्नों को सुनकर उन्हें कैरियर गाइडेंस देने एवं टाइम मैनेजमेंट के साथ पढ़ाई के प्रति ईमानदार रहने जैसे कई टिप्स भी दे रही हैं। कलेक्टर ने अपने कार्यक्रम में किसी भी तरह की औपचारिकताएं न करने की हिदायत विकासखंड शिक्षा अधिकारी से लेकर जिला शिक्षा अधिकारियों और संबंधित प्राचार्य को दे दी है। कलेक्टर को अपने बीच पाकर छात्र छात्राओं में भी उत्साह देखने को मिल रहा है कलेक्टर की यह पूरी कवायत जिले के शैक्षणिक स्तर को ऊंचा उठाकर बेहतर परिणाम लाने के लिए है अपने हर दौर में छात्राओं से व्यक्तिगत मुलाकात कर कलेक्टर उनसे स्कूलों की समस्याओं से भी अवगत होकर उनके निराकरण के लिए प्रयास कर रही हैं।

सीजीपीएससी परीक्षा परिणाम : सफलता की कहानी टॉपर्स की जुबानी

इंजीनियर की नौकरी छोड़ी, पांचवें प्रयास में मारी बाजी

रायपुर। सीजीपीएससी 2023 एग्जाम का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया गया है। बलौदाबाजार जिले के पलारी क्षेत्र के ग्राम कोसमंदी गांव निवासी रविशंकर वर्मा ने मुंबई से सॉफ्टवेयर इंजीनियर की नौकरी छोड़कर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी की और सफल रहे। रविशंकर वर्मा अभी बैकुंठपुर में जिला रोजगार अधिकारी के पद पर पदस्थ हैं। उन्होंने एनआईटी रायपुर से साल 2012 में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की फिर मुंबई में प्लेसमेंट हुआ। 2015 तक सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की नौकरी की। फिर 2015 में ही नौकरी से त्याग पत्र देकर रायपुर लौट आये। इसके बाद सिविल सर्विस की तैयारी में जुट गये। साल 2017 से लगातार पांच बार परीक्षा दी। इस बार में सफल रहे।

रविशंकर का चयन डिप्टी कलेक्टर के पद पर हुआ है। उनके पिता बालकृष्ण वर्मा किसान हैं। मां योगेश्वरी गृहणी हैं। वो चार भाई बहनों में सबसे छोटे हैं। उनके बड़े भाई प्राइवेट नौकरी करते हैं। दो बहनें शिक्षिका हैं। जिनकी शादी हो चुकी है। उनकी उपलब्धि को लेकर उनके माता-पिता काफी खुश हैं। उनके घरों

में बधाई देने वालों को सिलसिला सुबह से ही जारी है। रवि शंकर के पिता बालकिशन वर्मा ने बताया कि रवि पढ़ाई लिखाई में शुरू से ही काफी होशियार था। आठवीं तक की पढ़ाई उसकी गांव के ही हिंदी मीडियम प्राइमरी स्कूल में हुई। आगे की पढ़ाई रायपुर से की। उसकी उपलब्धि को लेकर हमें बहुत खुशी है कि हमारा बेटा एक छोटे से गांव से निकलकर इतने बड़े पद पर पहुंचा। रविशंकर के शिक्षक रामकुमार साहू ने बताया कि रवि को मैं गणित विषय पढ़ता था और वह काफी कुशाग्र बुद्धि का था उसकी इस सफलता को लेकर हमारे गांव के साथ ही साथ शालाका भी नाम रोशन हुआ है। इसके लिए उसे बहुत-बहुत बधाई।

इस बार साक्षात्कार 100 अंक का हुआ था, पिछली साल की तुलना में 50 नंबर कटौती हुई थी। पिछले 150 नंबर का इंटरव्यू होता था। इसे लेकर विवाद हुआ था। मेंस के 7 पेपर हुए थे, जिसमें सभी के लिये 200 अंक निर्धारित था। इसमें 1400 नंबर और साक्षात्कार यानी कुल 1500 नंबर के आधार पर मेरिट बनी है। साक्षात्कार 18 नवंबर से शुरू हुए थे। मुख्य परीक्षा और इंटरव्यू के नवंर को मिलाकर मेरिट लिस्ट तैयार की गई है। साल 2023 में कुल 242 पदों के लिए ये भर्ती निकाली गई थी। 703 उम्मीदवारों ने साक्षात्कार दिया था। टॉप 10 लिस्ट में इस बार पुरुष अभ्यर्थियों का दबदबा है। टॉप 10 लिस्ट में 6 पुरुष और 4 महिला शामिल हैं।

सातवें नंबर पर रहे पेंड्रा के दिव्यांश चौहान पिता हैं शिक्षक; परिवार में खुशी का माहौल

पेंड्रा। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग 2023 एग्जाम का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया गया है। टॉप 10 लिस्ट में सातवें स्थान पर पेंड्रा के रहने वाले दिव्यांश सिंह चौहान ने जगह बनाई है। साल 2023 में कुल 242 पदों के लिए ये भर्ती निकाली गई थी। 730 उम्मीदवारों ने साक्षात्कार दिया था। टॉप 10 लिस्ट में इस बार पुरुष अभ्यर्थियों का दबदबा है। टॉप 10 लिस्ट में 6 पुरुष और 4 महिला शामिल हैं। लोक सेवा आयोग छत्तीसगढ़ के इस

लिस्ट में पेंड्रा के दिव्यांश चौहान का भी चयन हुआ है कुल पदों में तीन डिप्टी कलेक्टर का पद होने के कारण इन्हें उपसंचालक आदिम जाति कल्याण विभाग मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में दिव्यांश सिंह चौहान रायपुर में साक्षात्कार के बाद वापस पेंड्रा लौट रहे हैं। इनके पिता शिक्षक हैं। सामान्य परिवार में रहने वाले दिव्यांश चौहान ने अपनी स्थानीय पढ़ाई और कठिन मेहनत के बाद ये परिणाम लाया है। सामान्य परिवार में रहने वाले दिव्यांश चौहान के परिवार में खुशी का माहौल है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

सनातन हिंदू एकता यात्रा में शामिल हुए डिप्टी सीएम शर्मा

कबीरधाम। मध्य प्रदेश के बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के नेतृत्व में प्रभु श्रीरामराजा सरकार की पवित्र नगरी ओरछा तक सनातन हिंदू एकता यात्रा निकाली जा रही है। इस यात्रा में छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम विजय शर्मा शामिल हुए। यूपी के बरुआ सागर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की यह पदयात्रा पूरे देश में चर्चा का विषय बनी हुई है। डिप्टी सीएम ने कहा कि जब-जब देश में महापुरुषों ने पदयात्रा निकली है, तब-तब देश में बड़ा परिवर्तन आया है। पूर्व में आदि शंकराचार्य, विवेकानंद ने भी पदयात्रा की थी, तब परिवर्तन आया था। मैं पूरी उम्मीद के साथ कहना चाहता हूं कि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की यह पदयात्रा भी देश में परिवर्तन लाएगी। जातिपात की करो बिदाई, हिन्दू-हिन्दू भाई-भाई। शर्मा ने कहा कि इस पदयात्रा को लेकर हमारे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शुभकामनाएं भेजी हैं। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से छत्तीसगढ़ में भी ऐसे ही पदयात्रा निकालने के लिए निवेदन किया है।

सुपेला फ्लाईओवर में पिकअप आ टकराई ट्रक से

भिलाई नगर। सुपेला फ्लाईओवर पर नागपुर से आ रही पिकअप की ट्रक से टक्कर हो गई, इस हादसे में जहां पिकअप का हेल्पर साइड का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया वहीं पिकअप चालक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस पेट्रोलिंग ने ट्रक में फंसी पिकअप को फ्लाईओवर से नीचे उतरवा कर साइड किया, जिसके बाद यातायात सुचारू हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह सुपेला फ्लाईओवर पर चंद्रा-मौर्या टाकीज के पास यह हादसा हुआ जब नागपुर से संतरा व अनार लोड कर पिकअप क्रमांक एमएच 30 बीडी 5621 पावर हाउस फलमंडी जा रही थी। इसी दौरान फ्लाईओवर पर सामने से जा रही ट्रक क्रमांक एमएच 12 एनएक्स 1974 को पीछे से पिकअप ने ठोकर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप ट्रक के पीछे फंस गई। पिकअप का हेल्पर साइड बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि पिकअप चालक को हल्की झपकी आने से यह हादसा हुआ और वह गंभीर रुप से घायल हो गया।

जन मिलिशिया कमांडर धनरू ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में नक्सल विरोधी अभियान लोन वर्राटू (घर वापसी) के तहत एक और सफलता मिली है। पूर्वी बस्तर डिवीजन के बयानार एरिया कमेटी के जन मिलिशिया कमांडर धनरू ने पुलिस अधीक्षक गौरव रॉय के समक्ष आत्मसमर्पण किया। बता दें, सरकार की समर्पण और पुनर्वास नीति के तहत धनरू को 25 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। इसके साथ ही, वह समर्पित नक्सलियों के लिए लागू सभी योजनाओं का लाभ उठाएगा। दंतेवाड़ा में चल रहे लोन वर्राटू अभियान के तहत अब तक 206 इनामी नक्सलियों सहित कुल 884 नक्सली आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में जुड़ चुके हैं। यह अभियान नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति और विकास लाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहा है। लोन वर्राटू अभियान ने न केवल नक्सलियों को पुनर्वास का मौका दिया है, बल्कि क्षेत्र में शांति और विकास के नए दरवाजे भी खोले हैं।

एसडीएम के सरकारी वाहन ने बच्चे को मारी टक्कर

गरियाबंद। जिले के देवभोग में एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां निजी स्कूल से छुट्टी के बाद घर जा रहे पहली कक्षा के छात्र को एसडीएम के सरकारी वाहन ने टक्कर मार दी। घटना में बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया है। जिसका इलाज अस्पताल में जारी है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार दोपहर देवभोग एसडीएम तुलसी दास मरकाम ड्यूटी पर निकले हुए थे। बस स्टैंड के आगे तभी सरकारी वाहन ने छात्र को टक्कर मार दी, जिससे छात्र गंभीर रू से घायल हो गया। हादसे के बाद वहां मौजूद राहगीरों ने तुरंत घायल बच्चे को अस्पताल पहुंचाया। एसडीएम भी कुछ ही देर में अस्पताल पहुंचे। हादसे के बाद बच्चे के परिजनों और स्थानीय लोगों में आक्रोश देखने को मिला। यादव समाज के अध्यक्ष सुशील यादव भी अस्पताल पहुंचे और देखते ही देखते वहां भीड़ जमा हो गई। लोगों ने आरोपी चालक की मेडिकल जांच कराने की मांग की है। वहीं देवभोग थाना प्रभारी आरोपी चालक लेखराम ठाकुर के खिलाफ एमएलसी प्रपत्र भरा और डॉक्टर ने जांच में चालक के शरीर से एल्कोहल की पुष्टि किया।

महानदी पर बना मेघा पुल टूटने से लोग परेशान

धमतरी। जिले के मेघा गांव में महानदी पर पुल टूटने के बाद वैकल्पिक मार्ग बनाने की मांग को लेकर ग्रामीणों और व्यापारियों ने प्रदर्शन किया। इसके चलते स्टेट हाइवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई है। बता दें कि मेघा महानदी पुल दो महीने पहले टूटा है। इसके बाद इस मार्ग पर आवाजाही बंद कर दी गई है। इसके कारण राजिम, मगरलोड क्षेत्र के लोगों को कुरूद जाने के लिए कई किलोमीटर का लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा। बता दें कि नब्बे के दशक में तत्कालीन विधायक स्व। दीपा साहू के प्रयास से महानदी पर मेघा पुल का निर्माण कराया गया था। इस पुल के बनने से मगरलोड, नगरी, गरियाबंद क्षेत्र में कुरुद की कन्केक्टिविटी बढ़ी, जिससे वन क्षेत्रों में विकास की किरणें जगने लगी थी, लेकिन रेत माफियाओं ने क्षेत्र की इस अनमोल धरोहर को भी नहीं छोड़ा। गाड़ाडीह और मेघा के बीच महानदी पर बने पुल के तीन पिल्लर गिर गए, नीचे का सपोर्ट खत्म हो जाने से पुल में दरार आ गई है। अब यह पुल धंसता और टूटता जा रहा है।

प्रसव के बाद प्रसूता की मौत, परिजनों का डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

■ एसपी और कलेक्टर से शिकायत

कोरबा। कोरबा में प्रसव के बाद एक महिला की मौत को लेकर शहर का न्यू कोरबा अस्पताल एक बार फिर से विवादों में आ गया है। महिला की मौत के बाद परिजन काफी आक्रोशित हैं और प्रबंधन के खिलाफ सीविल लाईन थाना में शिकायत किए है। परिजनों ने मामले में अस्पताल के डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है,कि प्रसव के बाद संक्रमण समाप्त करने के लिए एक दवा दी,जिसके बाद प्रसुता की सेहत बिगड़ती चली गई और अंत में उसकी मौत हो गई।

कोरबा शहर के कोसाबाड़ी में संचालित न्यू कोरबा अस्पताल एक बार फिर से विवादों में आ गया है। प्रसव के बाद अस्पताल में एक प्रसुता की मौत हो गई जिसके बाद अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप लग रहे है। परिजनों

ने सीविल लाईन थाना में प्रबंधन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। बताया जा रहा है,कि 29 वर्षीय सृष्टि शर्मा को प्रसव पीड़ा उठने पर परिजन न्यू कोरबा अस्पताल ले गए जहां सामान्य प्रसव कराने के बाद प्रबंधन ने ऑपरेशन से प्रसव कराने की बात कही। परिजनों के राजी होने के बाद महिला का प्रसव कराया गया,जहां उसने एक स्वस्थ्य शिशु को जन्म दिया। इसके बाद जच्चा और बच्चा दोनों को आईसीयू वार्ड में भर्ती कर दिया गया। कुछ देर बात महिला के पति को बुलाकर कहा जाता है,कि संक्रमण होने के कारण प्रसुता को एक दवा दी गई है,जिसके 24 घंटे बाद सब सामान्य हो जाएगा। लेकिन दवा देने के बाद महिला के जीवन की उल्टी गिनती शुरु हो गई और रात करीब साढ़े 11 बजे उसकी मौत हो गई।

अस्पताल प्रबंधन की ओर से डॉक्टर ने बताया कि महिला के बच्चेदानी में पानी कम हो गया था वही शिशु ने भी शौच कर दिया था हालत पहले से क्रिटिकल थी।सृष्टि शर्मा की मौत को लेकर परिजनों ने पूरी तरह से अस्पताल प्रबंधन को जिम्मेदार माना है। उनका आरोप है,कि प्रसव के बाद से ही उन्होंने एक बार भी पत्नी से मिलने नहीं दिया। बहुत सारी बातें छिपाई। उन्होंने वास्तविकता छिपाई जिसके कारण उसकी मौत हो गई। बहरहाल मामले की शिकायत पुलिस से की गई है,देखने वाली बात होगी,कि पुलिस शिकायत पर क्या संज्ञान लेती है।

संगवारी बाइक एंबुलेंस : वनांचलों में स्वास्थ्य सुविधा का नया दौर

■ अब तक चार हजार से ज्यादा लोगों को मिला फायदा

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के कोटा के सुदूर वनांचलों में बसे गांवों में वो दिन लद गए जब अस्पताल तक न पहुंच पाने की वजह से किसी को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया न हो पाए। अब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीणों को त्वरित स्वास्थ्य सेवा मिल पा रही है।

सुदूर और पहुंचविहीन गांवों में जहां एंबुलेंस तक का पहुंच पाना संभव नहीं है वहां के जंगल से लगे गांवों की सड़कों पर अब बाइक एंबुलेंस सरपट दौड़ रही है। वनांचल के गांवों में रहने वाले बैगा, बिरहोर आदिवासियों के लिए बाइक एंबुलेंस वरदान साबित हो रही है। चार बाइक एम्बुलेंस के जरिए चार हजार से अधिक मरीजों को अब तक अस्पताल ले जाया गया है।

मौसम कोई भी हो चाहे गर्मी, बरसात या सर्दी सभी मौसम में बाइक एम्बुलेंस की सुविधा

चौबीसों घंटे आदिवासियों को मिल रही है। कोटा ब्लॉक के एक बड़े हिस्से में विषम भौगोलिक परिस्थिति के चलते सड़क मार्ग से पहुच पाना संभव नहीं होता है। ग्रामीणों को आपातकाल स्थिति में घर से अस्पताल आने-जाने के लिए बाईक एम्बुलेंस नि:शुल्क परिवहन का एक अच्छा माध्यम बन गया है।

संगवारी एक्सप्रेस बाइक में बनाई गई एक मिनी एम्बुलेंस की तरह है, जिसमें एक मरीज को बिना असुविधा के अस्पताल तक पहुचाँया जा सकता है। यह बिल्कुल नि:शुल्क सुविधा है। कोटा ब्लॉक के सुदूर वनांचलों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं सहित अन्य लोगों के लिए बाईक एम्बुलेंस संजीवनी साबित हो रही है। विकासखंड कोटा में बाइक एम्बुलेंस की सुविधा मार्च महीने से शुरू होने से अब तक 4089 मरीजों को इसका सीधा लाभ मिला है। इसमें सभी वर्ग के मरीज शामिल है। शिवतराई पीएचसी में 1108 कुरदर में 850, केंदा 1310, आमागोहन 821 मरीजों को बाइक एम्बुलेंस की सुविधा मिली है।

बाइक एंबुलेंस के जरिये वनांचल क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव के लिए केन्द्र तक लाया जाता है और शिशुवती माताओं को प्रसव के बाद सुरक्षित घर भी पहुचांया जाता है। ग्रामीण इस सुविधा के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद देते हुए कहते है कि जहां वे पहले इलाज के लिए कई मीलों दूर पैदल चल कर अनेक कठिनाईयों का सामना कर अस्पताल पहुंचते थे, वहीं आज बाईक एंबुलेंस की सुविधा मिलने से अब कठिनाईयां उनके आड़े नहीं आ पाती है और मरीजों को बिना देरी के तुरंत अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल डेका ने एक छात्र का मुकदमा पुस्तक का किया विमोचन

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका से शुक्रवार

को यहां राजभवन में केंद्रीय विद्यालय सरायपाली की प्राचार्य डॉ. सीमा प्रधान द्वारा लिखित एक छात्र का मुकदमा पुस्तक का विमोचन किया। यह पुस्तक शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के बीच के संबंधों पर आधारित है। ऐसे विद्यार्थियों को जगाने के लिए है जो डिग्री प्राप्त करने के लिए अनुचित तरीकों का प्रयोग करते हैं। इसमें अभिभावकों के लिए भी संदेश है। राज्यपाल श्री डेका ने विद्यार्थियों की चेतना को जगाने के लिए लेखिका के इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि युवा वर्ग को प्रेरित करने के लिए यह पुस्तक उपयोगी है।

एसएसपी सिंह ने खमतराई, उरला व नाईट चेकिंग पॉइंटो का निरीक्षण

रायपुर। एसएसपी संतोष सिंह गुरुवार की देर रात में अचानक सड़कों पर निकल पड़े और इस दौरान उन्होंने खमतराई व उरला थाना पहुंचे और निरीक्षण किया। उन्होंने नाइट पैट्रोलिंग को चेक करने के साथ ही थाने के लॉकअप का अवलोकन किया और थाने के नाईट ऑफिसर को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसके साथ ही मरीन ड्राइव, जय स्तम्भ चौक, एनआईटी के सामने और अन्य चेक पॉइंट का जायजा लिया। चेकिंग के दौरान ड्रंकन ड्राइविंग पर गाडियों की जप्ती और दर्जनों संदिग्ध लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई। कुछ के साथ चाकू पकड़ा गया जिन पर आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। इस दौरान एएसपी लखन पटले, सीएसपी आज़ाद चौक अमन कुमार झा व सीएसपी सिविल लाईन अजय कुमार उपस्थित शामिल थे।

तेजज्ञान फाउंडेशन का रजत जयंती ध्यान महोत्सव 1 को

रायपुर। हैप्पी थॉट्स के नाम से पहचानी जाने

वाली तेजज्ञान ग्लोबल फाउंडेशन संस्था एक दिसंबर को छत्तीसगढ़ी अग्रवाल भवन, पुरानी बस्ती में रजत जयंती ध्यान महोत्सव का आयोजन करने जा रही है। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया के प्रदेश प्रमुख संजीव गुप्ता एवं सिंधी पंचायत के अध्यक्ष महेश दरयानी उपस्थित रहेंगे। तेजज्ञान फाउंडेशन के परमेश्वर पटेल, ज्ञान साहू और सुषमा पटेल ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि तेजज्ञान फाउंडेशन के संस्थापक %सरश्री% ने ध्यान और आध्यात्मिकता के महत्व को समझाकर लाखों लोगों के जीवन में आनंद और शांति का संचार किया है। तेजज्ञान फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह महोत्सव ध्यान के माध्यम से विश्व में शांति और आनंद का प्रसार करने के उद्देश्य को एक नई दिशा देगा। इस महोत्सव में भाग लेने के लिए फाउंडेशन ने सभी साधकों, ध्यान प्रेमियों और नागरिकों को शामिल होने की अपील की है ताकि वे अपने जीवन में ध्यान की शक्ति को महसूस कर और शांति और आनंद की दिशा में एक कदम आगे बढ़ सकें।

नागपुर-शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से 31 जनवरी तक चलेगी

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा भंडारकुंड-भीमालगोंडी सेक्शन को अधोसंरचना कार्य के कारण निलंबित किया गया है इसके फलस्वरूप गाड़ी संख्या 11201 नागपुर-शहडोल एक्सप्रेस का परिचालन 31 जनवरी तक तथा गाड़ी संख्या 11202 शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस का परिचालन 1 फरवरी 2025 तक परिवर्तित मार्ग व्हाया नागपुर-आमला-छिंदवाड़ा से किया जा रहा है।

राज्यपाल डेका से मनोहर गौशाला के ट्रस्टी जैन ने सौजन्य भेंट की

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज यहां

राजभवन में मनोहर गौशाला खैरागढ़ के ट्रस्टी श्री अखिल जैन ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने गौशाला में विराजित श्री जीरावला पार्श्वनाथ प्रभु के 2901 वें जन्म कल्याणक एवं गौशाला के 11वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल को आमंत्रित किया। श्री जैन ने चरक ॠषि की पद्धति से निर्मित गोबर की चटाई, गोबर की वैदिक माला और गौ आधारित खेती से उपार्जित प्रथम धान की फसल भेंट स्वरूप उन्हें प्रदान की।

बिरसा मुंडा के परपोते के निधन पर मुख्यमंत्री साय ने शोक व्यक्त किया

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बिरसा मुंडा के परपोते मंगल मुंडा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। बिरसा मुंडा के परपोते मंगल मुंडा की शुक्रवार को दिल की धड़कन रुकने से मौत हो गई। मंगल मुंडा एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल हो गए थे और राजधानी के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था।

पानी को बनाया नहीं जा सकता, केवल बचाया जा सकता है: पद्मश्री पांडे

सतत आवास और कृषि क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ में जलवायु परिवर्तन कार्ययोजना के क्रियान्वयन विषय पर कार्यशाला सम्पन्न

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र द्वारा नवा रायपुर अटल नगर स्थित अरण्य भवन में सतत आवास और कृषि क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ राज्य जलवायु परिवर्तन कार्य योजना के क्रियान्वयन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एयर कंडीशनर तापमान विनियमन पर पोस्टर और जलवायु परिवर्तन से संबंधित 100 सफलता कहानियों पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन किया गया।

कार्यशाला में पद्मश्री उमा शंकर पांडे ने नवा रायपुर अटल नगर स्थित अरण्य भवन में आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में जल संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि जल संकट आज विश्व की सबसे गंभीर समस्याओं में से एक है। उन्होंने यह बात दोहराई कि पानी बनाया नहीं जा सकता, केवल बचाया जा सकता है। उन्होंने सभी से जल बचाने की अपील की और इस दिशा में ठोस व सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

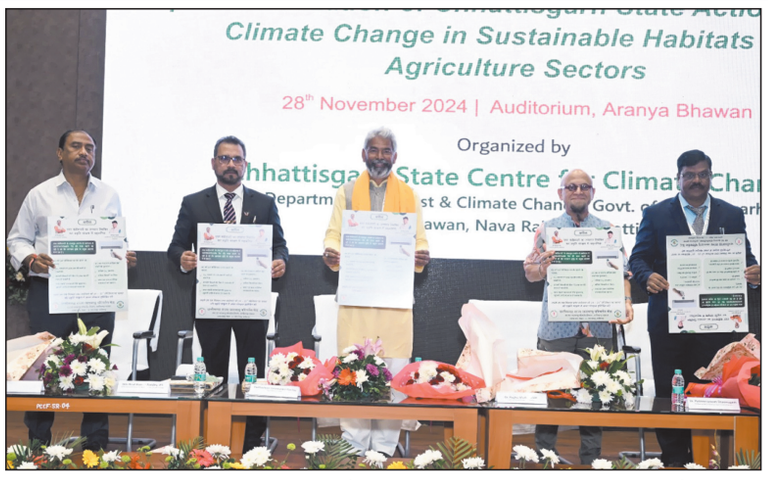

उन्होंने छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण के लिए संग्रहालय और विश्वविद्यालय स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। साथ ही, उन्होंने यह सुझाव दिया कि छात्रों को पानी बचाने के उपायों पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाए और पानी की पाठशाला जैसी पहल शुरू की जाए, ताकि जल के महत्व और उसके संरक्षण की तकनीकों को लोगों तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी पद्धतियां अपनाई जानी चाहिए, जिनसे घर का पानी घर में, गांव का पानी गांव में और जंगल का पानी जंगल में ही संरक्षित रहे। उन्होंने नया रायपुर में मौजूद जल संरचनाओं और जलाशयों की सराहना की। इसके अलावा, उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में किए गए प्रयासों की प्रशंसा की और नदियों को स्वच्छ रखने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख वी. श्रीनिवास राव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या को कम करने के लिए समुदाय की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इस दिशा में प्लास्टिक का उपयोग न करने और आम जनता के बीच जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए हरित ऊर्जा (ग्रीन एनर्जी), हरित भवन (ग्रीन बिल्डिंग), और हरित इस्पात (ग्रीन स्टील) जैसे नवाचारी उपायों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समुदाय के प्रत्येक सदस्य को अपनी भूमिका समझनी होगी और पर्यावरण अनुकूल आदतें विकसित करनी होंगी। साथ ही, उन्होंने जोर दिया कि जागरूकता अभियानों और स्थानीय स्तर पर प्रयासों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों को प्रभावी ढंग से रोका जा सकता है।

कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरुण कुमार पांडे ने कहा कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सतत आवास और कृषि क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन से जुड़े प्रभावी समाधान खोजने के साथ-साथ के तहत बनाई गई रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा करना है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र राज्य की जलवायु परिवर्तन संबंधी समस्याओं को सुलझाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री और वन मंत्री के नेतृत्व में तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख के मार्गदर्शन में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नीतियों और योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया जा रहा है।

कार्यशाला में आबकारी विभाग की सचिव एवं आयुक्त आर. संगीता, आईआईटी मुंबई के क्लाइमेट स्टडीज विभाग के प्रोफेसर डॉ. रघु मर्तुगुडे, तमिलनाडु ङ्खङ्गष्ट के पूर्व निदेशक डॉ. पन्नीरसेल्वम, रायपुर नगर निगम आयुक्त अविनाश मिश्रा, बेंगलुरु के वास्तुकार डॉ. सुजीत कुमार, अंबिकापुर नगर निगम के स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी रितेश सैनी और नर्मदा नैचुरल फार्म्स के संस्थापक संकल्प शर्मा सहित अन्य विशेषज्ञों ने भाग लिया। इन विशेषज्ञों ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए अपने विचार और अनुभव साझा किए। कार्यशाला में दो तकनीकी सत्र और दो पैनल चर्चाएं आयोजित की गईं। कार्यशाला में विभिन्न विषय विशेषज्ञों, अधिकारियों और पर्यावरणविदों सहित पीसीसीएफ आनंद बाबू, अतिरिक्त पीसीसीएफ (वाइल्डलाइफ) प्रेम कुमार, वानिकी विशेषज्ञ बी.पी. सिंह, आईएफएस अधिकारी अमिताभ बाजपेयी, और कई प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सप्रे शाला में स्मार्ट कंप्यूटर कक्ष का उद्घाटन आज सांसद अग्रवाल करेंगे

- **विधायक सुनील सोनी करेंगे समारोह की अध्यक्षता व विशेष अतिथि होंगे समाजसेवी राजेन्द्र शर्मा**

रायपुर। माधवराव सप्रे उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रायपुर शाला विकास समिति द्वारा स्वर्गीय लक्ष्मीकांत, स्वर्गीय कैलाश चंद एवं स्वर्गीय बृजमोहन शर्मा की स्मृति में सन एंड सन ग्रुप शर्मा परिवार के सौजन्य से निर्मित स्मार्ट कंप्यूटर कक्ष का उद्घाटन शनिवार 30 नवंबर को सुबह 11 बजे किया जायेगा। स्मार्ट कंप्यूटर कक्ष उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल होंगे व अध्यक्षता विधायक सुनील सोनी करेंगे। विशिष्ट अतिथि समाज सेवी राजेन्द्र शर्मा होंगे।

शाला विकास समिति माधवराव सप्रे उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय के अध्यक्ष हरख मालू सचिव एवं प्राचार्य डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने बताया कि 15 कंप्यूटरों का एक सुजज्जित कक्ष तैयार किया गया है जहां पर स्कूल के अंग्रेजी हिंदी माध्यम छात्र-छात्राओं को कंप्यूटरीकृत पढ़ाई कर सकेंगे। 30 छात्र-

छात्राएं एक साथ बैठ सकें इसलिए 30 कुर्सियां लगाई गई है। हाईस्कूल के बच्चों को कंप्यूटर संचालन की जानकारी भी प्रशिक्षित टीचर देंगे। शहर के प्राचीनतम माधराव सप्रे उत्कृष्ट अंग्रेजी हिंदी माध्यम स्कूल के छात्रों को इसकी जरूरत थी जो अब इस स्मार्ट कंप्यूटर कक्ष के शुरुआत हो जाने से पूरी हो सकेगी।

सामाजिक व शैक्षणिक सरोकार से जुड़े कई कार्यों में सहयोग करने वाली शहर की प्रतिष्ठित संस्थान सन एंड सन ग्रुप के शर्मा परिवार की ओर से स्मार्ट कंप्यूटर कक्ष के लिए सहयोग मिला है। डॉ. सीमा कंदोई पार्षद एवं सदस्य, महादेव नायक सदस्य, संतोष सोनी सदस्य, कंप्यूटर लैब के संयोजक प्रमित नियोगी एवं शाला परिवार के सदस्यगण भी उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहेंगे।

वुमन हिस्ट्रीशीटर्स की गुंडागर्दी, गुंडों के साथ मिलकर दुकानदार को पीटा

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक महिला हिस्ट्रीशीटर ने जमकर हंगामा किया है। हिस्ट्रीशीटर महिला और 15-20 गुंडों ने दुकानदार पर हमला कर दिया। दरअसल, बदमाश दुकान को खाली करवाने पहुंचे हुए थे। इस दौरान दुकान में जमकर तोड़फोड़ की। इसके अलावा दुकानदार के साथ भी मारपीट की है। इतना ही नहीं बदमाशों ने पुलिस के सामने धक्का-मुक्की और गाली गलौज भी की। पूरा मामला गोलबाजार इलाके का है। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

गोलबाजार में छुरा ट्रेडर्स नाम के दुकान पर हिस्ट्रीशीटर मोनिका, वृद्धि साहू और अन्य लोगों ने हमला किया है। दुकान पर मालिक से मारपीट करते हुए सामान फेंकने लगे। छुरा ट्रेडर्स के मालिक मनीष छुरा का कहना है कि वे लोग पिछले 40 साल से वहां व्यापार कर रहे हैं। उनका घर और दुकान वहीं पर है, लेकिन गुरुवार को गुंडों के साथ महिलाएं जबरन दुकान में घुस गईं और बदसलूकी की। उन्होंने सख्त कार्रवाई की मांग की है। वे गुंडों की बदसलूकी से दहशत में है।

गोलबाजार टीआई अर्चना धुरंधर ने बताया कि दो पक्षों के बीच दुकान में कब्जे को लेकर विवाद है। कुछ युवती और महिलाओं के नाम पर मारपीट करने की शिकायत मिली है। इसकी जांच की जा रही है। महिलाओं समेत मारपीट में शामिल सभी गुंडों की तलाश की जा रही है।

रायपुर एम्स में ग्रुप रैगिंग जूनियर्स को कमरे में किया बंद

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में ग्रुप रैगिंग का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पहले कमरे में बंद किया गया। इसके बाद दो बजे रात को कड़ाके की ठंड में कैंपस में खड़ा कराया गया। एमबीबीएस 2023 बैंच के स्टूडेंट्स के साथ सीनियर्स ने ग्रुप रैगिंग की है। आरोप है कि सीनियर छात्रों ने रात को जूनियर छात्र-छात्राओं को रात 12 बजे कमरे में बुलाकर अंदर से खिड़की दरवाजे, पंखे, लाइट सब बंद कर दिए। कमरे में कई छात्रों को सांस लेने में दिक्कत हुई। इस दौरान कई छात्राएं घबराकर रोने लगीं। कुछ बेहोश भी हो गईं। आरोप है कि रात करीब दो बजे सभी जूनियर्स को ठंड में टी शर्ट में बाहर खड़े कराए। मिली जानकारी के मुताबिक रैगिंग एम्स में एमबीबीएस 2023 बैच के स्टूडेंट के साथ सीनियर बैच के स्टूडेंट्स ने की है। आरोप है कि सीनियर स्टूडेंट्स ने जूनियर्स को ग्रुप के साथ बुलाया। फिर एक छोटे से कमरे में बंद कर दिया। जूनियर छात्रों का आरोप है कि कड़के की ठंड में जब बाहर में खड़े कराए गए, उस वक्त सिक्योरिटी गार्ड वहां मौजूद थे। उनसे मदद मांगने पर गार्ड ने भी सीनियर्स को नहीं रोका। लगभग तीन-चार बजे के बाद उन्हें कमरे में जाने की इजाजत मिली। रैगिंग से पीड़ित छात्रों ने सोसायटी अगेंस्ट वायलेंस इन एजुकेशन से मामले की लिखित शिकायत की थी। इसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ।

निष्पक्ष परीक्षा परिणाम से युवाओं में उत्साह, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष ने सीएम का किया आभार व्यक्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा 2023 का परिणाम जारी किया जा चुका है। छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का युवाओं की ओर से आभार व्यक्त किया है और बधाई दी।

विश्वविजय सिंह तोमर ने कहा कि इस बार परीक्षा की पूरी प्रक्रिया अविवादित और निष्पक्ष रही है, जिससे युवाओं विशेषकर सिविल सेवा, व्यापम और अन्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं में उत्साह बढ़ा है तो साथ ही उनके परिजन भी खुश है कि राज्य में सुशासन की सरकार लौटने से उनके बच्चों का भविष्य सुरक्षित हाथों में है । उन्होंने

आरोप लगते हुए कहा कि बीतें वर्षों में कांग्रेस सरकार के दौरान सिविल सेवा और व्यापम परीक्षा परिणाम विवाद व घोटालों की भेंट चढ़ता रहा। कई परिणामों में नेताओं या अफसरों के परिवार पोषण का मामला सामने आया और मामला न्यायालय व सीबीआई जांच तक पहुंच गया । उन्होंने कहा कि भाजपा ने वादा किया था कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने पर सभी घोटालों की जांच करा दोषियों को जेल भेजेंगे । मुख्यमंत्री विष्णदेव साय जी के नेतृत्व में सुशासन की सरकार ने युवाओं से किया वादा पूरा किया है, सीजीपीएससी 2023 का परिणाम निर्विवादित एवं निष्पक्ष आने से युवा एक बार फिर सिविल सेवा व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के तैयारी को लेकर उत्साहित है ।

इमारती लकड़ी, बांस, बल्ली और जलाऊ लकड़ी की बिक्री अब ई-नीलामी से

रायपुर। छत्तीसगढ़ वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि अब वनमंडलों के काष्ठागार-बांसागार में इमारती लकड़ी, बांस, बल्ली एवं जलाऊ का लकड़ी की बिक्री ई-नीलामी के माध्यम से किया जाएगा। यह प्रक्रिया नौ दिसंबर से ई-नीलामी के माध्यम से किया जाएगा। इसकी शुरूआत धमतरी काष्ठागार से होगी। छत्तीसगढ़ राज्य के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में पहले इमारती लकड़ी, बांस, बल्ली एवं जलाऊ की बिक्री खुली नीलामी के माध्यम से किया जा रहा था।

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि ई-नीलामी प्रणाली लागू होने से इमारती लकड़ी, बांस, बल्ली एवं जलाऊ का ई-नीलामी पोर्टल के माध्यम से संबंधित डिपो के नीलामी दिनांक एवं अवधि पर कहीं से भी क्रय किया जाना संभव होगा। जबकि पूर्व में, नीलामी में भाग लेने के लिए नीलामी स्थल में ही उपस्थित होना पड़ता था। अब क्रेता अपनी सुविधा अनुसार स्थल से नीलामी में भाग लेकर इमारती लकड़ी, बांस, बल्ली एवं जलाऊ का क्रय कर सकते हैं।

ई-प्रणाली लागू होने से इमारती लकड़ी, बांस, बल्ली एवं जलाऊ की नीलामी में पारदर्शिता होगी। खरीददारों को क्रय करने में सुविधा एवं उनके बहुमूल्य समय की बचत होगी।

कोटा रायपुर का श्मशानघाट, जहां लोग तफरीह के लिए आते हैं

जुनून से श्मशान उपवन में तब्दील

अवैध कब्जा हटाने लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी, धमकियों, चेतावनियों की परवाह किए बिना सेवा के कदम आगे बढ़ते रहे जडेजा और साथियों के...

शशांक खरे

कहते हैं, अगर इरादे नेक हों, कुछ कर गुजरने का जज्बा हो तो निर्जीव पाषाण में प्राण फूंका जा सकता है. अगर संकल्प मजबूत हो तो खांडव वन को इंद्रप्रस्थ बनने में देर नहीं लगती. इसी संकल्प और जुनून से राजधानी रायपुर के एक शख्स ने कोटा रायपुर के श्मशानघाट को सुंदर उपवन में बदल दिया. श्मशानघाट का नाम सुनते ही, व्यक्ति के दिमाग में जो छवि बनती है, वो बताने की जरूरत नहीं. किंतु, कोटा का श्मशानघाट आज जिस सूरत में है, लोग वहां सुबह-शाम तफरीह के लिए आते हैं. इस श्मशानघाट को स्वच्छ, सुंदर और काबिले तारीफ बनाया है, जुनूनी इनसान और समाजसेवी विजय जडेजा और उनके साथियों ने. अब स्थिति ये है, कि श्मशानघाट में आने वाला हर व्यक्ति इस स्थान विशेष की तारीफ किए बिना नहीं थकता.

समाजसेवी विजय जडेजा ने एक साक्षात्कार में बताया कि, आज से 15-20 साल पहले कोटा श्मशानघाट की स्थिति दयनीय थी. शव लेकर अंतिम संस्कार के लिए आने वालों के सामने एक नहीं, कई समस्याएं थीं. बुनियादी सुविधाओं का अभाव तो था ही, अवैध कब्जे अलग हो रहे थे. छाया, पानी, लकड़ी समेत कई दीगर चीजों के लिए लोगों को भटकना पड़ता था. इस श्मशानघाट की ओर किसी का ध्यान नहीं था. बकौल विजय जडेजा सबसे पहले मैंने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर प्लानिंग की, कि... क्यों न इस श्मशानघाट को सुविधाओं से लैस किया जाए और एक गार्डन का स्वरूप दिया जाए. किंतु, मुख्य समस्या धन (फंड) की थी. कड़ी कड़ी मिलाकर कुल 11 सदस्यों की एक टीम बनी. सभी सदस्यों ने जितना संभव हो, आर्थिक मदद करके धन संग्रह किया. फिर धीरे-धीरे बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और श्मशानघाट में हरियाली लाने पर काम शुरू हुआ. दो-तीन सालों में मेहनत का परिणाम सामने आने लगा. श्मशानघाट की सूरत बदलने लगी. परिवर्तन देखकर लोगों ने तारीफ करना शुरू भी किया, तो हमारा हौसला और बढ़ने लगा. फिर देखते ही देखते श्मशानघाट में ऐसा विकास और विस्तार होने लगा, कि ये स्थान विशेष श्मशान कम गार्डन नजर आने लगा. जब यहां गार्डन जैसा वातावरण बना तो लोगों ने सुबह-शाम टहलना शुरू कर दिया. कभी लोग झांकने नहीं आते थे, अब मुहल्ले से बाहर के लोग भी सैर-सपाटे के लिए रोज आते हैं.

11 लोगों की टीम इस श्मशानघाट को सजाने-संवारने में

कुल 11 लोगों की टीम है. सभी सदस्य समान हैं. कोई अध्यक्ष, कोई पदाधिकारी नहीं. सभी बराबर की भूमिका में रहते हैं. हां, एक-दूसरे की इज्जत मान-सम्मान का बराबर ध्यान रखा जाता है. लगभग सभी व्यवसायी हैं, दिनभर अपने-अपने काम-धंधे में लगे रहते हैं, किंतु समाज सेवा के लिए थोड़ा-थोड़ा समय निकालकर समर्पित भाव से काम करते हैं. आपस में कोई मन-मालिन्यन नहीं है. सब भाई-भाई हैं. किसी को कोई ईगुमान नहीं. सभी सदस्य समाज सेवा को परम-धरम मानने वाले हैं.

फंड की व्यवस्था

टीम के सभी सदस्य सामर्थ्य के अनुरूप योगदान देते हैं. कोई भी सदस्य आर्थिक सहयोग में आना-कानी नहीं करता. एक चौकीदार रखा गया है. जो श्मशान की रखवाली और दीगर काम संभालता है. उसके रहने की व्यवस्था भी श्मशानघाट में ही है. जडेजा बताते हैं, कि कफन के कपड़े जो लोग छोड़कर चले जाते हैं, उसे संभालकर रखा जाता है, जो ज्यादा खराब होते हैं, उसे धोकर अच्छे से प्रेस (इस्त्री) कर पैकेट में सुरक्षित रखा जाता है. हर सप्ताह व्यापारी उसे खरीदने आते हैं. सारे कपड़े व्यापारी को बेच दिया जाता है. जो पैसा आता है, उससे चौकीदार की सैलरी और बिजली बिल समेत अन्य खर्च में समायोजित कर दिया जाता है. हर सप्ताह लगभग एक मेटाडोर कपड़े एकत्र हो जाते हैं.

अवैध कब्जे हटवाने लड़ाई लड़ी

समाजसेवी विजय जडेजा बताते हैं, कि जब इस श्मशानघाट के जीर्णोद्धार का हमने बीड़ा उठाया तो सबसे बड़ी समस्या थी, अवैध कब्जा. जिन लोगों ने अवैध कब्जा किया था, उनसे निपटना आसान नहीं था. किंतु हमने हिम्मत नहीं हारी. सबसे पहले श्मशानघाट के चारों ओर बाउंड्री व वाल खड़ी की. अवैध कब्जे का मामला बिलासपुर हाईकोर्ट तक गया. काफी लंबे समय तक कोर्ट-कचहरी का चक्कर काटते रहे. काफी पैसा खर्च हुआ. अंततः फैसला हमारे पक्ष में आया. अवैध कब्जा हटाना पड़ा. आज श्मशान चारों ओर से सुरक्षित है.

कट्टरपंथ की ओर बढ़ता बांग्लादेश

डॉ कृष्ण कुमार रत्तू

इन दिनों बांग्लादेश जिस तरह के हालात से गुजर रहा है, वैसी स्थिति वहां पहले कभी भी नहीं थी। सामाजिक सौहार्द और समरसता का चेहरा, जो स्वतंत्रता से लेकर अब तक इस देश ने बनाये रखा था, वह संविधानिक विरासत इस समय बिखर गयी सी लगती है। बांग्लादेश अपनी मुक्ति से लेकर आज तक भारत का अभिन्न दोस्त तथा इससे पहले भारत का हिस्सा रहा है। आज भी बांग्लादेश में मिली-जुली विरासत की निशानियां मौजूद हैं। हिंदू विरासत, इतिहास तथा मंदिरों के इस देश में, सुबह मस्जिदों की अजान के साथ हिंदू मंदिरों में गूंजती घंटियां, साझी विरासत व समरसता का जयघोष करती थीं। यहां की विरासत बंगाल के मिले-जुले इतिहास तथा साहित्य-संस्कृति और भाषा में निहित थी। पाकिस्तान के कट्टरपन और जुल्मों से त्रस्त बांग्लादेश जब लंबे संघर्ष के बाद आजाद हुआ और एक स्वतंत्र देश बना, तब से लेकर अब तक जितनी भी सरकारें वहां आयीं, उनमे से शेख मुजीबुर रहमान के परिवार तथा उनकी पार्टी का ही वर्चस्व रहा है। परंतु पिछले दिनों शेख हसीना के तख्तापलट के बाद प्रो युनुस के हाथों में हुकूमत आयी और तभी से बांग्लादेश विद्रोह और अल्पसंख्यकों के प्रति कट्टरपन का रास्ता अख्तियार कर चुका है। बीते कुछ महीनों से जिस तरह यहां हिंदू मंदिरों, व्यापारिक संस्थानों, घरों तथा अन्य संस्थाओं पर हमले हो रहे हैं, उसने यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या आने वाले दिनों में बांग्लादेश का कट्टरपन उसे भी उन इस्लामी देशों की सफ में खड़ा करेगा जो आतंकवाद तथा रोहिंग्या मुसलमानों के मसले को लेकर दुनियाभर में बदनाम हैं। इतिहास गवाह है कि यह भूभाग, जो कभी भारत का भाग था, कभी भी ऐसी कट्टरवाद की आंधी में नहीं झुलसा था। इसी कारण हजारों मंदिरों वाले इसके 64 जिले भारतीय सभ्यता, मुस्लिम संस्कृति व ईसाई व बौद्ध अल्पसंख्यकों के साथ समरसता का भाव रखते हुए मिलजुल कर रहते थे। पिछले दिनों इस्कॉन के हिंदू मंदिरों के अध्यक्ष चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के विरोध में जिस तरह का उबाल हिंदुओं में देखने को मिला, वैसा पहले कभी नहीं हुआ है। बांग्लादेश में इस समय 40,000 से ज्यादा मंदिर हैं। इसमें कई ऐतिहासिक मंदिर भी शामिल है जिन्हें खूबसूरत टेराकोटा तथा बंगाली व हिंदू संस्कृति के अनुरूप सजाया-संवारा तथा संभाल कर रखा गया है। बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित राम काली मंदिर और प्रसिद्ध ढाकेश्वरी माता मंदिर की हिंदू धर्म में बेहद मान्यता है। इतना ही नहीं, 51 हिंदू शक्तिपीठों में से सात बांग्लादेश में मौजूद हैं। वर्तमान में इस देश में दस हजार वर्ष से अधिक पुराने मंदिर भी देखे जा सकते हैं। हिंदू जनसंख्या की बात करें, तो यहां के गोपालगंज, धाकड़ डिवीजन में अकेले 26।94 प्रतिशत जनसंख्या हिंदुओं की है। मौलवीबाजार, सिलहट डिवीजन की 24 प्रतिशत, ठाकुर गांव, रंगपुर डिवीजन की 22 प्रतिशत और खुलना डिवीजन की 20 प्रतिशत जनसंख्या हिंदू है। हिंदुओं के अतिरिक्त यहां ईसाई और बौद्ध भी रहते हैं। वर्ष 1947 में बंटवारे के समय आज के बांग्लादेश को पूर्वी बंगाल कहा जाता था, जो देश के बंटवारे के बाद पूर्वी पाकिस्तान कहलाया। तब यहां बंगाली हिंदू बड़ी संख्या में रहते थे। आज भी बांग्लादेश की एक बड़ी जनसंख्या हिंदू है। सोलह करोड़ की जनसंख्या वाले इस देश की लगभग 10 प्रतिशत जनसंख्या हिंदू है। बांग्लादेश बनने के बाद हिंदू बहुल इलाकों में जिस तरह से इस्कॉन मंदिरों का फैलाव हुआ है, वह हिंदू आबादी तथा आस्था का चेहरा भी दिखाता है। वहीं शेख हसीना के तख्ता पलट के बाद यहां जिस तरह मुस्लिम सांप्रदायिक संस्थानों की बाढ़ आयी है और कट्टरपन बढ़ा है, वह बांग्लादेश का दूसरा चेहरा दिखाता है। इसके संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान ने जब भारतीय सेना के सहयोग से इस देश की स्वतंत्रता की घोषणा की थी तब यहां मौजूद सर्वधर्म, सद्भाव व समरसता के चलते ही इसे रिपब्लिक, यानी गणतंत्र का दर्जा दिया गया था। पर आज यह देश कट्टरपंथियों के हाथों में आ चुका है, जो दूसरे संप्रदाय के लोगों को बांग्लादेश की धरती पर रहने देना ही नहीं चाहते। उनके घर, संस्थान तथा उद्योग प्रतिष्ठान जलाये जा रहे हैं। इस तरह के कृत्य में बांग्लादेश की राजनीतिक पार्टियां, चाहे वह मुस्लिम लीग हो, जमायते इस्लामी हो, अलबाजार अलशम हो, सभी शामिल हैं। बांग्लादेश, जो रबींद्रनाथ टैगोर और काजी नजरुल इस्लाम जैसे कवियों की धरती है, आज वहां अल्पसंख्यक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। बांग्लादेश की स्वतंत्रता के बाद से यहां कभी भी ऐसा माहौल नहीं रहा जहां अल्पसंख्यक अपने आपको इतना असुरक्षित महसूस करते हों। भारत सरकार द्वारा जल्द से जल्द इस मुद्दे को हल करना ही वहां के अल्पसंख्यकों के लिए बेहतर होगा, अन्यथा बहुत देर हो जायेगी।

पाकिस्तान पर हंसें कि रोएं, क्या हिंसा से मिलेगा समाधान?

मरिआना बाबर

यदि आप इतिहास का अध्ययन करें, तो ग्रीक त्रासदी मानव अनुभव के उन पहलुओं को दर्शाती है, जो व्यक्तिगत नियंत्रण से परे होते हैं। इस हफ्ते इस्लामाबाद की स्थिति ने मुझे उसी ग्रीक त्रासदी की याद दिला दी। जब मैं यह कॉलम लिख रही हूं, तो पूरा मुल्क घबराया हुआ है कि आने वाले हफ्तों या महीनों में न जाने क्या होगा। पूरे पाकिस्तान में अनिश्चितता व्याप्त है। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि इस स्थिति पर हंसें या रोएं, खासकर तब, जब शहबाज शरीफ की सरकार एक चींटी को मारने के लिए हथौड़े का इस्तेमाल करती है। आप चाहें, तो उस घटना पर हंस ही सकते हैं, जो उस दिन घटी।

मुल्क के विभिन्न हिस्सों से आकर इस्लामाबाद में प्रदर्शन कर रहे पाकिस्तान तहरीक-ए इन्साफ (पीटीआई) के समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने इस्लामाबाद के सभी प्रवेश मार्गों पर सैकड़ों कार्गो कंटेनर रखे थे, ताकि कोई भी प्रदर्शनकारी या उनके वाहन अंदर न जा सकें। सभी सड़कें बंद कर दी गई थीं और आप रावलपिंडी से भी प्रवेश नहीं कर सकते थे। कुछ विदेशी जो पहली बार इस्लामाबाद आए थे, पूरी तरह से भ्रमित थे, क्योंकि उन्होंने कार्गो कंटेनर देखे, जो आमतौर पर समुद्री बंदरगाहों पर देखे जाते हैं। विदेशियों को यह समझाने में कुछ समय लगा कि राजधानी में वास्तव में क्या हो रहा था। विरोध प्रदर्शन और धरना किसी भी पाकिस्तानी का सांविधानिक अधिकार है, लेकिन पीटीआई चेयरमैन के साथ समस्या यह है कि वह चाहते हैं कि हजारों प्रदर्शनकारी संवेदनशील इलाके में डेरा डालें, जहां सुप्रीम कोर्ट, संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय और पास में ही

डिप्लोमैटिक एन्क्लेव जैसी महत्वपूर्ण इमारतें हैं।

इमरान खान के समर्थकों ने पहले भी सारे नियम-कानूनों को ध्वस्त करते हुए संसद भवन पर हमला किया था, इसलिए प्रशासन ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी। इससे टकराव की स्थिति पैदा हो रही थी, क्योंकि मोबाइल सेवाएं, ट्विटर, इंटरनेट सेवाएं या तो बंद कर दी गईं?या धीमी कर दी गई थीं, जो एक बहुत ही खतरनाक कदम था। विरोध प्रदर्शन की शुरुआत में टीवी चैनलों पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई थी, जो शुरुआत में ठीक उनकी नाक के नीचे हो रही घटनाओं की पूरी तरह से अनदेखी कर रहे थे। यहां तक कि समसामयिक कार्यक्रमों में इस मुद्दे पर चर्चा होने के बावजूद प्रदर्शन स्थल से कोई लाइव रिपोर्टिंग नहीं हो रही थी। इस बीच, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने भी अपने फैसले में पीटीआई के किसी भी विरोध प्रदर्शन पर रोक और धारा 144 लगा दी थी, लेकिन इससे प्रदर्शनकारी रुके नहीं। हालांकि देश भर से हजारों सुरक्षाकर्मियों को बुलाया गया था, फिर भी सरकार ने सेना को तैनात करने का आदेश दिया और प्रदर्शनकारियों को देखते ही गोली मारने के आदेश दिए। इससे काफी बवाल मचा और मीडिया तथा गैर-पीटीआई सदस्यों ने भी इसकी निंदा की, क्योंकि ऐसा लगा कि सुरक्षा प्रतिष्ठान अपने ही नागरिकों के खिलाफ युद्ध की तैयारी कर रहा था। लेकिन भीड़ को इस्लामाबाद में प्रवेश करने से नहीं रोका जा सका, क्योंकि खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री भारी सरकारी मशीनरी लेकर कंटेनरों को हटा रहे थे।

पीटीआई ने बुधवार को अपना धरना समाप्त कर दिया और राजधानी से चले गए, लेकिन इस बीच कई दिलचस्प पहलू सामने आए हैं। पीटीआई इमरान खान और जेलों में बंद अन्य राजनीतिक कैदियों की रिहाई की मांग कर रही थी। उन्होंने यह भी मांग की कि उनका 'चुराया हुआ जनादेश' वापस किया जाए, जिसके कारण वे चुनाव जीतने से वंचित रह गए और उन्हें सरकार बनाने की अनुमति दी जाए। उनकी बात सही है, क्योंकि यह स्पष्ट था कि वे पिछला चुनाव जीते थे, लेकिन सुरक्षा प्रतिष्ठान ने सुनिश्चित किया कि इमरान खान प्रधानमंत्री न बनें। यह इतिहास के सबसे धांधली वाले चुनावों में से एक था।

इमरान खान की तीसरी पत्नी बुशरा बीबी की भूमिका महत्वपूर्ण है, जिन्होंने खैबर पख्तूनख्वा से आने वाले काफिले को अपहृत करने की कोशिश की, जिसका नेतृत्व वहां के मुख्यमंत्री अली अमीन गंधपुर कर रहे थे। भले ही इमरान खान जोर देते हैं कि वह एक गृहिणी हैं, लेकिन बुशरा बीबी ने पूरे विरोध प्रदर्शन में बहुत ही विध्वंसकारी भूमिका निभाई। जब प्रशासन ने रात के अंधेरे में रूर बल का प्रयोग करना शुरू किया, तो बुशरा बीबी और खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री, दोनों एबटाबाद के मनसेहरा शहर में चले गए और अपने बेचारे समर्थकों को अकेला छोड़ दिया। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच टकराव के कारण सैकड़ों लोग गिरफ्तार और घायल हुए। कई प्रदर्शनकारी हथियारबंद भी थे। उन्होंने विरोध प्रदर्शन की कमान पूरी तरह अपने हाथों में ले ली और कार्यकर्ताओं से कहा कि वह अपनी आखिरी सांस तक इस्लामाबाद में रहेंगी और इमरान खान की रिहाई के बाद ही यहां से जाएंगी।

यह दिलचस्प था, क्योंकि पहली बार एक पंजाबी महिला पख्तूनों के काफिले का नेतृत्व कर रही थी और उसे आम कार्यकर्ता का समर्थन भी मिल रहा था। लेकिन सुरक्षा बलों द्वारा क्रूर बल का प्रयोग अस्वीकार्य था, जिसमें कई मौतें हुईं और कई घायल हुए। चार सुरक्षाकर्मियों की मौतें हुईं, जबकि पीटीआई का दावा है कि उसके बारह कार्यकर्ताओं की जान चली गई। हालांकि सेना के जवानों ने कोई कार्रवाई नहीं की। लेकिन एक अजीब दृश्य तब देखने को मिला, जब कुछ युवा पख्तून प्रदर्शनकारी उस ऊंचे कंटेनर पर चढ़ गए, जहां सेना के जवान खड़े थे और उन्हें गले लगा लिया। उन्होंने सेल्फी भी खिंचवाई। इन दृश्यों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। लेकिन यह गृहयुद्ध जैसी स्थिति अभी खत्म नहीं हुई है, अब देखना यह है कि इमरान खान तर्कसंगत रास्ता अपनाते हैं और सरकार पर दबाव बनाने के लिए विपक्षी दलों से बातचीत करते हैं या सरकार से बातचीत शुरू करते हैं, क्योंकि इसका जवाब राजनीतिक समाधान में ही छिपा है। जैसा कि राजनीतिक विश्लेषक और लेखक जाहिद हुसैन बताते हैं, 'अपनी दोषपूर्ण लोकलुभावन बयानबाजी के बावजूद जेल में बंद इमरान खान मुल्क के सबसे शक्तिशाली नेता हैं। शायद मुल्क के इतिहास में किसी अन्य नेता को वर्ग विभाजन से परे इतना व्यापक समर्थन नहीं मिला है।'

एकात्मता के स्वर — सोमनाथ

शतानंद नामक ब्रह्मा के आठवें वर्ष में समुद्र से ली, कौस्तुभमणि आदि के साथ चंद्रमा का जन्म हुआ था। इन चंद्रदेव के साथ प्रजापति दक्ष ने अपनी अश्विनी आदि प्रिग सत्ताईस कन्याओं का विवाह कर दिया। चंद्रमा द्वारा रोहिणी से अधिक प्रेम करने से शेष कन्याओं ने पिता दक्ष से इसकी शिकायत की। दक्ष ने कई बार समझाया, चंद्रमा ने तब भी सभी पत्नियों के साथ समानता का व्यवहार नहीं किया तो दक्ष ने अपने जामाता को क्षयरोग होने का श्राप दे दिया। शाप निवारण के लिए देवताओं ने प्रभास क्षेत्र में जाकर मृत्युंजयमंत्र जाप करने को कहा। छह माह तक खड़े होकर दस करोड मंत्रों के जाप से भगवान् शिव प्रसन्न हो गये और चंद्रमा का दु:ख दूर करने की व्यवस्था देते हुए कहा कि शुक्ल पक्ष में तुम्हारी कला पंद्रह दिन बढ़ेगी व कृष्ण पक्ष के पंद्रह दिन में नित्य घटेगी। शाप से पूरा मुक्त नहीं हो सकते हो तभी से भगवान् शिव उस प्रभास क्षेत्र में समुद्र के किनारे, वज्रिणी नदी के पूर्व, न्यूंकुमती नदी तक चार योजन चौडा और पाँच योजन लम्बाई में तथा समुद्र में कृतस्मर से आगे सी धनुष की दूरी तक शिवजी सोमनाथ (सोमेश्वर) के नाम से विराजते हैं। भक्तों की रक्षा के लिये शिवजी ने वहाँ विघ्नराज गणेशजी को भी स्थापित किया है। शिव और ब्रह्मा का निवास माना जाने वाला वहाँ पर सोमनाथ कुण्ड है जिसमें छह माह तक स्नान करने से क्षय आदि असाध्य रोग नष्ट हो जाते हैं। यहाँ भगवान् शिव पूर्वाह्नकाल में ऋग्वेद मध्याह्नात में यजुर्वेद के भीतर अपराह्न काल में सामवेद में और सन्ध्याकाल के समय अथर्ववेद में विराजमान होते हैं। संपूर्ण यादव वंश का आपस में लडकर यहीं प्रभास क्षेत्र में विनाश हुआ। जरा व्याध के बाण से यहीं भगवान् श्रीकृष्ण के पैर में बाण लगा था। यह क्षेत्र उनकी अंतिम लीलास्थली भी है। वैभव का वर्णन करते हुए मुस्लिम इतिहासकार इब्न असीर ने कहा है यहाँ दस हजार गाँवों की जागीर है। एक हजार पुजारी पूजा करते हैं। प्रतिदिन गंगा जल आत है। मुख्य मंदिर छप्पन रत्नजडित खंभों पर आधारित है। सन् 1025 में विदेशी आक्रांता महमूर गजनवी ने इसकी पवित्रता नष्ट कर अपार सम्पत्ति लूटी। गुजरात के राजा भीमसिंह ने मंदिर का पुनर्निमाण कराया। स्वतंत्र भारत के गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल, कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी के प्रयत्नों से ब्रह्मशिता पर एक भव्य मंदिर का निर्माण कराया गया जिसकी प्राण-प्रतिष्ठा भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने 11 मई 1651 को की।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदों में अष्टादश पुराणों के नाम

गतांक से आगे...

ब्रह्मपुराण- (यजु: 13 । 3) (क) ब्रह्म जज्ञानं प्रथमम् । (ख) ते निचिक्युर्ब्रह्म पुराणमध्यम् । (बृहदारण्यक 6 । 3 । 18)

अर्थात् - प्रथम पुराण का नाम ब्रह्म है और उस अग्रिम पुराण को वे ऋषि लोग जानते हुबे ।

पद्मपुराण- यस्मिन् विश्वा (ऋग्वेद 10 । 82 । 6) अजस्य नाभावधि एकर्मापतं भुवनानि तस्थु: ।

अर्थात् - अजन्मा विष्णु भगवान् की नाभि में एक अण्डरूप पद्म था जिस में समस्त भुवनों की स्थिति थी। (सायण ने यहां अण्ड का उल्लेख किया है और पुराणों में इसी अण्ड का पद्म रूप से वर्णन किया है)

विष्णुपुराण- स (प्रजापति:) यजुर्योऽधिविष्णु (असृजत) । (तैत्तिरीय 2 । 3 ।2 ।4)

अर्थात् - प्रजापति परमात्मा ने यजुर्वेदमूलक विष्णुपुराण को बनाया (यहां सर्जन रूप क्रिया के योग से विष्णु शब्द का अर्थ ग्रन्थ- विशेष ही युक्तियुक्त है।)

अग्नि-पुराण- अग्निमें वाचि श्रित: । (तैत्तिरीय 3 ।10 ।5।8

अर्थात-अग्निपुराण मेरी जिह्वा पर स्थित है यानी कण्ठाग्र है। दयानन्दी शैली से यहां अग्नि शब्द का अर्थ भौतिक अग्नि नहीं हो सकता, क्योंकि वह किसी की जिह्वा पर थोड़े ही ठहर सकता है। दूसरे निराकार की जिह्वा भी नहीं हो सकती। अत: यहां अग्नि शब्द का अर्थ अग्निपुराण ही हो सकता है, क्योंकि जिह्वा पर ग्रन्थ-विशेष की स्थिति ही संभव है।

भिवष्यपुराण-भविष्यत्प्रति चाहरत् । (तैत्तिरीय 3 ।12 ।6 । 3)

अर्थात् - भविष्यत्पुराण (सृष्टि का) प्रत्याहरण करता हुआ । यानी भविष्यत्पुराण में उत्तरकालीन वर्णनों से सृष्टि के इतिहास का उपसंहार किया गया है।

क्रमश: ...

राजीव दीक्षित

राकेश रंजन

राजीव दीक्षित का जन्म 30 नवंबर 1967 को उत्तर प्रदेश राज्य के अलीगढ़ जनपद की अतरौली तहसील के नाह गांव में पिता राधेश्याम दीक्षित व माता मिथिलेश कुमारी के सुपुत्र के रूप में हुआ था। उन्होंने अपनी प्राथमिक तथा माध्यमिक शिक्षा फिरोजाबाद जिले के एक शाला से प्राप्त की। इसके उपरांत उन्होंने श्री प्रयागराज (तत्कालीन इलाहाबाद) शहर के जेके इंस्टीटयूट से बीटेक तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी कानपुर से एमटेक की उपाधि प्राप्त की। राजीव भाई ने कुछ समय भारत सीएसआईआर में कार्य किया। उन्होंने गोपनीय रिसर्च प्रोजेक्ट मे भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के साथ भी कार्य किया।

राजीव ने श्री प्रयागराज (तत्कालीन इलाहाबाद) के जेके इंस्टीटयूट से बी.टेक. की शिक्षा लेते समय ही 'आजादी बचाओ आंदोलन' से जुड गए, जिसके संस्थापक बनवारीलाल शर्मा थे, जो इलाहाबाद विश्वविद्यालय में ही गणित विभाग के मुख्य शिक्षक थे। संस्था में राजीव भाई प्रवक्ता के पद पर थे। संस्था में अभय प्रताप, संत समीर, केशर, राम धीरज, मनोज त्यागी व योगेश कुमार मिश्रा जी शोधकर्ता अपने अपने विषयों पर शोध कार्य करते थे। जो संस्था द्वारा प्रकाशित 'नई आजादी उद्घोष' नामक मासिक पत्रिका में प्रकाशित हुआ करते थे। इसी बीच उनकी मुलाकात प्रो. धर्मपाल नामक इतिहासकार से हुई, जिनकी किताबें अमेरिका मे पढाई जाती है, परंतु भारत मे नहीं। धर्मपाल जी को राजीव भाई अपना गुरु भी मानते है, उन्होने राजीव भाई के अनेक प्रश्नों के उत्तर ढूंढने मे बहुत मदद की। उन्होंने राजीव भाई को भारत के बारे मे वो दस्तावेज उपलब्ध कराए, जो इंग्लैंड की लाइब्रेरी हाउस ऑफ कामन्स मे रखे थे, जिनमें अंग्रेजो ने पूरा वर्णन किया था कि कैसे उन्होने भारत गुलाम बनाया। राजीव भाई ने उन सब दस्तावेजों का बहुत अध्यन किया और ये जानकर उनके रोंगटे खडे हो गए कि भारत के लोगो को भारत के बारे मे कितना गलत इतिहास पढ़ाया जा रहा है। फिर लोगों के सामने वास्तविकता लाने के लिए राजीव भाई गांव, शहर-शहर जाकर व्याख्यान देने लगे।

सब जानने के बाद राजीव भाई ने इन विदेशी कंपनियों और भारत में चल रहे अंग्रेजी कानूनों के विरुद्ध एक बार फिर से वैसा ही स्वदेशी आंदोलन शुरू करने का संकल्प लिया, जैसा किसी समय बालगंगाधर तिलक ने अंग्रेजों के विरुद्ध किया था।

राजीव दीक्षित घूम-घूमकर लोगों को भारत में चल रहे अंग्रेजी कानून, आधी अधूरी आजादी का सच, विदेशी कंपनियो की भारत में लूट आदि विषयो के बारे मे बताने लगे। सन 1999 में राजीव के स्वदेशी व्याख्यानों की कैसेटों ने समूचे देश में धूम मचा दी थी।

सन 1984 मे जब भारत में भोपाल गैस कांड हुआ, तब राजीव ने इसके पीछे के षडयंत्र का पता लगाकर ये खुलासा किया कि ये कोई घटना नहीं थी, बल्कि अमेरिका द्वारा किया गया एक परीक्षण था (जिसकी अधिक जानकारी आपको उनके व्याख्यानों में मिलेगी) तब राजीव भाई ने यूनियन कार्बाइड कंपनी के विरुद्ध प्रदर्शन किया।

ट्रंप के पास इतिहास रचने का मौका, अवसर मिलने पर नहीं चूकेंगे

थॉमस एल फीडमैन

क्या डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में दोबारा लौटने से इस्राइल और फलस्तीन पर दो राष्ट्र समाधान का अमेरिकी दबाव खत्म हो जाएगा? यह जरूरी नहीं है, क्योंकि यह इस पर निर्भर करता है कि व्हाइट हाउस में कौन-से डोनाल्ड ट्रंप बैठते हैं। क्या यह वह ट्रंप होंगे, जिन्होंने हाल ही में पश्चिमी तट पर इस्राइल कब्जे के समर्थक माइक हुकाबी को यरूशलम में अपना नया राजदूत नियुक्त किया है? या वह ट्रंप होंगे, जिन्होंने अपने दामाद जेरेड कुशनर के साथ मिलकर बिल क्लिंटन के कार्यकाल के बाद दो-राष्ट्र समाधान के लिए विस्तृत योजना तैयार की थी?

आपने सही पढ़ा-ट्रंप ऐसे दुर्लभ अमेरिकी राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने इस्राइल और फलस्तीन के बीच सह-अस्तित्व के लिए विस्तृत योजना बनाई थी। अगर ट्रंप 2025 में उस पहल को पुनर्जीवित करते हैं, तो उन्हें एक ऐसे राष्ट्रपति के रूप में याद किया जा सकता है, जिसने इस्राइल को एक यहूदी लोकतंत्र के रूप में संरक्षित किया और साथ ही फलस्तीन को सुरक्षित राष्ट्र के रूप में जन्म लेने में मदद की। चार साल पहले जब मैंने उनसे बात की थी, तो उन्होंने अब्राहम समझौते का समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया था, जिसने इस्राइल और संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, सूडान और मोरक्को के बीच ऐतिहासिक शांति का मार्ग प्रशस्त किया था।

ट्रंप के बारे में आप जो कहें, लेकिन वह बड़े सौदे करने में ही दिलचस्पी रखते हैं, जिनके गंभीर और यहां तक कि इतिहास को आकार देने वाले परिणाम हो सकते हैं। मैंने हाल ही में इस्राइल और यूएई में एक सप्ताह बिताया, जहां मैंने राजनेताओं, सैन्य और व्यापारिक नेताओं, यहूदियों, फलस्तीनियों व अरबों से बात की है कि ट्रंप इस बार उनके क्षेत्र

में क्या कर सकते हैं। अगर ट्रंप सही तरीके से करना चाहें, तो ऐतिहासिक सौदे करने के लिए यहां बहुत सारे अवसर और इच्छाएं हैं। ट्रंप के पास एक शुरुआती बिंदु है : दो-राष्ट्र समाधान योजना, जिसे उन्होंने जनवरी, 2020 में पेश किया था, जिसका शीर्षक था 'शांति से समृद्धि : फलस्तीनी और इस्राइली लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का दृष्टिकोण।' कोई भी पक्ष इसे उस रूप में स्वीकार नहीं करेगा, जैसा कि वर्तमान में लिखा गया है, और सात अक्तूबर, 2023 की घटना के बाद गाजा में होने वाला युद्ध किसी भी सौदे को बहुत जटिल बना देगा। लेकिन ट्रंप की योजना का 'दृष्टिकोण' गाजा के बाद इस्राइल-फलस्तीनी वार्ता के लिए एक शुरुआती बिंदु है, जिसे किसी राष्ट्रपति ने 24 साल पहले क्लिंटन द्वारा निर्धारित क्लिंटन मापदंडों के बाद से दो राष्ट्र बनाने के लिए सार्वजनिक रूप से पेश किया है।

इस योजना में इस्राइल को पश्चिमी तट के लगभग 30 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा करने का अधिकार दिया गया था, जहां अधिकांश यहूदी बसते हैं, जबकि शेष हिस्सा पश्चिमी तट और गाजा में असैन्यीकृत फलस्तीनी राष्ट्र के लिए था। ट्रंप ने प्रस्ताव दिया कि गाजा का विस्तार इस्राइल के नेगेव रेगिस्तान की भूमि से किया जाएगा, ताकि फलस्तीनियों को पश्चिमी तट से छोड़े जाने वाले क्षेत्र के हिस्से के लिए मुआवजा दिया जा सके। और ट्रंप ने प्रस्ताव दिया कि गाजा और पश्चिमी तट को ऊपर की सड़कों और सुरंगों से जोड़ा जाए, लेकिन केवल तभी, जब हमास को गाजा में नेतृत्व से हटा दिया जाए, जैसा कि उन्होंने उस समय जोर दिया था। फलस्तीनी राजधानी यरूशलम के बाहरी इलाके में होगी। इस योजना में दोनों पक्षों से कहा गया कि एकमात्र स्थायी समाधान दो स्वदेशी लोगों के लिए दो राष्ट्रों का होना है, जिसमें भूमि विनिमय और पारस्परिक रूप से सहमत सुरक्षा व्यवस्था शामिल है, जिस पर वे बातचीत करेंगे। और नहीं भूलिए कि ट्रंप की 2020 की योजना पर कुछ महत्वपूर्ण छापें हैं।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू और रॉन डर्मर, जो तब अमेरिका में उनके राजदूत थे, ने उस समय इसे स्वीकार किया था, लेकिन नेतन्याहू ने इसे कभी औपचारिक रूप से अपने मंत्रिमंडल के सामने पेश नहीं किया। इसके बजाय, नेतन्याहू ने ट्रंप द्वारा इस्राइल के लिए निर्धारित क्षेत्र के कुछ हिस्सों को अपने में मिलाने की कोशिश की, लेकिन ट्रंप ने उन्हें रोक दिया। फिर यूएई ने दखल देते हुए कहा कि अगर नेतन्याहू पश्चिमी तट को एकतरफा ढंग से अपने में नहीं मिलाने का वादा करते हैं, तो वे इस्राइल के साथ रिश्तों को सामान्य कर देंगे। इस तरह से अब्राहम समझौते की शुरुआत हुई। लेकिन यह सिर्फ एक सांत्वना पुरस्कार था, बेशक मूल्यवान, लेकिन सदी का वह सौदा नहीं था, जिसकी ट्रंप आकांक्षा रखते थे। इसलिए अगर गाजा में युद्ध विराम और बंधकों की अदला-बदली होती है, तो मुझे उम्मीद है कि ट्रंप इस दूसरे मौके का फायदा उठाने पर विचार करेंगे, जो इतिहास उन्हें दे रहा है, दोनों पक्षों को शांति शिखर सम्मेलन के लिए कैंप डेविड में आमंत्रित करके वह वहां से बातचीत शुरू कर सकते हैं।

इस पहल से दोनों पक्षों को यह पता चल जाएगा कि ट्रंप इस पर चर्चा करने के लिए उनकी राजनीति का इंतजार नहीं करेंगे, क्योंकि इस संघर्ष को रोकना अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण है, इससे पहले कि यह अमेरिका को कहीं ज्यादा इस युद्ध में घसीट ले। और हम जानते हैं कि ट्रंप को यह युद्ध पसंद नहीं है। अगर ट्रंप अपनी योजना को फिर से शुरू करते हैं, तो यह दुनिया को स्पष्ट कर देगा कि इस्राइल को अमेरिका से कोई कोरा चेक नहीं मिला है, जिससे वह बिना किसी विश्वसनीय योजना के गाजा में हमेशा के लिए लड़ सके।

यह संकेत देगा कि फलस्तीनियों को अपनी बातचीत एक साथ करने की जरूरत है, न कि केवल शिकायत करने की, और यह ईरान को संकेत देगा कि ट्रंप तेहरान को कूटनीतिक ढंग से सैन्य रूप से अलग-थलग करने का इरादा रखते हैं, जैसा कि उन्होंने अपनी योजना में कहा है, अगर वे इस्राइल से सुरक्षित शांतिपूर्ण रिश्ते बनाते हैं, तो 'फलस्तीनियों के आत्मनिर्णय की वैध इच्छा' को साकार करने में मदद मिलेगी। पिछले हफ्ते इस्राइल में, मैंने इस्राइली यहूदियों, इस्राइली अरबों और पश्चिमी तट के फलस्तीनियों से बातचीत में एक बात समान देखी कि वे सभी इस युद्ध से थक चुके हैं और दोनों पक्षों के सर्वश्रेष्ठ लोग देश छोड़ने के बारे में सोच रहे हैं। ट्रंप युद्ध खत्म करवा कर उन्हें आश्चर्यचकित कर सकते हैं।

आज का इतिहास

1747 डच राज्य के ज़ीज़िल ने महिलाओं के लिए वंशानुगत राज्यपाल की घोषणा की।
1753 बेंजामिन फ्रैंकलिन ने गोडफ्रे कोप्ले पदक अपने उत्सुक प्रयोगों और बिजली पर टिप्पणियों के कारण प्राप्त किया।
1804 फ्रांस के आविष्कारक जोज़ेफ़ कोनियो का 79 वर्ष की आयु में निधन हुआ। उन्हें गाड़ी का जनक कहा जाता है।
1822 ब्रिटेन के चिकित्सक और चेचक के टीके की खोज करने वाले एडवर्ड जोन्ज़ का निधन हुआ।
1853 पावेल नखिमोव के नेतृत्व में रूसी युद्धपोतों ने सिनोप की लड़ाई में फ्रिगेट्स के एक ओटोमनफेट को नष्ट कर दिया, जो कि क्रीमियन युद्ध का शिकार था।
1864 अमेरिकन सिविल वॉर-द कॉन्फेडरेट स्टेट्स आर्मी को युद्ध की सबसे बुरी आपदा का सामना करना पड़ा क्योंकि टेनेसी की सेना ने फ्रैंकलिन, टेनेसी में गढ़वाले पदों के खिलाफ कई सफल ललाट हमले किए।
1872 पहला आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय फुटबाल मैच खेला गया। इंग्लैंड और स्कॉट लैंड के बीच होने वाला यह मैच वेस्ट ऑफ स्कॉटलैंड क्रिकेट में हुआ।
1872 स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के बीच ग्लासगो के हैमिल्टन क्रिसेंट में पहला अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच हुआ।
1886 पहली व्यावसायिक रूप से सफल एसी विद्युत बिजली संयंत्र खोला गया।
1934 स्टीम लोकोमोटिव फ्लाइंग स्कॉट्समैन पहली बार आधिकारिक तौर पर 100 मील प्रति घंटे से अधिक हो गया।
1939 शीतकालीन युद्ध शुरू हो गया, क्योंकि सोवियत रेड आर्मी ने फिनलैंड (फिनिश सैनिकों का चित्र) पर आक्रमण किया और जल्दी से मैननेरहाइम लाइन के लिए उन्नत किया, एक कार्रवाई जिसे राष्ट्र संघ द्वारा अवैध माना गया।
1942 द्वितीय विश्व-इंपीरियल जापानी नौसेना के युद्धपोतों ने गुआडलकैनाल पर तस्सराफोंगरिया के पास एक रात के नौसैनिक युद्ध के दौरान संयुक्त राज्य की नौसेना बलों को हराया।
1961 तत्कालीन सोवियत संघ ने संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता के लिये कुवैत के आवेदन का विरोध किया।

आलोचना पर दमनात्मक रवैया लोकतंत्र के लिए खतरा

योगेंद्र योगी

सत्तारुढ़ राजनीतिक दलों के नेताओं को आलोचना जरा भी बर्दाश्त नहीं है। मीडिया और सोशल मीडिया पर यदि सत्तारुढ़ दलों के नेताओं के खिलाफ कुछ लिखा या बोला जाता है तो उन पर सरकारें दमनात्मक कार्रवाई करने पर उतारू हो जाती हैं। राजनीतिक दल चाहे राष्ट्रीय हो या क्षेत्रीय, किसी को आलोचना बर्दाश्त नहीं है। उनका निशाना विपक्ष और मीडिया रहता है। सत्तारुढ़ दलों को आलोचना तभी तक सुहाती है जब वह विपक्षी दलों की हो। ऐसे में सच्चाई पर पर्दा डालने के लिए राजनीतिक दलों के नेता सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल करने में कसर बाकी नहीं रखते।

एक फिल्म साबरमती रिपोर्ट को लेकर भाजपा और केंद्र सरकार के मंत्री गदगद नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ बीबीसी ने जब गोधराकांड के बाद गुजरात में हुए दंगों को लेकर एक डॉक्यूमेंट्री बनाई तो न सिर्फ उस प्रतिबंध कर दिया गया, बल्कि आयकर विभाग ने बीबीसी पर छापे की कार्रवाई की। विक्रांत मैसी की द साबरमती रिपोर्ट को हरियाणा, छत्तीसगढ़ के साथ ही अब मध्य प्रदेश में भी टैक्स फ्री कर दिया गया है। इन तीनों राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की तारीफ के बाद राजनीतिक महकमों में भी इसकी चर्चा बढ़ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा फिल्म को देखने के बाद इसकी सराहना की गई। विक्रांत मैसी की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की केंद्रीय भूमिका वाली यह फिल्म 27 फरवरी, 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड पर आधारित है। गोधरा स्टेशन के पास खड़ी साबरमती एक्सप्रेस की बोगी नंबर एस6 में आग लगा दी गई थी। अयोध्या से लौट रहे 59 हिंदू कारसेवक जिंदा जल गए थे। मरने वालों में 27 महिलाएं और 10 बच्चे भी शामिल थे। उसके बाद पूरे गुजरात में जो दंगा भड़का, वह आजाद भारत के सबसे भयावह दंगों में से एक था। मोदी उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री थे। अब द साबरमती रिपोर्ट के जरिए बड़े पर्दे पर गोधरा कांड का खौफनाक मंजर दिखा है। पीएम मोदी के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत तमाम मंत्रियों और बीजेपी नेताओं ने द साबरमती रिपोर्ट की प्रशंसा की है। गोधरा में ट्रेन जलाए जाने की भयानक घटना का परिणाम पूरे राज्य में हिंसक दंगों की शक्ल में सामने आया। पूरा गुजरात जल उठा था। केंद्र सरकार ने 2005 में राज्यसभा को बताया था कि दंगों में 254 हिंदुओं और 790 मुसलमानों की जान गई थी। कुल 223 लोग लापता बताए गए थे। हजारों लोग बेघर भी हो गए थे। तत्कालीन मोदी सरकार ने एक जांच आयोग का गठन किया था। उस आयोग में जस्टिस जी टी नानावटी और जस्टिस के जी शाह शामिल थे। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मारे गए 59 लोगों में से अधिकतर कारसेवक थे। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने जस्टिस यूसी बनर्जी की अध्यक्षता में एक अलग जांच आयोग का गठन किया। इस आयोग ने मार्च 2006 में सौंपी अपनी रिपोर्ट में इस घटना को एक दुर्घटना बताया। सुप्रीम कोर्ट ने रिपोर्ट को असंवैधानिक और अमान्य करार देते हुए खारिज कर दिया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एक विशेष जांच दल का गठन किया।

गोधरा कांड और उसके बाद भड़के दंगों ने भारत की राजनीति को हमेशा-हमेशा के लिए बदल दिया। इस मामले में अदालती कार्रवाई जून 2009 से, घटना के आठ साल बाद शुरू हुई। स्पेशल एसआईटी कोर्ट ने 1 मार्च, 2011 को 31 लोगों को दोषी ठहराया, जिनमें से 11 को मौत की सजा और 20 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। अदालत ने इस मामले में 63 लोगों को बरी भी किया। एसआईटी कोर्ट ने उन आरोपों से सहमति जताई कि यह अनियोजित भीड़ द्वारा की गई घटना नहीं थी, बल्कि इसमें साजिश शामिल थी। 31 दोषियों को भारतीय दंड संहिता की आपराधिक साजिश, हत्या और हत्या के प्रयास से संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया था। गुजरात सरकार ने बाद में आरोपियों को बरी किए जाने पर सवाल उठाए। जिन्हें दोषी ठहराया गया, उन्होंने भी गुजरात हाई कोर्ट में अपील की। हाई कोर्ट ने मामले में कुल 31 दोषियों को दोषी ठहराया था और 11 दोषियों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया था। अब मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने है। गुजरात सरकार ने 11 दोषियों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने के खिलाफ अपील की है, कई दोषियों ने मामले में उनकी दोषसिद्धि को बरकरार रखने के उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी।

केंद्र सरकार और भाजपा जहां गोधराकांड पर बनी फिल्म को सच सामने लाने वाला बताते हुए तारीफ कर रही हैं, वहीं वर्ष 2023 में गुजरात दंगों पर बीबीसी के बनाए वृत्त चित्र को न सिर्फ प्रतिबंधित कर दिया गया था, बल्कि आयकर विभाग ने बीबीसी के परिसरों में छापे की कार्रवाई की थी। बीबीसी डॉक्यूमेंट्री इंडिया द मोदी क्वेश्चन दो भागों वाली एक श्रृंखला थी। यह जनवरी में यूके में प्रसारित हुई थी। इसमें बताया गया कि 2014 में मोदी के निर्वाचित होने के बाद से, उनकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने हिंदू-केंद्रित नीतियों को अपनाया है, जिन पर दक्षिणपंथी धार्मिक राष्ट्रवादी एजेंडे के तहत भारत के 200 मिलियन मुसलमानों को निशाना बनाने और उनके साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया गया है, जो भारत को इसकी धर्मनिरपेक्ष नींव से दूर ले जा रहा है। मोदी सरकार की ओर से इस मामले में त्वरित और स्पष्ट प्रतिक्रिया आई। विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रवक्ता ने कहा कि इस डॉक्यूमेंट्री में पूर्वाग्रह और निष्पक्षता की कमी तथा औपनिवेशिक मानसिकता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। बीबीसी पर सरकार विरोधी एजेंडा चलाने का आरोप लगाया गया। इसके बाद आयकर विभाग के एक दर्जन से ज़्यादा अधिकारियों ने बीबीसी के मुंबई और नई दिल्ली स्थित दफ़्तरों पर छापा मारा। इसे उन्होंने सर्वेक्षण बताया। कर चोरी की जांच के तहत फ़ोन और लैपटॉप जब्त कर लिए गए और दफ़्तरों को सील कर दिया। इससे जाहिर है कि सत्तारुढ़ दलों को नेताओं को सिर्फ मनमाफिक एजेंडे वाले कार्यक्रम ही सुहाते हैं। इसमें कोई भी राजनीतिक दल पीछे नहीं हैं। पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जब कभी विपक्षी दलों के खिलाफ हिंसा करवाने के आरोप लगे, तब इसे भाजपा और मीडिया की साजिश करार दिया गया। यही हाल दूसरे राज्यों की क्षेत्रीय दलों की सरकारों का है। विपक्ष दल और मीडिया जब कभी सत्तारुढ़ दलों के खिलाफ कोई खुलासा करते हैं, तब उन्होंने प्रताडऩा का सामना करना पड़ता है। इसका प्रमाण यह है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एक कार्टून बनाने पर कार्टूनिस्ट को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। तमिलनाडु में तत्कालीन मुख्यमंत्री जे जयललिता ने राज्य विधानसभा से 43 विपक्षी सदस्यों को निष्कासित कर दिया और उन्हें कुछ समय के लिए जेल में डाल दिया। जब अंग्रेजी के एक अखबार ने उनके कार्यों की आलोचना करते हुए दो लेख और एक संपादकीय चलाया, तो जयललिता ने जवाब में समाचार पत्र के खिलाफ 17 अलग-अलग आपराधिक मानहानि के मामले दर्ज कराए। इससे जाहिर है कि राजनीतिक दलों के नेताओं के कारनामें उजागर करने पर कानून की चाबुक चलाने में कोई भी पीछे नहीं है। सच्चाई की तलाश में किए गए ऐसे प्रयासों पर नेताओं की टेडी नजर रहती है।

बांग्लादेश : एक हैं तो सेफ हैं सिर्फ चुनावी नारा नहीं बल्कि दीर्घायु रहने का मंत्र है

नीरज कुमार दुबे

बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार का राउंड टू चल रहा है जिसे दुनिया के बड़े-बड़े देश बड़े चाव से देख रहे हैं। हिंदुओं को जिस तरह मारा काटा जा रहा है उस पर संयुक्त राष्ट्र भी चुप है, संयुक्त राष्ट्र का मानवाधिकार आयोग और दुनिया भर में काम करने वाले तमाम मानवाधिकार संगठन चुप हैं क्योंकि जिनको मारा जा रहा है, जिनको काटा जा रहा है, जिनके घर जलाये जा रहे हैं, जिनके यहां लूट की जा रही है, जिनकी बेटियों के साथ अत्याचार किये जा रहे हैं, वह सब हिंदू हैं। गाजा में एक भी मस्जिद पर हमला होता है तो पूरी दुनिया में मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक बड़ा बवाल खड़ा कर देने वाले बांग्लादेश में मंदिरों को

आग के हवाले होते देख कर, देवी-देवताओं की मूर्तियों को खंडित होता देख कर बड़े खुश हो रहे हैं और किसी की जुबान से उफ तक नहीं निकल रही। देखा जाये तो बांग्लादेश में शेख हसीना को पद से हटाने के बाद कट्टरपंथियों ने शासन करने के लिए जिन मोहम्मद यूनुस को चुना वह तो सबसे बड़े कट्टरपंथी निकले। मोहम्मद यूनुस की आंखों के सामने हिंदुओं का खून बह रहा है और वह कह रहे हैं कि यह हमारा आंतरिक मामला है। दुनिया के किसी भी हिस्से में जब किसी हमले में मुस्लिमों की मौत होती है तो पूरी दुनिया में विरोध प्रदर्शन होते हैं और संयुक्त राष्ट्र भी आपात बैठकें बुला कर निंदा प्रस्ताव पास करने लगता है और शांति की अपील करने लगता है लेकिन ढाका और बांग्लादेश के अन्य इलाकों में हिंदुओं का खून बह रहा है तो इसे एक देश का आंतरिक मामला बताया जा रहा है। मोहम्मद यूनुस जिस तरह इतने खूनखराबे पर भी खामोश हैं और मुस्कुरा के सब कुछ देख रहे हैं उसके चलते उनका नोबेल शांति पुरस्कार छीना जाना चाहिए। शांति का नोबेल पुरस्कार किसी ऐसे व्यक्ति के पास हर्गिज नहीं रहना चाहिए जो नरसंहार को बढ़ावा दे रहा हो या उसे रोक पाने के लिए कोई कदम नहीं उठा रहा हो। बांग्लादेश के हालात को देखते हुए तो ऐसा लगता है कि मोहम्मद यूनुस को लाया ही इसलिए गया था ताकि वह कट्टरपंथियों को मनमानी करने की आजादी दे सकें और इस्लामिक देश से उसी तरह हिंदुओं का सफाया किया जा सके जिस तरह पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने अपने यहां से कर दिया। इसमें कोई दो राय नहीं कि आरक्षण के नाम पर बांग्लादेश में शुरू हुआ आंदोलन अब हिंदू विरोधी आंदोलन का रूप ले चुका है। बहरहाल, बांग्लादेश से जो तस्वीरें और वीडियो सामने आ रहे हैं उससे भारत के हिंदुओं को भी बटेंगे तो कटेंगे और एक हैं तो सेफ हैं का अर्थ समझ आ जाना चाहिए। बांग्लादेश की स्थिति बता रही है कि अगर हिंदू कटेंगे तो दुनिया में कहीं कोई आवाज नहीं उठेगी और कोई बचाने नहीं आयेगा इसलिए एक हैं तो सेफ हैं यह कोई चुनावी नारा नहीं बल्कि दीर्घायु रहने का मंत्र है।

महाराष्ट्र : बड़े वायदे और छोटी जेब

अकु श्रीवास्तव

महाराष्ट्र में बड़ी जीत के बाद राज्य में भाजपा का मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के शिंदे गुट ने चमत्कारिक प्रदर्शन किया और 57 सीटों पर जीत दर्ज की। इस गुट ने कुल 80 उम्मीदवार उतारे थे और 50 सीटों पर उसने उद्धव ठाकरे के गुट को सीधी चुनौती दी। उम्मीद से बढ़कर हुए इस प्रदर्शन के बाद भी बुधवार को जिस तरह से एकनाथ शिंदे ने नई सरकार के गठन का फैसला भाजपा नेतृत्व पर छोडऩे की घोषणा की, उसे राजनीतिक हलकों में शिंदे का सरैंडर कहा गया। पर क्या एकनाथ शिंदे सचमुच हथियार डाल चुके हैं। नई सरकार के गठन में पूरी तरह से भाजपा की ही चलेगी। ऐसा बिल्कुल भी नहीं सोचा जाना चाहिए।

विधानसभा चुनाव का नतीजा आए छठा दिन भी बीत गया है और प्रचंड जीत के बाद भी अभी तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के नाम की औपचारिक घोषणा नहीं हो पाई। यह एक बड़ा संकेत है कि सारा मामला एक तरफा नहीं हो सकता। इसमें कोई शक नहीं है कि 88.5 फीसदी के स्ट्राइक रेट के साथ भाजपा ने चुनाव में जो 132 सीटें जीतीं, उसने सहयोगियों की मोल-तोल की ताकत को कम कर दिया। मगर इसका मतलब यह नहीं है कि मोल-तोल की गुंजाइश पूरी तरह खत्म हो गई है। इस बड़ी जीत के बाद भी महाराष्ट्र में सरकार चलाना भाजपा के लिए किसी चुनौती से कम नहीं होगा। यह चुनौती सिर्फ राजनीतिक नहीं है। शिंदे गुट और अजित पवार दोनों के पास भले ही पिछली बार से ज्यादा सीटें हैं मगर उनका कद अब वैसा नहीं

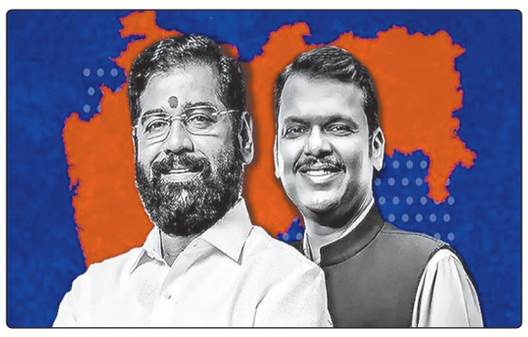

है। भाजपा अब उनके लिए अभिभावक की तरह होगी। वे सिर्फ भाजपा को अपनी पसंद बता सकते हैं, मगर दोनों को भाजपा हाईकमान जो देगा, उससे ही संतोष करना होगा। महाराष्ट्र में सरकार चलाने वाले को आर्थिक चुनौतियों और जनता की आकांक्षा पर खरा उतरना होगा। बड़ी जीत के साथ जनता की बड़ी उम्मीद भी जागती है। महाराष्ट्र में भी ऐसा होगा क्योंकि चुनाव प्रचार के दौरान बहुत बड़े-बड़े वायदे किए गए हैं।

2024-25 के बजट अनुमान के मुताबिक महाराष्ट्र सरकार का कुल कर्ज 7.82 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने वाला है। यह वर्ष 2014 में महज 2.94 लाख करोड़ रुपए था। महाराष्ट्र सरकार पर जितना कर्ज है, वह उसकी कुल जी.डी.पी. का 18.35 फीसदी है। यह पिछले साल 17.26 फीसदी था। यानी कर्ज का अनुपात लगातार बढ़ रहा है। कैग की रिपोर्ट बताती है कि महाराष्ट्र सरकार को अपने कुल कर्ज में से पौने 3 लाख करोड़ रुपए का कर्ज तो अगले 7 साल में चुकाना होगा। इतना ही नहीं महाराष्ट्र सरकार की आमदनी और खर्च का अंतर यानी राजकोषीय घाटा भी मान्य 3 फीसदी के पैमाने को पार कर चुका है। प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मानते हैं कि अब राज्य सरकार कोई नया वित्तीय बोझ उठाने की स्थिति में नहीं है। इसका एक बड़ा उदाहरण भी मौजूद है। कुछ समय पहले जब महाराष्ट्र में 1781 करोड़ रुपए से खेल कॉम्प्लैक्स बनाने का प्रस्ताव प्रदेश खेल मंत्रालय ने भेजा तो राज्य के वित्त मंत्रालय ने साफ लिखा कि राज्य सरकार वित्तीय दबाव में है और नया खर्च बढ़ाने की स्थिति में नहीं है।

अब बात करते हैं महाराष्ट्र चुनाव की गेम चेंजर योजना 'लाडकी बहिन योजना' की। इसके तहत महिलाओं को 2100 रुपए हर महीने दिए जाने हैं। इससे 63000 करोड़ रुपए सालाना खर्च बढऩे का अनुमान है। हालांकि शिंदे सरकार ने चुनाव से कुछ महीने पहले यह योजना शुरू कर दी थी और 1500 रुपए महीना महिलाओं को दिया गया। इसके प्रचार पर भी महायुति सरकार ने 200 करोड़ रुपए खर्च किए। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गत 4 अक्तूबर को नागपुर में एक कार्यक्रम में साफ कहा था कि 'लाडकी बहिन योजना' के चलते राज्य सरकार को एम.एस.एम.ई. उद्योगों को सबसिडी का पैसा देने में मुश्किल आ सकती है। उन्होंने यहां तक कह दिया था कि सरकार पर निर्भर मत रहिए। सत्ता में चाहे कोई भी पार्टी हो, सरकार विषकन्या के समान होती है। अगर आप सरकार पर बहुत अधिक निर्भर रहेंगे तो आप बर्बाद हो जाएंगे।

सिर्फ 'लाडकी बहिन योजना' ही नहीं चुनाव जीतने के लिए भाजपा और उनके सहयोगियों ने अंधाधुंध वायदे किए। इनमें 'लड़का भाई' योजना के अलावा किसानों का कर्ज माफ करना, किसानों की सम्मान निधि की राशि 12000 रुपए से बढ़ाकर 15000 रुपए करना, 10 लाख छात्रों को 10 हजार रुपए प्रति महीना मानदेय देना, गरीब परिवारों के लिए अक्षय अन्न योजना तथा एस.सी.-एस.टी. और ओ.बी.सी. के लोगों को नया कारोबार शुरू करने के लिए बिना ब्याज का 15 लाख रुपए तक का कर्ज देना आदि शामिल हैं। महाराष्ट्र को देश के सबसे अमीर राज्यों में शुमार किया जाता है। राज्य का सकल घरेलू उत्पादन (जी.एस.डी.पी.) 31 ट्रिलियन रुपए है। इस तरह 20 ट्रिलियन रुपए जी.एस.डी.पी. वाले तमिलनाडु और गुजरात से आगे है। इस सबके बावजूद मुफ्त रेवडिय़ों का बोझ ढोने में महाराष्ट्र सक्षम नहीं है। अगर महाराष्ट्र का यह हाल है तो बाकी देश का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है।

ऐसे में नई राज्य सरकार के सामने बड़ी चुनौती यह होगी कि वह अपने सभी वायदे कैसे पूरे करे। इसके लिए या तो उसे केंद्र से बड़ी मदद की जरूरत होगी या फिर वायदों से समझौता करना होगा। अगर वायदों को पूरा करने में देरी होती है तो जनता के बीच असंतोष और नकारात्मक माहौल बनेगा। इससे सरकार के लिए नई समस्याएं पैदा होंगी। मराठा आरक्षण के लिए लंबे समय तक अनशन करने वाले मनोज जरांगे हालांकि विधानसभा चुनाव के दौरान कुछ शांत नजर आए मगर वह कब तक शांत रहेंगे, कहा नहीं जा सकता। किसान महाराष्ट्र में एक बड़ी ताकत हैं। फसलों के सही मूल्य को लेकर उनकी परेशानियां बनी रहती हैं। कुल मिलाकर महाराष्ट्र की सत्ता किसी के लिए भी सिर्फ फूलों का ताज नहीं होने जा रही।

झारखंडी अस्मिता को मिली जीत

डॉ अनुज लुगुन

जब हेमंत सोरेन के जेल जाने की बात लगभग पक्की हो चुकी थी, तब मेरी मुलाकात झारखंड कवर करने वाले 'बीबीसी' के दिवगंत पत्रकार रवि प्रकाश जी से हुई थी। झारखंड के राजनैतिक परिदृश्य की बात करते हुए उन्होंने मुझसे कहा था कि अगर आज चुनाव हो जाए, तो हेमंत सोरेन पिछले चुनाव से ज्यादा सीट जीत जायेंगे। यह तब की बात है, जब मंईयां सम्मान योजना आयी ही नहीं थी। हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड में इंडिया गठबंधन ने बड़ी जीत दर्ज की है। चुनाव विश्लेषक परिणामों पर बात करते हुए समीकरणों और तात्कालिक स्थितियों पर विचार कर रहे हैं। ये भी प्रभावी कारक होते हैं, पर बुनियादी भूमिका होती है सामाजिक मनोविज्ञान की। यानी जिस जगह चुनाव हो रहा है, उसके भूगोल का मूल स्वभाव क्या है?

झारखंड लंबे समय तक औपनिवेशिक वर्चस्व के विरुद्ध संघर्ष करता रहा है। अंग्रेजी साम्राज्यवाद के विरुद्ध सबसे पहले बगावत करने वाले झारखंडी लोग ही थे। यह आजादी के बाद भी जारी रही, जो स्वतंत्र झारखंड राज्य के आंदोलन के रूप में सामने आयी। अलग राज्य के गठन के बाद भी यह 'जल, जंगल, जमीन बचाओ' आंदोलन के रूप में जारी है। यहां का सामाजिक मनोविज्ञान इस तरह बन चुका है कि लोग भूख और अभाव बर्दाश्त कर सकते हैं, पर बेदखली और अन्याय नहीं। उनकी स्मृतियों में यह ऐतिहासिक रूप से मौजूद है कि यदि वे अपनी जमीन से उखड़े, तो उनका समूल नाश होना तय है। वर्ष 1936 के खतियान का मुद्दा इसी भावना की उपज है। सत्ता में रहते हुए हेमंत सोरेन ने इस भावना को अपनी कैबिनेट से कानूनन संबोधित करने का लगातार प्रयास भी किया। जब हेमंत सोरेन को जेल भेजा गया, तब यह भावना लहर की तरह उमड़ पड़ी। इसने झारखंड के अतीत की स्मृतियों को उभार दिया।

संसदीय राजनीति में जयपाल सिंह मुंडा, एनइ होरो, कार्तिक उरांव, शिबू सोरेन के बाद ऐसा कोई राजनेता नहीं रहा, जो सदियों से उपेक्षित जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व कर सका हो। अतीत की स्मृतियों ने अचानक हेमंत को झारखंड के पूर्वज राजनेताओं की पंक्ति में खड़ा कर दिया। हेमंत के विरुद्ध विपक्ष जितना आक्रामक होता गया, जनता उतना ही उनसे भावनात्मक रूप से जुड़ती चली गयी। हेमंत का मतलब केवल

आदिवासी होना नहीं है। ठीक वैसे ही जैसे जयपाल सिंह मुंडा या शिबू सोरेन का होना है। यह झारखंडी अस्मिता का होना है। इसमें सांप्रदायिकता की गुंजाइश नहीं है। इन नामों के साथ निर्मल महतो की शहादत चलती है, विनोद बिहारी महतो चलते हैं। यहीं कहीं कमोबेश कॉमरेड एके राय भी मिलते हैं। सांस्कृतिक क्षेत्र में जैसे नईमुद्दीन मीरदाहा, रामदयाल मुंडा, बीपी केसरी और मधु मंसूरी साथ-साथ चलते हैं। जैसे इतिहास में चुआड़ विद्रोह, कोल विद्रोह, हूल और उलगुलान के विचार साथ चलते हैं।

भाजपा ने हेमंत सोरेन के विरुद्ध रणनीति बनाते हुए झारखंडी भावना को ही छेड़ा। उसकी टीम ने जो मुद्दे उठाये, वे झारखंडी भावना के विपरीत थे। भाजपा पिछले चुनाव की हार से समझ चुकी थी कि रघुबर दास के रूप में एक गैर आदिवासी को मुख्यमंत्री बनाना उसकी भूल थी। पर इस बार वह दूसरी चूक कर गयी। उसके जितने भी स्टार प्रचारक थे, वे बाहरी थे। उनके द्वारा तैयार किया गया 'बांग्लादेशी घुसपैठियों' का एजेंडा झारखंडी भावना के आस-पास कहीं नहीं ठहरता था। इसी पिच पर उनके सभी दिग्गज आकर 'रोटी, बेटी, माटी' की बात कहने लगे। ऐसा लग रहा था कि उनके दो बड़े चेहरे बाबूलाल मरांडी और चंपई सोरेन अपनी जमीन पर अपना ही एजेंडा सेट करने में नाकाम हो रहे हैं।

भाजपा विकसित भारत के लिए आदिवासी समाज को लेकर कई नीतियों पर काम कर रही है। उसने ही बिरसा मुंडा की जयंती को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस की मान्यता दी। उसी ने देश की आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनाने का मान दिया। इन मुद्दों को चुनावी सभाओं में शामिल किया गया। पर इन सबसे भी ज्यादा कड़वी हकीकत यह थी कि उसी ने एक आदिवासी मुख्यमंत्री को जेल की सलाखों के पीछे रखा। और गंभीर बात यह थी कि बाहर से आये चुनाव प्रभारी और उनके प्रचारक अपने ही प्रांतों में आदिवासियों की बदहाली पर कुछ बोल पाने की स्थिति में नहीं थे। भाजपा के लिए सबसे बड़ा सवाल मणिपुर की हिंसा का सवाल बन कर आया। वह चुनावी सभाओं में आदिवासियों के विकास के दावे तो कर रही थी, पर मणिपुर के आदिवासियों के मामले में उसने चुप्पी साध रखी। छत्तीसगढ़ में हसदेव जंगल उजाड़े जाने के बारे में चुप्पी साधी गयी। झारखंड के आदिवासी स्पष्ट थे कि हसदेव के बाद सारंडा जंगल की बारी है। सारंडा दक्षिण झारखंड में फैला खान-खदान से भरपूर एशिया का सबसे विस्तृत जंगल है, जो एक सहजीवी सभ्यता का केंद्र है।

हेमंत और कल्पना इन मुद्दों को मुखर होकर मतदाताओं के सामने रखने में सफल रहे। उपनिवेशवाद के विरुद्ध संघर्ष के लंबे अनुभव के कारण यहां के समाज में स्थानिकता के अतिक्रमण की अच्छी समझदारी विकसित हुई है, जो उसे दूसरे प्रांत के आदिवासियों के साथ जोड़ती है। फलत: इस पूरे इलाके से भाजपा लगभग साफ हो गयी। यानी इस चुनाव में झारखंडी समाज का मनोविज्ञान पहले से निर्मित हो चुका था। यह लोकसभा चुनाव में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका था, जब भाजपा एक भी आदिवासी सीट जीतने में सफल नहीं रही थी। इंडिया गठबंधन में कांग्रेस, राजद और माले ने इस भावना का साथ देते हुए झामुमो के साथ अच्छा तालमेल किया। जेल से आने के बाद हेमंत सोरेन ने मंईयां सम्मान की घोषणा कर दी। इसके जवाब में भाजपा ने भी गोगो दीदी योजना जैसी कई बड़ी लोकलुभावन योजनाओं को अपने एजेंडे में शामिल किया। पर जनता ने उसे तरजीह नहीं दी, क्योंकि उसकी लुभावनी बातों का कोई ऐतिहासिक, स्थानीय, आंदोलनपरक, भावनात्मक आधार नहीं था। भाजपा की सहयोगी आजसू भी पिछड़ गयी, क्योंकि वह झारखंडी अस्मिता की भावना से दूर होती गयी। जबकि आजसू झारखंड आंदोलन की ही उपज है। आजसू जिस कुड़मी-महतो समुदाय पर टिकी रहती है, उसके विकल्प के रूप में जयराम महतो उभरे। उनकी नवोदित पार्टी झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने उपेक्षित-शोषित झारखंडी भावना को ही संबोधित किया और कई सीटों पर परिणाम को प्रभावित किया। मतों का समीकरण झारखंडी भावना के इर्द-गिर्द ही है। शहरी क्षेत्रों में जहां नयी आबादी प्रभावी है, वहीं भाजपा ने जीत हासिल की है। उसे इस पर मंथन करना चाहिए।

यूपी भाजपा को मिलेगा ऐसा अध्यक्ष जो साधेगा सामाजिक समीकरण

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के नये अध्यक्ष की तलाश काफी तेजी से चल रही है। बीजेपी उत्तर प्रदेश में अपने संगठन के जरिए एक मजबूत सोशल इंजीनियरिंग बनाने की रणनीति पर काम कर रही है,जिसके चलते संभावना व्यक्त की जा रही है आलाकमान इस बार नये प्रदेश अध्यक्ष के पद पर किसी ऐसे नेता को बैठा सकता है जो दलित या महिला समाज से ताल्लुक रखता हो, इसके जरिये बीजेपी की सभी जातियों और वर्गों के बीच बैलेंस बनाने की है। गत दिवस 27 नवंबर को हुई बैठक में राष्ट्रीय सह चुनाव अधिकारी नरेश बंसल ने कहा कि संगठन में सभी जातियों और वर्गों को उचित स्थान दिया मिलेगा। बैठक में यह भी कहा गया कि महिलाओं और दलितों की सहभागिता बढ़ाने पर बीजेपी खास ध्यान देगी ताकि राजनीति में उन्हें उचित प्रतिनिधित्व मिल सके। बैठक में साफ तौर पर कहा गया है कि बीजेपी कोई परिवारवादी पार्टी नहीं, बल्कि परिवार भाव से चलने वाली पार्टी है. बीजेपी की दलित और महिलाओं को संगठन में जगह देकर भविष्य की राजनीति को साधने की स्ट्रैटेजी है। ऐसा लग रहा है कि उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी को नए साल में प्रदेश अध्यक्ष मिल जाएगा। वहीं 16 से 30 दिसंबर के बीच जिलाध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया भी पूरी कर ली जाएगी। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े की संगठनात्मक चुनाव में पर्यवेक्षक बनाया गया है। तावडे एक दिसंबर को चुनाव के संबंध में आयोजित बैठक में हिस्सा लेंगे। इससे पहले 28 से 2 दिसंबर तक जिला स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। चुनाव के लिए प्रत्येक तीन जिलों के लिए एक केंद्रीय पर्यवेक्षक बनेगा। वहीं 1 दिसंबर से 15 दिसंबर तक मंडल अध्यक्षों का चयन होगा। 6 दिसंबर को डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि बूथ स्तर पर मनाई जाएगी। वहीं 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई जाएगी। तत्पश्चात 27 दिसंबर को पार्टी बाल शहीद दिवस मनाएगी। बता दें बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र

चौधरी का कार्यकाल पूरा हो चुका है और उनकी जगह पर नए अध्यक्ष का चुनाव होना है। इससे पहले बीजेपी सभी बूथ कमेटी का गठन करने में लगी है, जिसके लिए 30 नवंबर की टाइम लाइन रखी गई है। यूपी में करीब 1.62 लाख से ज्यादा बूथों पर गठन होना है, जिसमें 35 फीसदी बूथों पर कमेटियां गठित हो चुकी हैं, जबकि बाकी बची बूथ कमेटियों का गठन 30 नवंबर तक पूरा कर लिया जाए। इसके बाद फिर एक से 15 दिसंबर के बीच मंडल अध्यक्ष और 16 से 30 दिसंबर तक जिला अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया चलेगी. इससे पहले जिला स्तर पर बीजेपी कार्यशालाएं आयोजित करेगी। उधर, बीजेपी ने संगठन में युवाओं को अहमियत देने के उम्र लिमिट तय कर दी है। प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल ने बताया कि मंडल अध्यक्ष की आयु 35 से 45 वर्ष के बीच और जिलाध्यक्ष की आयु 45 से 60 वर्ष के बीच होगी। ऐसे में साफ है कि बीजेपी 45 साल से ऊपर के उम्र वालों को मंडल अध्यक्ष नहीं बनाएगी और न ही 60 साल से ज्यादा उम्र वालों को जिला अध्यक्ष की कमान सौंपेगी। बीजेपी ने तय किया है कि दो बार मंडल अध्यक्ष रहने वाले नेताओं को तीसरी बार मंडल अध्यक्ष नहीं बनाएगी। इसके अलावा बीजेपी ने जिला अध्यक्ष के लिए तय किया है कि जिला अध्यक्ष की कमान उसे ही मिलेगी, जो 7 से 8 साल तक संगठन में काम करने का अनुभव होगा। इसके अलावा मौजूदा समय में बीजेपी के संगठन में किसी पद पर होना हो, उसे ही पार्टी जिले का अध्यक्ष बनाएगी।

एक लड़की का सच्चा दोस्त और हमराज कौन हो सकता है? अगर जवाब 'ब्वायफ्रेंड' या 'पति' है तो दिमाग पर फिर जोर डालिए- आपको आपके नजरिए से वह देख सकता है क्या? अपनी पर्सनल फीलिंग्स को बताने के लिए आप सबसे पहले किसे फोन करती हैं? अपनी किसी खास सहेली को और उससे बात करके ही आप हल्की होती हैं।

दोस्त हों तो हंसती रहे जिंदगी

जरा थोड़ी देर अपना दिमाग दौड़ाइए और गौर कीजिए कि किसे आपका बर्थडे हमेशा याद रहता है? किसने आपके साथ शॉपिंग करने का भरपूर लुत्फ उठाया और किसने आपके ऑफिस में चल रही सारी पॉलिटिक्स को सुनने, समझने और उसका सही हल देने में आपकी मदद की है? थोड़ी देर सोचने के बाद आपका दिलो-दिमाग कह उठेगा कि आपकी बहुत सारी दोस्तों ने यह सब किया। जी हां, हम सभी की जिंदगी में कुछ ऐसी दोस्त होती हैं, जो हमारे अलग-अलग मूड और सिचुएशन पर फिट बैठती हैं और उनके साथ होने से ही हमारी मुश्किल पल भर में छूमंतर हो जाती है। आइए जानें, अपनी जिंदगी की इन खास सहेलियों के बारे में -

हमराज सहेली...

अपनी इस दोस्त से आप हर बात बिना झिझके शेयर कर सकती हैं। बात चाहे कितनी भी प्राइवेसी की हो, इस सहेली से आप एक बार में कह सकती हैं। आपकी इस दोस्त को आपके सारे राज पता हैं। आपको भरोसा है कि यह कभी भी आपके विश्वास को दगा नहीं देगी। बस, जब भी मन में कोई राज हिलोरें मारे तो झट से अपनी इस हमराज को कह डालिए।

शॉपिंग पाटर्नर भी तो है...

आपकी यह दोस्त ऐसी है कि जो ऐन मौके पर आपकी शॉपिंग की जरूरत को समझते हुए आपका साथ निभाती है। नए आउटफिट खरीदने से लेकर पार्लर में नया लुक पाने तक आपकी यह दोस्त कंपनी देने के लिए हमेशा तैयार खड़ी मिलेगी। यह आपको ब्रांडेड दुकानों में ले जाकर खड़ा नहीं करेगी, बल्कि कई मार्केट घूमने को तैयार होगी। ट्रेंडी मार्केट में मनमाफिक आउटफिट की तलाश में दसियों शॉप खंगालने से भी पीछे नहीं हटेगी। बस, एक फोन कॉल कीजिए और आपकी यह हैंगआउट फ्रेंड शॉपिंग में आपके साथ हो लेगी।

ऑफिस की गप्पू फ्रेंड

भले ही लोग पीठ पीछे बात करने को बुरा कहें लेकिन इस काम में आपको जो मजा आता है, उसे आपकी यह दोस्त अच्छी तरह समझती है। ऑफिस के कलीग्स की पॉलिटिक्स समझानी हो या अपने किसी रिश्तेदार की बुराई, आप अपनी इस सहेली के साथ जमकर दूसरों की भलाई-बुराई कर सकती हैं।

दोस्त जो हंसा दे...

लाइफ में बाकी जरूरी कामों के अलावा एक काम और है, और वह है- जम कर मस्ती करना। आप जब भी अपनी इस दोस्त से मिलती हैं तो आपकी लाइफ खुशनुमा हो जाती है। इसकी कंपनी में आप कभी बोर फील नहीं करती, क्योंकि इसे लाइफ को एंज्वाय करने के सारे गुण आते हैं। उसकी बातें, छोटे-छोटे जोक्स और टिप्पणियां आपको बेवजह हंसने को मजबूर कर देती हैं। ये दोस्त आपकी ऑफिस में भी हो सकती है और पड़ोस में भी।

एक दोस्त हमेशा के लिए...

बेशक आप दोनों का मिलना बहुत दिनों बाद होता है, लेकिन जब भी आप अपनी इस फ्रेंड से मिलती हैं तो आपके रिश्तों की गर्माहट में कोई कमी नहीं आती। भले ही यह आपकी आज की जिंदगी के हर पहलू से रू-ब-रू न हो लेकिन यह आपके सपनों, आपकी महत्वाकांक्षाओं और सबसे ज्यादा आपको बेहतर ढंग से जानती है। क्या इससे ज्यादा उम्मीद आप किसी और से कर सकती हैं?

लौट रहे हैं अपनी जमीं की ओर

वो खान-पान जो हमारी दादी-नानी के जमाने में प्रचलित था, जो पिछले कुछ वर्षों में खो सा गया था, अब लौटने लगा है। हमें समझ में आ ही गया कि उस दौर की चीजें कितनी वैज्ञानिक हुआ करती थीं।

पहले घर में महिलाएं चक्की से आटा-दाल, चावल, बेसन आदि पीसा करती थीं। यह एक बहुत मेहनत का काम था। सवेरे-सवेरे घरों में चक्की की घर्र-घर्र शुरू हो जाती थी। मगर कहते हैं कि चक्की पीसने के कारण न तो उनके कंधे जाम होते थे न ही उनको सर्वाइकल जैसी बीमारियां सताती थीं। जबकि आज बड़ी संख्या में महिलाएं इन बीमारियों से पीडित हैं। इसी तरह शादी आदि समारोहों में पत्तल, दोने, कुल्हड़ में खाने से किसी तरह के इंफेक्शन का खतरा नहीं रहता था। यही नहीं, कहते हैं कि चूल्हे पर पकी रोटी अधिक पौष्टिक होती थी। लेकिन इनका दूसरा पक्ष भी था। एक तो महिलाओं को रात-दिन खटना पड़ता था। दूसरे, चूल्हे पर एक दाल जितनी देर में पकती थी उतने समय में कुकर और गैस का इस्तेमाल करके अनेक चीजें बनाई जा सकती हैं। फिर वक्त भी बदला। पहले महिलाओं की जिम्मेदारी घर और रसोई तक ही सीमित थी मगर आज की कामकाजी स्त्री जिसके पास घर और दफ्तर की दोहरी जिम्मेदारी है, उसके पास इतना समय कहां कि वह पूरे दिन रसोई में खटती रहे। एक तरह से तकनीक ने इस कामकाजी स्त्री के जीवन को आसान बनाया, मगर इसके चलते बहुत से रोगों ने उन्हें आ घेरा। डाक्टरों और डाइटीशियंस की मानें तो महिलाओं ने जब से शारीरिक मेहनत कम की, रोगों ने उनका दामन थाम लिया। घरेलू कामों को इन दिनों फिटनेस मंत्र के रूप में भी देखा जाने लगा है। जिम जाने के मुकाबले यदि घरेलू कामों को समय दिया जाए तो आपकी कैलोरी भी बर्न होती है और घर भी आपके कंट्रोल में रहता है। लेकिन समस्या फिर वही है कि आखिर काम भी कितना और किस हद तक। कोई चीज तभी जिंदा रहती है जब वह बिके, उसकी उपयोगिता साबित हो सके। लोग छोटी चक्की भी खरीद रहे हैं, चाहे वह घर में एक शो पीस के रूप में ही दिखती है। इससे यही लगता है कि कोई चीज कभी खत्म नहीं होती। वह रूप बदलकर वापस आ जाती है। इससे ज्यादा कच्ची हल्दी,आंवला, मेथी, लहसुन, अदरक, अजवायन, जीरा, अलसी, शहद आदि का प्रचलन खाने में बढ़ गया है। मट्ठा, दलिया, पोहा, बादाम, अखरोट का चलन नाश्ते में बढ़ता जा रहा है। अनाजों में एक समय जिन अनाजों को मोटा माना जाता था, आज का मध्यवर्ग ये अनाज जैसे मक्का, बाजरा, जई, ज्वार शौक से खा रहा है। इसीलिए अब किसान नए सिरे से इन्हें उगाने लगे हैं। इनकी पैदावार बढ़ रही है। एक जमाने में इन्हें खाने से जो लोग नाक-भौं सिकोड़ते थे और सिर्फ जंक फूड पर निर्भर रहते थे वे इनकी पौष्टिकता और औषधीय उपयोगिता के कारण इन्हें अपने भोजन में शामिल कर रहे हैं।

आयुर्वेद का बढ़ता चलन

इन दिनों खुद को फिट रखने की ही नहीं, आकर्षक दिखने की भी चाहत बढ़ी है। महिलाओं के बीच घरेलू नुस्खे भी लोकप्रिय हो रहे हैं। स्किन केयर में बेसन के उबटन का प्रयोग, देसी घी की मालिश, हल्दी, मेहंदी, बेसन का फेस पैक का प्रयोग बढ़ रहा है। सूखी त्वचा के इलाज नारियल तेल और सरसों के तेल में खोजे जा रहे हैं। सरसों के तेल के बारे में तो यह कहा भी जाता है कि यह एंटी एजिंग होता है और मुंह तथा हाथ-पैरों पर इसकी मालिश से झुर्रियां नहीं पड़ती हैं। झुर्रियां दूर करने के लिए मलाई और गुलाब जल का प्रयोग भी अच्छा माना जाता है। बच्चों की मालिश के लिए भी आज भी सरसों के तेल का उपयोग किया जाता है। बालों के लिए भी आंवला, शिकाकाई के विज्ञापन फिर से दिखाई देने लगे हैं। फेस मास्क के लिए मुलतानी मिट्टी का कोई जवाब नहीं। गन्ने के सिरके को आज भी अच्छा कंडीशनर माना जाता है।

इसलिए हैं महिलाएं मल्टीटास्किंग में अव्वल

भारतीय मूल की वैज्ञानिक रागिनी वर्मा और युनिवर्सिटी ऑफ पेंसिलवीनिया में उनके सहकर्मियों द्वारा किए गए एक अध्ययन के मुताबिक महिलाएं एक साथ ढेर सारे काम निपटाने में उस्ताद होती हैं, वहीं पुरुष एक बार में एक काम को बहुत अच्छे से पूरा करने में माहिर होते हैं। महिलाओं की याददाश्त अच्छी होती है, समूह में वो बेहतर तरीके से काम कर पाती हैं और साथ ही विभिन्न चीजों के प्रति उनकी समझ बेहतर होती है। अपने इन्हीं गुणों के कारण वे एक साथ कई काम बेहतर तरीके से कर पाती हैं। साथ ही महिला और पुरुष के मस्तिष्क की अलग-अलग संरचना भी महिलाओं के मल्टीटास्किंग होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह अध्ययन 8 से 22 वर्ष तक की उम्र के पुरुष और महिलाओं पर किया गया है।

दर्द सहने में माहिर हैं हम

पुरुष अपनी ऐसी बीमारी के बारे में भी ढिंढोरा पीटते हैं, जिन्हें महिलाएं बीमारी मानती ही नहीं हैं। एक नए अध्ययन के मुताबिक महिलाओं में दर्द सहने की क्षमता ज्यादा होती है। 2000 लोगों पर किए गए अध्ययन के मुताबिक वायरल इंफेक्शन आदि होने पर महिलाएं किसी को बताने की जगह चुपचाप परेशानी सहती हैं। वहीं, पुरुष अपनी छोटी-सी बीमारी होने पर भी उसे बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं। वहीं, शोध में शामिल 52 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि उनके पति ऐसी बीमारियों से भी परेशान हो जाते हैं, जिनसे पीडित होने पर हम उन्हें बताते भी नहीं।

खिलौनों को मुंह में डालना, गिरना, चोट लगना बिल्कुल छोटे बच्चों में एक आम सी बात है। बच्चे में हर चीज को जानने की बेहद उत्सुकता होती है और इसी जिज्ञासा को शांत करने के लिए वे हर वस्तु को छूना और मुंह में डालना चाहते हैं। बच्चे से जुड़ी छोटी-मोटी दुर्घटना की स्थिति में सबसे पहले क्या करें, बता रही हैं

कायम रहे खिलखिलाहट

बिजली का करंट

भले ही यह बात सुनने में अजीब लगे, लेकिन बिजली के प्लग प्वाइंट से लगने वाला करंट ज्यादातर निष्प्रभावी होता है। इस तरह के करंट लगने से हाथ या उंगली थोड़ी-बहुत जल सकती है, लेकिन कोई गंभीर प्रभाव नहीं होता। अत- ऐसी कोई घटना होने पर घबराएं नहीं, बच्चे को प्राथमिक चिकित्सा दें। यदि हाथ में जलन हो तो उसको ठंडे पानी में रखें। ध्यान रहे, जल्द आराम के लिए बर्फ का इस्तेमाल न करें, ऐसा करने से त्वचा पर जख्म बन सकता है। यदि छाले पड़ जाएं तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं। डॉक्टर घाव की सफाई करके फिर त्वचा पर एंटीबायोटिक लगाकर पट्टी बांध देगा, ताकि संक्रमण न फैल सके। यदि इस तरह की किसी घटना के बाद बच्चा इतना अधिक घबरा जाए कि प्रतिक्रिया देना कम कर दे तो बच्चे को डॉक्टरी निगरानी में रखना जरूरी है।

कट जाना

जब बच्चे खेलते हैं तो छोटी-मोटी दुर्घटना होना एक आम बात है। हाथ या पैर का कटना या कहीं चोट लग जाना बढ़ते बच्चे के खेल का एक हिस्सा होता है। ऐसे में जब भी कभी बच्चे का हाथ कट जाए तो सबसे पहले किसी भी कपड़े या रूई से कटी हुई जगह को 5 से 7 मिनट के अच्छे से दबा दें, जब तक खून बहना बंद न हो जाए। जब खून बहन रुक जाए तो उस जगह को पानी और साबुन से अच्छे से धो दें और उस पर एक बैंडेज लगा दें। यदि लगातार 10 मिनट तक दबा कर रखने के बावजूद खून बहना बंद न हो तो और यदि कट आधा इंच से ज्यादा हो तो तुरंत डाक्टर के पास जाएं, क्योंकि हो सकता है कि उसमें टांके लगाने की जरूरत हो।

नकसीर बहना

हमारे नाक के भीतर त्वचा की सतह के पास रक्त कोशिकाओं का घना जाल होता है। ऐसे में ठंडी व सूखी हवा चलने से या मौसम परिवर्तन होने पर बच्चे की नाक से खून बह सकता है। जब बच्चे डरे हुए होते हैं या रोते हैं तो स्वाभाविक रूप से उनका रक्तचाप काफी तेज हो जाता है, इसलिए नाक से ज्यादा खून बह सकता है। यदि ऐसा हो तो बच्चे को प्यार से अपने पास बिठाएं और उसके सिर को पीछे की ओर करके कुछ मिनट तक रखें। यदि फिर भी खून बहता रहे, तो तुरंत कान व नाक रोग विशेषज्ञ से परामर्श करें।

खिलौना निगलना

यदि किसी छोटे खिलौने को निगलने के बाद आपका बच्चा ठीक प्रकार से सांस नहीं ले पा रहा है तो इसका मतलब है कि वस्तु पेट या फेफड़ों में चली गई है। बच्चे को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं। इस स्थिति में एंडोस्कोपी के द्वारा वस्तु को निकालना बेहद जरूरी होता है।

एलर्जिक रिएक्शन

यदि आपके बच्चे को किसी चीज से एलर्जी हो तो बाल रोग विशेषज्ञ की सलाह से एंटीहिस्टेमिन (एलर्जी कम करने वाली दवा) हमेशा पास में रखें। यदि रिएक्शन में खुजली या नाक बहने लगे तो एंटीहिस्टेमिन से उपचार संभव है। लेकिन यदि बच्चे के होंठों पर सूजन आ जाए या सांस लेने में तकलीफ होने लगे तो इस तरह के संकेत का अर्थ है कि समस्या गंभीर हो सकती है अत- बच्चे को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं।

बाजू का उतर जाना

4 से 5 वर्ष की उम्र तक बच्चे की हड्डियों के जोड़ इतने ढीले होते हैं कि महज किसी वाहन से बचाने के लिए उन्हें थोड़ा जोर से खींचने पर उनकी बाजू की हड्डी जोड़ से निकल सकती है। ऐसे में बच्चों को दी जाने वाली दर्द निवारक दवा और बर्फ लगाने से बच्चे को आराम मिलता है। लेकिन डॉक्टर के पास जाना जरूरी है क्योंकि वह हड्डी को अपनी सही जगह पर ला सकते हैं।

नुकीली वस्तु से होने वाला घाव

यदि आपके बच्चे को किसी तीखी या नुकीली वस्तु से चोट आ जाए और घाव अधिक गहरा न हो, चोट सिर्फ त्वचा की सतह पर हो और कोई आंतरिक भाग प्रभावित न हुआ हो तो घबराएं नहीं। घाव को गुनगुने पानी से साफ करें और कोई एंटीबायोटिक दवा लगाकर पट्टी बांध दें। एहतियातन एक टिटनेस का इंजेक्शन लगवा दें। अगले दो-तीन दिन तक घाव को साफ करके पट्टी बदलती रहें और इन्फेक्शन न हो, इस बात का ध्यान रखें। यदि घाव के आसपास लाली आ जाए, सूजन या बच्चे को बुखार आ जाए तो डॉक्टर के पास जरूर जाएं।

खाना गले में फंस जाना

अक्सर बात करने के साथ-साथ खाना खाने से खाना गले में फंस जाता है। ऐसे में बच्चे को गोद में लिटाकर कंधों के बीच पीठ पर थपथपाएं। यदि बच्चे को सांस लेने में दिक्कत हो तो डॉक्टर के पास ले जाएं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

सरकार गठन को लेकर 'सकारात्मक' चर्चा हुई : शिंदे

नईदिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में सरकार गठन के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रमुख जे.पी. नड्डा के साथ उनकी ''अच्छी और सकारात्मक'' चर्चा हुई। मुंबई रवाना होने से पहले यहां संवाददाताओं से बातचीत में शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री पर फैसला राज्य की राजधानी में महायुति गठबंधन की एक अन्य बैठक में लिया जाएगा। शिंदे ने निवर्तमान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के साथ बृहस्पतिवार देर रात शाह तथा नड्डा से मुलाकात की तथा महाराष्ट्र में अगली सरकार के लिए सत्ता साझेदारी सहमति पर बातचीत की। विधानसभा चुनावों में भाजपा नीत गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिलने के बाद यह बैठक हुई। शिंदे ने शुक्रवार सुबह संवाददाताओं से कहा, ''बैठक अच्छी और सकारात्मक रही। यह पहली बैठक थी। मुंबई में महायुति की एक और बैठक होगी।

संजय राउत का एनडीए पर वार, भाजपा ने किया पलटवार

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र से जुड़ी सारी बातें दिल्ली में तय होंगी। एकनाथ शिंदे और अजित पवार को अपने मुद्दे रखने के लिए बार-बार दिल्ली आना होगा। राउत ने कहा कि उन्हें पीएम और अमित शाह की बात माननी होगी। वह (अजित पवार) हमेशा डिप्टी सीएम थे और वह डिप्टी सीएम ही बनेंगे। लोकसभा चुनाव के बाद उनके चेहरे की जो चमक गायब हो गई थी, वह अब लौट आई है, यह ईवीएम का कमाल है। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि 3 मूर्ति मंदिर बनना चाहिए, बीच में ईवीएम, एक तरफ पीएम और दूसरी तरफ अमित शाह। अब इसको लेकर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। बीजेपी सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि संजय राउत को अपनी शिवसेना (यूबीटी) की ज्यादा चिंता होनी चाहिए। खुद कांग्रेस के लोग कह रहे हैं कि संजय राउत ही हैं जिन्होंने कांग्रेस और शिवसेना दोनों के लिए मुसीबत खड़ी कर दी है। उनके बयानों को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है।

लोकसभा में प्रियंका ने की विपक्षी सांसदों से मुलाकात

नईदिल्ली। शपथ ग्रहण के एक दिन बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा शुक्रवार को लोकसभा पहुंचीं और विपक्ष के विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं। वायनाड सांसद ने लसदन में तब प्रवेश किया, जब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेता संभल हिंसा और अदाणी मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। प्रियंका गांधी एकजुटता दिखाते हुए अपनी सीट के पास ही खड़ी हो गईं। इस विरोध के बीच उन्होंने विपक्षी पार्टियों के सांसदों से मुलाकात की और उनका अभिनंदन किया। प्रियंका गांधी जैसे ही अन्य सदस्यों से मिलने विपक्षी बेंच की तरफ गईं, द्रमुक सांसद कनिमोझी उन्हें वहां बैठने का इशारा करती नजर आईं। अन्य नेताओं से मिलने से पहले प्रियंका ने कनिमोझी से कुछ देर बात की। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी टीएमसी और अन्य पार्टियों के सदस्यों से बात की। कांग्रेस ने अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए केंद्र सरकार पर कटाक्ष किया।

बंगाल विधानसभा में स्पीकर ने खारिज किया स्थगन प्रस्ताव

कोलकाता। बंगाल विधानसभा से विपक्षी भाजपा विधायकों ने वॉकआउट किया। विधायकों ने कहा कि स्पीकर ने उनके पूजा के दौरान धार्मिक स्थलों पर हुए हमलों के विरोध में लाए गए स्थगन प्रस्ताव को पेश करने की अनुमति देने से मना कर दिया था। भाजपा विधायकों ने विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के साथ जब प्रस्ताव पेश करना चाहा, तो स्पीकर बिमान बंद्योपाध्याय ने याचिका खारिज कर दी। स्पीकर ने कहा कि हमला और अत्याचारों से जुड़ा मामला पहले दिन ही सदन में चर्चा के लिए आया था। इस पर अलग से स्थगन प्रस्ताव की जरूरत नहीं है। इस पर 40 भाजपा विधायकों ने बंगाली में लिखी तख्तियां लिए सदन में फैसले का विरोध किया। तख्तियों पर लिखा था कि बंगाल में दुर्गा पूजा, लक्ष्मी पूजा और कार्तिक पूजा पर धार्मिक स्थलों पर हमले किए गए। यह स्वीकार नहीं है। इस पर राज्य को कार्रवाई करनी चाहिए। भाजपा के विधायकों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भी इस्तीफे की मांग की।

क्या बिहार में समय से पहले होंगे चुनाव? तैयारी में जुटी जेडीयू

पटना। बिहार में विधानसभा उपचुनाव में अपनी जीत से उत्साहित जेडीयू ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की शुरुआती तैयारी शुरू कर दी है। जदयू के अलावा, भाजपा ने दो सीटें जीतीं और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा ने एक सीट बरकरार रखी, जिससे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का सूपड़ा साफ हो गया। सभी चार सीटें बिहार के मगध-शाहाबाद बेल्ट में आती हैं, जहां 2020 के विधानसभा चुनाव के बाद से एनडीए अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया है। बेलागंज सीट पर पहले जनता दल और 1990 से राजद जीतती आ रही थी। उपचुनाव में जदयू उम्मीदवार मनोरमा देवी की जीत से 34 साल में पहली बार राजद के अलावा किसी अन्य पार्टी ने सीट जीती। जदयू महासचिव और प्रदेश मंत्री अशोक चौधरी ने कहा यह जीत महत्वपूर्ण है क्योंकि हमने राजद को उनके गढ़ में हराया है और मगध और शाहाबाद क्षेत्र में बढ़त हासिल की है।

शीतकालीन सत्र के पांचवें दिन भी विपक्ष का हंगामा, दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित

नईदिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र में आज भी गतिरोध जारी रहा। दोनों सदनों में विपक्ष के हंगामा के वजह से आज की कार्यवाही को स्थगित करनी पड़ी। इसका मतलब साफ है कि शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह में संसद के दोनों सदनों में कामकाज नहीं हो सका। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत 25 नवंबर को हुई थी और विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण पहले सप्ताह में कोई महत्वपूर्ण विधायी कामकाज नहीं हो पाया। अब सोमवार 2 दिसंबर 2024 को सुबह 11 बजे से दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू होगी। लोकसभा की सदस्यता की शपथ लेने के एक दिन बाद शुक्रवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा सदन पहुंची और विपक्षी सदस्यों के साथ एकजुटता दिखाते हुए उनके साथ प्रदर्शन में शामिल हुईं।

लोकसभा की कार्यवाही

विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की बैठक शुक्रवार को एक बार के स्थगन के बाद पुनः शुरू होने के करीब 10 मिनट के अंदर दोपहर बारह बजकर 10 मिनट पर दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी। सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर जैसे ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू कराया, कांग्रेस और सपा के सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। कांग्रेस सदस्य अदाणी समूह से जुड़े मामले को उठा रहे थे, वहीं सपा सांसद संभल हिंसा का मुद्दा उठाते देखे गए। हंगामे के बीच ही स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कुछ पूरक प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच शुक्रवार को कहा कि देश की जनता सांसदों एवं संसद के बारे में चिंतित है तथा वह चाहती है कि सदन की कार्यवाही चले। उन्होंने यह टिप्पणी

प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी सदस्यों से सदन की बैठक चलने देने की अपील करते हुए की। बिरला ने इस दौरान नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों से कहा, ''देश की जनता चाहती है कि सदन चले। कई माननीय विद्वानों ने लिखा है कि संसद चलनी चाहिए, चर्चा-संवाद होना चाहिए। सहमति और असहमति हमारे लोकतंत्र की ताकत है।'' उनका कहना था, ''मैं आग्रह करता हूं कि जनता की भावनाओं और उनकी आशाओं एवं आकांक्षाओं के अनुसार, आप सदन चलाने में सहयोग करें। आज स्वास्थ्य एवं महिलाओं पर प्रश्नकाल में चर्चा हो रही है। प्रश्नकाल आपका समय है।''

राज्यसभा की कार्यवाही

अदाणी समूह के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों और दिल्ली में कानून व्यवस्था की स्थिति सहित विभिन्न मुद्दों पर तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग खारिज होने के बाद शुक्रवार को विपक्ष ने राज्यसभा में हंगामा किया, जिसके कारण उच्च सदन की कार्यवाही आरंभ होने के कुछ ही देर बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। सुबह सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीम सिंह और जनता दल (यूनाईटेड) के संजय झा को जन्मदिन की बधाई दी गई। इसके बाद सभापति जगदीप धनखड़ ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि विपक्षी दल व्यवधान पैदा करने व सामान्य कामकाज बाधित करने के लिए नियम 267 को एक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। धनखड़ ने यह टिप्पणी विपक्षी सदस्यों की ओर से हर दिन नियम 267 के तहत नोटिस दिए जाने और पूर्व-निर्धारित एजेंडे को निलंबित कर उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों पर चर्चा की मांग किए जाने के मद्देनजर आई।

राज्यसभा में विपक्षी सांसदों की लगातार नारेबाजी के बीच सभापति ने कहा कि इसकी सराहना नहीं की जा सकती। हम बहुत खराब मिसाल कायम कर रहे हैं। हमारे काम जनता-केंद्रित नहीं हैं। हम अप्रासंगिकता की ओर बढ़ रहे हैं। सदन की कार्यवाही सोमवार, 2 दिसंबर को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

लगातार संसद स्थगित होने पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

लगातार चौथी बार संसद के स्थगित होने पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा है। कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि आखिर ऐसा क्या है जो सरकार स्थगन का विरोध नहीं कर रही है। सरकार क्यों अदाणी मुद्दे को लेकर विपक्षी गठबंधन इंडिया के राजनीतिक दलों की आक्रामकता बढ़ा रही है। कांग्रेस महासचिव ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि अदाणी मुद्दे को लेकर संसद में एक और दिन कार्यवाही नहीं हो सकी। शुक्रवार को भी दोनों सदनों की कार्यवाही कुछ ही मिनटों में स्थगित कर दी गई। सबसे बड़ा रहस्य यह है कि सरकार स्थगन का विरोध क्यों नहीं कर रही है? सरकार इस मामले में भारतीय दलों की आक्रामकता को बढ़ावा दे रही है। जाहिर है कि सरकार के पास बचाव और क्षमा मांगने के लिए बहुत कुछ है।

महाराष्ट्र में सीएम पर फंसा पेंच! आज होगी महायुति की बैठक

मुंबई। महाराष्ट्र के निवर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शुक्रवार की सुबह नई दिल्ली से मुंबई लौटने के बाद सीधे अपने पैतृक गांव के लिए रवाना हो गए हैं। शिंदे का पैतृक गांव सतारा जिले में है। पहले ये खबर थी कि दिल्ली से लौटने के बाद मुंबई में महायुति की बैठक होगी। लेकिन अब रिपोर्ट है कि आज कोई बैठक नहीं होगी क्योंकि शिंदे अपने गांव के लिए गए हैं। अब बैठक रविवार को होने की संभावना है।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव परिणामों के एक सप्ताह बाद अपने उत्तराधिकारी को लेकर सस्पेंस जारी है। शिंदे ने गुरुवार देर रात नई दिल्ली में संवाददाताओं से कहा था कि सरकार गठन पर महायुति गठबंधन की अगली

बैठक शुक्रवार को मुंबई में होगी। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि शिवसेना प्रमुख कार्यवाहक सीएम पश्चिमी महाराष्ट्र के सतारा जिले में अपने पैतृक गांव दरे की यात्रा कर रहे हैं और अब बैठक रविवार को होने की उम्मीद है।

शिवसेना नेता शिंदे ने बार-बार कहा है कि वह सरकार गठन में बाधा नहीं बनेंगे और अगले मुख्यमंत्री पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा लिए गए फैसलों का पालन करेंगे। महायुति के सबसे बड़े घटक भाजपा के नेतृत्व वाली अगली सरकार में शिंदे की जगह को लेकर शिवसेना में अलग-अलग दृष्टिकोण उभर रहे हैं, जिसने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में शानदार जीत दर्ज की।

शिवसेना के कई नेता शिंदे से कह रहे हैं कि अगर भाजपा उन्हें उपमुख्यमंत्री का पद दे तो वे इसे स्वीकार कर लें। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि दूसरे धड़े का मानना है कि ढाई साल से अधिक समय तक मुख्यमंत्री रहने के बाद शिंदे के लिए दूसरे नंबर की स्थिति स्वीकार करना सही नहीं होगा। उन्होंने कहा, भाजपा द्वारा विधायक दल के नेता की घोषणा के बाद सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू होगी।

दिल्ली दौरे के दौरान शिंदे ने शाह से मुलाकात की थी और राज्य में अगली सरकार के गठन पर चर्चा की थी। निवर्तमान राज्य मंत्रिमंडल में उनके डिप्टी देवेंद्र फडणवीस (भाजपा) और अजित पवार (राकांपा) ने भी वरिष्ठ भाजपा नेता से मुलाकात की थी।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात

दो सिंचाई परियोजनाओं के लिए तत्काल मंजूरी मांगी

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान सीएम ने अल्पावधि कृषि ऋण सीमा में सुधार, 10,000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता तथा मेकेदातु संतुलन जलाशय और कलसा बंधुरी परियोजनाओं के लिए तत्काल मंजूरी का अनुरोध किया।

संसद परिसर में हुई बैठक में सिद्धारमैया के साथ उपमुख्यमंत्री और सिंचाई मंत्री डीके शिवकुमार, ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज और शहरी विकास मंत्री बी सुरेश भी मौजूद रहे। सीएम ने कृषि, जल संसाधन और शहरी बुनियादी ढांचे सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई महत्वपूर्ण हस्तक्षेपों पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला

कि नाबार्ड ने कर्नाटक के लिए अल्पकालिक कृषि ऋण सीमा को 2023-24 में 5,600 करोड़ रुपये से घटाकर 2024-25 में सिर्फ 2,340 करोड़ रुपये कर दिया है, जो 58 प्रतिशत की कमी है। इससे किसानों का आसानी से लोन तक पहुंचना प्रभावित हो सकता है।

उन्होंने पीएम मोदी से कहा, मैं आपसे इस पर गौर करने और वित्त मंत्रालय को इस स्थिति को सुधारने का निर्देश देने का अनुरोध करता हूं ताकि कर्नाटक में किसानों को आसानी से कृषि ऋण मिलता रहे। इसके अलावा, उन्होंने ऊपरी भद्रा परियोजना के लिए 5,300 करोड़ रुपये का अनुरोध किया, जो मध्य कर्नाटक के सूखाग्रस्त खेतों की सिंचाई का वादा करता है। यह परियोजना 2023-24 के केंद्रीय बजट के कारण लंबित है।

उन्होंने दो महत्वपूर्ण जल परियोजनाओं - कावेरी नदी पर मेकेदातु संतुलन जलाशय और महादयी नदी पर कलसा बंधुरी परियोजना - को मंजूरी देने पर भी जोर दिया, दोनों ही जल शक्ति और पर्यावरण मंत्रालयों से मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। बंगलूरू की एक तकनीकी केंद्र और जीडीपी में सबसे अधिक योगदान देने वाले राज्य के रूप में स्थिति पर प्रकाश डालते हुए, राज्य ने शहरी और सार्वजनिक परिवहन के लिए विशेष सहायता का अनुरोध किया। इसके अलावा, कर्नाटक ने 13 उभरते नगर निगमों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 10,000 करोड़ रुपये मांगे।

खेल
प्रमुख समाचार

रोहित की वापसी के बाद किस नंबर पर खेलेंगे केएल राहुल

नईदिल्ली। 6 दिसंबर से भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच एडिलेड में खेलेगी। इस टेस्ट मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की वापसी होने वाली है। इस कारण टीम की प्लेइंग इलेवन और बल्लेबाजी क्रम में बदलाव तय है। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने बताया कि रोहित के आने के बाद केएल राहुल को किस नंबर पर खेलना चाहिए।

रोहित शर्मा अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पहले टेस्ट का हिस्सा नहीं थे। वहीं शुभमन गिल वॉर्म अप मैच के दौरान अपने अंगूठे में चोट लगवा बैठे थे। इसी कारण वह भी पहला मैच नहीं खेले। हालांकि, अब दोनों की टीमें में वापसी होने वाली है। केएल राहुल ने पहली पारी में ओपनिंग की। उन्होंने 74 गेंदों में 26 रन बनाए वहीं दूसरी पारी में उनके बल्ले से 77 रन आए। रोहित शर्मा की वापसी के साथ ही राहुल का ओपनर की जगह से हटना तय है। वहीं अगर गिल भी वापस आते हैं तो तीसरे नंबर पर उन्हीं को मौका मिलेगा।

सुनील गावस्कर ने कहा कि, मुझे ऐसा लगता है कि बैटिंग ऑर्डर में बदलाव होगा जहां रोहित शर्मा भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल की जगह लेंगे, शुभमन गिल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे और ध्रुव जुरेल को टीम से बाहर होना होगा। ऐसे में केएल राहुल को छठे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए।

साथ ही सुनील गावस्कर ने आगे कहा कि, टीम में एक और बदलाव हो सकता है। वॉशिंगटन सुंदर की जगह रविंद्र जडेजा को टीम में मौका मिल सकता है। सुंदर ने दोनों पारियों में मिलाकर कुल पांच ही रन बनाए। वहीं उनके खाते में दो ही विकेट आए। ये दोनों विकेट उन्होंने दूसरी पारी में झटके।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 759 अंक चढ़ा निफ्टी 24,100 के ऊपर

नईदिल्ली। फ्लैट नोट पर कारोबार की शुरुआत करने के बाद बेंचमार्क इंडेक्स, सेंसेक्स और निफ्टी में शानदार तेजी आई। शुक्रवार को बाजार में बढ़त की अगुवाई हेल्थकेयर और फार्मा शेयरों ने की। इसके अलावा, रिलायंस और भारती एयरटेल के शेयरों में तेजी से भी बाजार को बढ़ावा मिला। 30 शेयरों वाले, बीएसई सेंसेक्स 759.05 अंक या 0.96 प्रतिशत की शानदार बढ़त लेकर 79,802.79 पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 79,026.18 और 79,923.90 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 216.95 अंक या 0.91 प्रतिशत मजबूत होकर 24,131.10 पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 23,927.15 और 24,188.45 के रेंज में कारोबार हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। भारती एयरटेल, सन फार्मा, एमएंडएम, अदाणी पोर्ट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट सेंसेक्स के टॉप-5 गेनर्स रहे।

दिसंबर से बदल जाएंगे कई नियम

नईदिल्ली। नवंबर का महीना खत्म होने वाला है और दिसंबर 2024 की शुरुआत के साथ कई बड़े बदलाव होने वाले हैं। दिसंबर की पहली तारीख से लागू होने वाले इन बदलावों में एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में संशोधन और एसबीआई के क्रेडिट कार्ड से जुड़े नए नियम शामिल हैं। 1 दिसंबर 2024 से तीसरा बड़ा बदलाव क्रेडिट कार्ड यूजर्स से जुड़ा हुआ है। दरअसल, अगर आप खासतौर पर डिजिटल गेमिंग प्लेटफॉर्म/मर्चेंट से जुड़े लेन-देन के लिए एसबीआई क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, तो फिर दिसंबर महीने की पहली तारीख से नए नियम लागू हो रहे हैं। सरकार की ओर से 1 दिसंबर से एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बदलाव होने की संभावना है, जिससे उपभोक्ताओं को सिलेंडर के दाम में वृद्धि या कमी का असर देखने को मिल सकता है।

खुल गया बीओएल एमएफ का थिमैटिक फंड

नईदिल्ली। एसेट मैनेजमेंट कंपनी बैंक ऑफ इंडिया म्यूचुअल फंड (बीओएल एमएफ) ने इक्विटी कैटेगरी में नया थिमैटिक फंड लॉन्च किया है। फंड हाउस के एनएफओ बैंक ऑफ इंडिया कंजम्पशन फंड का सब्सक्रिप्शन 29 नवंबर से खुल गया है और यह 13 दिसंबर 2024 को बंद होगा। यह एक ओपेन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जिसमें कंजम्पशन और उससे जुड़ी कंपनियों में निवेश होगा। म्यूचुअल फंड कंपनी बीओएल एमएफ के मुताबिक, इस फंड में एनएफओ के दौरान मिनिमम 5000 रुपये और उसके बाद 1 रुपये के मल्टीपल में निवेश कर सकते हैं। इसका बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी इंडिया कंजम्पशन टीआरआई है। इसमें अलॉटमेंट के 3 महीने के भीतर स्कीम से निवेश का 10 फीसदी से ज्यादा रिडम्पशन या बाहर निकलने पर 1 फीसदी एग्जिट लोड देना होगा। इस स्कीम के फंड मैनेजर नितिन गोसर हैं।

बिजली पारेषण ढांचे पर 9.12 लाख करोड़ खर्च की योजना

नई दिल्ली। वर्ष 2032 तक देश में बिजली पारेषण बुनियादी ढांचे की क्षमता बढ़ाने के लिए कुल 9.12 लाख करोड़ रुपए खर्च करने की योजना बनाई गई है। सरकार ने संसद में यह जानकारी दी है। बिजली राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि राष्ट्रीय विद्युत योजना (पारेषण) वर्ष 2031-32 तक की पारेषण योजना को अपने दायरे में लाती है। इस योजना के मुताबिक, वर्ष 2022-23 से वर्ष 2031-32 तक 10 साल की अवधि में 1,91,474 सर्किट किलोमीटर (सीकेएम) पारेषण लाइन और 1274 गीगा वोल्ट एम्पीयर (जीवीए) ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता (220 केवी और उससे अधिक वोल्टेज स्तर पर) जोड़ी जाएगी। इसके साथ ही नाइक ने बताया कि 33.25 गीगावाट हाई वोल्टेज डायरेक्ट करंट (एचवीडीसी) बाइ-पोल लिंक की भी योजना बनाई गई है।

महंगाई बेकाबू होने से रोकना पहली जरूरत?

डॉ जयंती लाल भण्डारी

20 नवंबर को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के द्वारा प्रकाशित मासिक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस समय देश में महंगाई को काबू में रखना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्तूबर 2024 में महंगाई दर के बढ़ने की स्थिति आश्चर्यचकित करने वाली रही है। ऐसे में महंगाई के और बढ़ने से निर्यात, उद्योग तथा गरीब व मध्यम वर्ग के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। वस्तुतः यह रिपोर्ट इस समय तब प्रस्तुत हुई है, जबकि एक ओर जहां देश के उद्योग, कारोबार से जुड़े संगठनों के द्वारा तेज विकास के लिए ब्याज दर घटाने की जरूरत बताई जा रही है, वहीं दूसरी ओर देश के उपभोक्ता वर्ग के द्वारा महंगाई नियंत्रण के लिए और कठोर कदमों की जरूरत जताई जा रही है।

इस परिप्रेक्ष्य में यह उल्लेखनीय है कि 18 नवंबर को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के कार्यक्रम में कहा कि इस समय उद्योग-कारोबार को तेजी से बढ़ाना और विकसित भारत की जरूरतों के मद्देनजर बैंकों के कर्ज पर ब्याज दर शीघ्रतापूर्वक कम किया जाना जरूरी है।

सीतारमण ने कहा कि महंगाई एक जटिल मुद्दा है जो आम आदमी को प्रभावित करता है। सरकार खाद्य तेलों और दालों सहित आपूर्ति पक्ष के उपायों पर काम कर रही है। सरकार के प्रयास मुख्य रूप से अस्थिरता को कम करने के लिए भंडारण सुविधाओं में सुधार पर केंद्रित हैं। गौरतलब है कि हाल ही में केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने एक टीवी चैनल पर कार्यक्रम में कहा कि देश में आरबीआई के द्वारा अर्थव्यवस्था और विकास को बढ़ावा देने के लिए ब्याज दरों में कटौती करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ब्याज दर घटाने या बढ़ाने का फैसला खाद्य महंगाई के हिसाब से लेने की थ्योरी सही नहीं है।

इसी कार्यक्रम में बोलते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद उपयुक्त मौद्रिक नीति से महंगाई नियंत्रण के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था सुचारु तरीके से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में अभी बांड प्रतिफल में वृद्धि, जिंस कीमतों में उतार-चढ़ाव और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिम जैसी कई तरह की बाधाएं हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि मौद्रिक दर निर्धारण समिति आगामी दिसंबर के पहले सप्ताह में होने वाली अपनी बैठक में ब्याज दर संबंधी उचित निर्णय लेगी। यहां यह उल्लेखनीय है कि हाल ही में 15 नवंबर को वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में भारत में महंगाई और विकास के बीच संतुलन बनाए रखने की सराहना की है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि महंगाई में कम अवधि की तेजी के बावजूद आने वाले महीनों में महंगाई दर रिजर्व बैंक के द्वारा निर्धारित लक्ष्य की ओर पहुंचेगी, क्योंकि ज्यादा बोआई और पर्याप्त अनाज भंडार के कारण कीमतों में कमी आएगी।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि इस समय खाद्य पदार्थों की तेजी से बढ़ती महंगाई के नियंत्रण और विकास की जरूरतों के बीच उपयुक्त तालमेल जरूरी है। 14 नवंबर को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्तूबर में थोक महंगाई दर बढ़कर 2.36 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो 4 महीने का उच्चतम स्तर है।

बीते महीने खाद्य पदार्थों, विशेष रूप से सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतें महंगी हो गई हैं। सितंबर 2024 में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 1.84 प्रतिशत थी। ज्ञातव्य है कि 12 नवंबर को प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक अक्तूबर 2024 में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 6.21 प्रतिशत हो गई। यह महंगाई का 14 महीने का उच्चतम स्तर है।

आलू, प्याज के साथ अन्य सभी प्रकार की सब्जियों की कीमतों में तेज वृद्धि तथा महंगे हुए अनाज व फलों के कारण अक्तूबर माह में खाद्य वस्तुओं की खुदरा महंगाई दर भी बढ़कर 10.87 प्रतिशत हो गई। जबकि सितंबर माह में यह 9.24 प्रतिशत तथा अगस्त में 5.66 प्रतिशत थी। जिन राज्यों में महंगाई सबसे ज्यादा बढ़ी है, उनमें छत्तीसगढ़, बिहार, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश प्रमुख हैं।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का कड़ाई से हो पालः साय

यातायात नियमों के पालन के लिए जनजागरूकता अभियान का प्रभावी ढंग से हो क्रियान्वयन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने निवास कार्यालय में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में प्रदेश के सड़क सुरक्षा परिदृश्य, सड़क दुर्घटना के नियंत्रण के उपायों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने बैठक में कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के नियंत्रण के लिए दुपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट और चार पहिया वाहन चालकों के लिए सीट बेल्ट के उपयोग तथा वाहन चलाते समय सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए जनजागरूकता अभियान को प्रभावी ढंग से चलाया जाए।

मुख्यमंत्री साय ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़कों पर ब्लैक स्पॉट के सुधार कार्य में तेजी लाने, जिला सड़क सुरक्षा समिति की नियमित बैठकें आयोजित करने, सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों के इलाज के लिए निर्माणाधीन ट्रामा स्टेब्लाईजेशन यूनिट्स का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में परिवहन विभाग द्वारा तैयार कराया गया ''बस संगवारी एप'' लांच किया और परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा पर प्रकाशित पोस्टर का विमोचन किया।

बैठक में जानकारी दी गई कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राज्य के स्कूलों में कक्षा पहली से लेकर दसवीं तक के राज्य शैक्षणिक अनुसंधान परिषद की पाठ्यपुस्तकों में सड़क यातायात नियमों से संबंधित अध्याय पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। बैठक में बताया गया कि यातायात व्यवस्था का इलेक्ट्रॉनिक सर्विलेंस रायपुर, बिलासपुर और नवा रायपुर में किया जा रहा है। भिलाई और दुर्ग में यह व्यवस्था आंशिक रूप से संचालित है। सितंबर 2023 से अक्टूबर 2024 तक 101 ब्लैक स्पॉट और 748 जंक्शन के सुधार कार्य पूर्ण किए गए हैं। बैठक में जानकारी दी गई कि हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करने पर सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु की संभावना 40 प्रतिशत तक कम हो सकती है।

अधिकारियों ने बताया कि यातायात नियमों के उल्लंघन पर परिवहन विभाग द्वारा 6 लाख 70 हजार से अधिक तथा पुलिस विभाग द्वारा 4 लाख 87 हजार से अधिक चालानी कार्यवाही की गई है। 01 जनवरी 2023 से 31 अक्टूबर 2024 तक 7826 वाहन चालकों का लायसेंस निलंबित किया गया है।

8 दुर्घटनाजन्य क्षेत्रों राजनांदगांव, धरसींवा अभनपुर, पाली, सिमगा, सुकमा, बेमेतरा और पत्थलगांव में ट्रामा स्टेब्लाईजेशन यूनिट निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की गई है। 14 हजार 261 वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग डिवाइस, 72 हजार से अधिक वाहनों में स्पीड गवर्नर तथा 2200 बसों में पेनिक बटन लगाए गए हैं। बैठक में ब्लैक स्पॉट की पहचान, सुधार की कार्यवाही, सड़कों में यातायात संकेतक, होर्डिंग्स हटाने, फुटपाथ, पार्किंग, सर्विस लेन से अतिक्रमण हटाने आदि कार्यों की समीक्षा की गई।

छत्तीसगढ़ में बस यात्रियों को घर बैठे मिलेगी बस की समय सारणी और बस रूट की जानकारी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में सुशासन की अवधारणा पर अमल करते हुए यात्रियों की यात्रा को सुगम और सरल बनाने के लिए 'बस संगवारी एप' लॉन्च किया। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि बस संगवारी एप बस यात्रियों, विशेष रूप से दूरस्थ अंचलों के यात्रियों के लिए काफी सुविधाजनक होगा। निकट भविष्य में इस एप के माध्यम से अंतर्राज्यीय बसों के परिवहन और बसों के रियल टाइम ट्रेकिंग की सुविधा भी उपलब्ध होगी। अभी यात्रियों को बस की टाइमिंग पता करने के लिए बस स्टैण्ड या बस स्टॉप पर जाना पड़ता है। लोगों की इस परेशानी का समाधान इस एप के जरिए मिल सकेगा। परिवहन विभाग के सचिव श्री एस. प्रकाश ने बस संगवारी एप के संचालन के बारे में मुख्यमंत्री श्री साय को विस्तार से जानकारी दी। छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग द्वारा तैयार कराए गए इस एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकेगा। इस एप के माध्यम से यात्रियों के लिए सार्वजनिक परिवहन सुविधाजनक होगा। इस एप में वर्तमान में 5 हजार से अधिक बसों को शामिल किया गया है, जो विभिन्न रूट में संचालित हैं। जल्द ही अंतर्राज्यीय बसों के संचालन की जानकारी भी इस एप के माध्यम से मिल सकेगी। बसों में जीपीएस सिस्टम लगाया जा रहा है। बस संगवारी एप को जीपीएस के साथ एकीकृत किया जा रहा है, जिससे बसों की लाइव ट्रेकिंग भी की जा सकेगी।

धान खरीदी के मुद्दे पर लगातार झूठ बोलकर कांग्रेसः किरण सिंह देव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने धान खरीदी के मुद्दे पर लगातार झूठ फैलाने और तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज पर जमकर निशाना साधा है। श्री देव ने कहा कि बैज समेत सभी कांग्रेस नेता धान खरीदी के मुद्दे पर लगातार झूठ बोलकर प्रदेश के किसानों को गुमराह करने और प्रदेश में येन-केन-प्रकारेण अराजकता फैलाने के टूलकिट एजेंडा पर चल रहे हैं।

भाजपा प्रदेशअध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि सत्ता के लिए बौखलाती कांग्रेस ने पहले महतारी वंदन योजना को लेकर लगातार झूठ बोला। जब भाजपा सरकार ने तथ्यों के साथ कांग्रेस के झूठ की धज्जियाँ उड़ाई तो अपराध और कानून-व्यवस्था को लेकर नया टूलकिटिया एजेंडा चलाया। जब कांग्रेस के लोग ही अमूमन हर बड़े अपराध में संलिप्त पाए जाकर बेनकाब होने लगे, कानून के शिकंजे में जब खुद कांग्रेसी या उनके करीबी आने लगे तब अपने ही बुने षड्यंत्रों के जाल में फँसकर कांग्रेस छटपटाने लगी। महतारी वंदन और कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर मुँह की खाने के बाद भी कांग्रेस अपनी ओछी और साजिशाना राजनीति से बाज नहीं आ रही है और अब वह धान खरीदी के मुद्दे पर फिर झूठ की राजनीति करने पर आमादा है। श्री देव ने कहा कि धान खरीदी को लेकर किसी भी बिंदु पर प्रदेश की भाजपा सरकार पर उंगली उठाने का नैतिक अधिकार कांग्रेस को नहीं रह गया है। कांग्रेस को कोई भी आक्षेप लगाने से पहले अपने गिरेबाँ में झांकना चाहिए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि कांग्रेस ने वादाखिलाफी करके अपने 5 वर्ष के कार्यकाल में लगातार किसानों को प्रताड़ित करने का काम किया। किसानों को इन 5 वर्षों में धान बेचने के लिए सोसाइटियों में बारदाने की समस्या से लगातार जूझना पड़ा। भूपेश बघेल की सरकार ने किसानों को कभी गिरदावरी के नाम पर कटौती कर किसानों को परेशान किया तो कभी बारदाने नहीं है, कहकर किसानों को बारदाने खरीदने के लिए कहा और बाहर से बारदाने लाने का पैसा स्वयं देने का भी वादा किया लेकिन आज तक उन किसानों को बारदाने के पैसे का भुगतान नहीं किया गया। श्री देव ने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रदेश के किसानों को लगातार 5 वर्षों तक धान खरीदी का पैसा हमेशा किश्तों में दिया जाता था। कभी भी किसानों को उनकी उपज का एकमुश्त भुगतान पिछली भूपेश सरकार ने नहीं किया जिसकी वजह से किसान कोई बड़ा काम नहीं कर पाता था। श्री देव ने कहा कि आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी कर रही है और 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान का भुगतान किसानों को एकमुश्त किया जा रहा है जिससे आज प्रदेश का किसान खुशहाल है।

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में सुगमता से हो रही धान की खरीदी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश के किसानों से सुगमता पूर्वक धान की खरीदी की जा रही है। छत्तीसगढ़ में धान 14 नवम्बर सें शुरू हुए धान खरीदी का सिलसिला अनवरत रूप से जारी है। राज्य में 14 नवम्बर से अब तक 18.09 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। राज्य में अब तक 3.85 लाख किसानों ने अपना धान बेचा है। धान खरीदी के एवज में इन किसानों को बैंक लिकिंग व्यवस्था के तहत 3706 करोड़ 69 लाख रूपए का भुगतान किया गया है। धान खरीदी का यह अभियान 31 जनवरी 2025 तक चलेगी। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि इस खरीफ वर्ष के लिए 27.68 लाख किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है। इसमें 1.45 लाख नए किसान शामिल है। इस वर्ष 2739 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी अनुमानित है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 29 नवम्बर को 46345 किसानों से 2.12 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी की गई है। इसके लिए 54805 टोकन जारी किए गए थे।

आयुर्वेद केवल ईलाज प्रक्रिया नहीं, बल्कि स्वस्थ व्यक्ति बीमार नहीं पड़े, इसकी व्यवस्था हैः डॉ. सिंह

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज राजनांदगांव शहर के मोतीपुर में आयोजित जिला स्तरीय निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य मेला, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन एवं गुरू घासीदास भवन के भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने 75 लाख रूपए की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन एवं 10 लाख रूपए की लागत से गुरू घासीदास भवन निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। इसके साथ ही 37.17 लाख रूपए की लागत से बने हमर अस्पताल शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मोतीपुर के उन्नयन कार्य का लोकार्पण किया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि आयुर्वेद में केवल ईलाज प्रक्रिया नहीं है, बल्कि स्वस्थ व्यक्ति बीमार नहीं पड़े, इसकी व्यवस्था है। इसमें सभी प्रकार की दिनचर्या या ऋतुचर्या, योग, प्राणायाम भी शामिल है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं आयुर्वेद के चिकित्सक है और जनसेवा की शुरूआत चिकित्सक के रूप में की। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने कार्यकाल में आयुष विभाग का गठन किया और आज छोटे-छोटे स्थानों में इस प्रकार के शिविर लग रहे हैं। आयुर्वेद के तहत शत-प्रतिशत गारंटी के साथ बिना किसी रिएक्शन एवं एलर्जी के ईलाज होता है। विधानसभा अध्यक्ष श्री रमन सिंह ने कहा कि 25 लाख रूपए की लागत से मोतीपुर रेल्वे क्रांसिंग से लेकर मुक्तिधाम तक डामरीकरण, वार्ड नंबर 3 में मंगल भवन के लिए 25 लाख रूपए, बड़े तालाब के किनारे नाली निर्माण के लिए 15 लाख रूपए, सड़क किनारे पेवर ब्लॉक के लिए 11 लाख 50 हजार रूपए, फुलवारी पारा में नाली निर्माण के लिए 5 लाख रूपए, वार्ड नंबर 8 की गलियों में सीसीरोड निर्माण के लिए 15 लाख रूपए, मुक्तिधान में नाली निर्माण के लिए 38 लाख रूपए, मुक्तिधाम में बाउंड्री निर्माण के लिए 18 लाख रूपए और वार्ड नंबर 3 में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 7 लाख रूपए की स्वीकृति दी गई है। पूर्व सांसद मधुसूदन यादव ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. शिल्पा मिश्रा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित श्री सचिन बघेल, खूबचंद पारख, श्री रमेश पटेल, संतोष अग्रवाल, कोमल सिंह राजपूत, सहित अन्य जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

गरीब ठेले, रेहड़ी वालों को हटाना सरकार का अमानवीय कदम - कांग्रेस

रायपुर। सरकार द्वारा सड़कों के किनारे ठेले, खोमचे, रेहड़ी लगाकर व्यवसाय करने वालों को हटाये जाने की कांग्रेस ने कड़ी निंदा किया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि रायपुर सहित पूरे प्रदेश में भाजपा ने यह कार्यवाही किया है। ईमानदारी से मेहनत, मजदूरी करके सड़कों के किनारे ठेले आदि लगा कर अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करने वालो को हटाया जाना सरकार का तानाशाही पूर्ण कदम है। ठेले वालों को हटाने से पूर्व उन्हें समान हटाने का भी समय नहीं दिया गया उनके तैयार किये गये समानों को नष्ट कर दिया गया। हजार-दो हजार रू. की लागत लगाकर छोटे-छोटे होटल वालों ने जो खाद्य सामाग्री तैयार किया था उसे फेक दिया गया, उनके ठेलो को जेसीबी से तोड़ डाला गया। जप्ती बनाया गया, विरोध करने वालो को पुलिस से पिटवाया गया। अपने आपको हिन्दुओं की पार्टी होने का दंभ भरने वाली भाजपा सरकार ने जो ठेले हटाया है उसमें 99 प्रतिशत से अधिक हिन्दू ठेले वाले थे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकार की कार्यवाही अनुचित और अमानवीय है। यदि कोई सड़क या यातायात में बाधक था उसे सूचना देकर कुछ दिन की मोहलत देकर हटाना था।

सीजीपीएससी के निष्पक्ष परीक्षा परिणाम से युवाओं में उत्साह

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का युवाओं की ओर से आभार व्यक्त किया व बधाई दी। विश्वविजय सिंह तोमर ने कहा कि इस बार परीक्षा की पूरी प्रक्रिया अविवादित और निष्पक्ष रही है, जिससे युवाओं विशेषकर सिविल सेवा, व्यापम एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं में उत्साह बढ़ा है तो साथ ही उनके परिजन भी खुश है कि राज्य में सुशासन की सरकार लौटने से उनके बच्चों का भविष्य सुरक्षित हाथों में है । बीतें वर्षों में कांग्रेस सरकार के दौरान सिविल सेवा और व्यापम परीक्षा परिणाम विवाद व घोटालों की भेंट चढ़ता रहा । कई परिणामों में नेताओं या अफसरों के परिवार पोषण का मामला सामने आया और मामला न्यायालय व सीबीआई जांच तक पहुंच गया । भाजपा ने वादा किया था कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने पर सभी घोटालों की जांच करा दोषियों को जेल भेजेंगे । मुख्यमंत्री विष्णदेव साय जी के नेतृत्व में सुशासन की सरकार ने युवाओं से किया वादा पूरा किया है, सीजीपीएससी 2023 का परिणाम निर्विवादित एवं निष्पक्ष आने से युवा एक बार फिर सिविल सेवा व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के तैयारी को लेकर उत्साहित है ।

मंदिरहसौद चौक पर निर्माणाधीन पुल की वजह से जाम के हालात

रायपुर। रायपुर से आरंग राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित मंदिर हसौद चौक पर बीते कई माह से निर्माणाधीन पूल की वजह से जाम का हालात बना रहता है । यातायात विभाग ने यहां पर सुचारू आवागमन के लिये आरक्षकों की ड्यूटी तो लगायी है लेकिन वे भ्रमित वाहन चालकों को सहीं दिशा निर्देश दे यातायात को सुगम बनाने के? बदले यातायात नियमों के उल्लंघन करने की बात कह कार्यवाही के नाम पर भयादोहन में लगे रहते हैं । किसान संघर्ष समिति के संयोजक भूपेंद्र शर्मा ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा. संतोष कुमार सिंह को ज्ञापन सौंप यातायात को सुगम बनाने आवश्यक व्यवस्था करने व पुल निर्माण पूरा होने तक कर्तव्यरत आरक्षकों को भ्रमित वाहन चालकों को सहीं दिशा निर्देश देने व न मानने वालों के खिलाफ चालानी कार्यवाही करने का निर्देश देने का आग्रह किया है। ज्ञातव्य हो कि इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों का रेलमरेला दिन रात लगा रहता है । इसके सिवा इस मार्ग से चंदखुरी फार्म - मंदिर हसौद व नया राजधानी से मंदिर हसौद सड़क मार्ग भी जुड़ता है जिसकी वजह से यातायात का दबाव और अधिक बढ़ जाता है । मंदिर हसौद चौराहा होने व पुल के निर्माणाधीन होने से यातायात का दबाव और बढ़ जाने से रोजाना समय - बेसमय यहां पर जाम की स्थिति बनी रहती है ।

कृषक उन्नति योजनाः किसान की तरक्की के खुले द्वार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के किसानों की तरक्की की राहें आसान हुई है। आरंग ब्लॉक के अमोदी गांव के निवासी श्री करण मानिकपुरी कृषक परिवार से है। वे बताते हैं कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली सरकार में किसानों को आर्थिक मजबूती मिल रही है और किसानों की तरक्की भी बहुत हो रही है। मानिकपुरी बताते हैं कि कृषक उन्नति योजना के तहत राशि मिलने से बच्चों की भविष्य की चिंताएं दूर हो गई है। बच्चों को अच्छे स्कूल में अच्छी शिक्षा दे रहे है। साथ ही बच्चों को घर से स्कूल तक आने-जाने के लिए वाहन की सुविधा भी शुरू कराई है। बच्चों के भविष्य के लिए एलआईसी भी कराया गया है। इससे भविष्य उनका सुरक्षित हो रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार 3100 रूपए प्रति क्विंटल में धान खरीद रही है। इससे खेती को आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है और फसल को सुरक्षित करने के लिए खेत में फेंसिंग भी जल्द करा सकेंगे। वे यह भी बताते हैं कि आने वाले समय में कृषक उन्नति योजना के तहत राशि मिलने पर खेत में बोर कराकर अधिक फसल का उत्पाद कर सकेंगे। श्री मानिकपुरी बताते हैं कि धान खरीदी केंद्र में बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई गई है। टोकन की सुविधा भी आसान हुई है। इससे हम जैसे किसानों को बहुत ही फायदा मिल रहा है।

नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव, भाजपा की बैठकें 30 व 1 को

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री रामू रोहरा ने जानकारी दी है कि आगामी 30 नवंबर और 01 दिसंबर को नगरीय निकाय व त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों के परिप्रेक्ष्य में भाजपा की संभाग स्तरीय बैठकें आहूत की गई हैं। इन बैठकों में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, नरेश बंसल राष्ट्रीय चुनाव प्रभारी ,गजेंद्र पटेल चुनाव पर्यवेक्षक ,उपमुख्यमंत्री अरुण साव, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय व वरिष्ठ पदाधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री रोहरा ने कहा कि कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में 30 नवंबर को दोपहर 3ः30 बजे बिलासपुर, सरगुजा एवं बस्तर संभाग की एवं 1 दिसंबर को सुबह 11 बजे रायपुर एवं दुर्ग संभाग की आवश्यक बैठक आहूत की गई है। बैठक में प्रदेश कोर ग्रुप, भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी व कार्य समिति सदस्य, मोर्चा के राष्ट्रीय पदाधिकारी, सांसद (लोकसभा व राज्यसभा), विधायकगण, प्रदेश भाजपा पदाधिकारी, संभाग प्रभारी, सह प्रभारी, जिला प्रभारी, सह प्रभारी, जिला अध्यक्ष भाजपा, मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष, महामंत्री, प्रकोष्ठों के संयोजक, नगर निगम महापौर, नेता प्रतिपक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष बैठक में अपेक्षित हैं।

नहीं मिल रहा टोकन, किसान हो रहे परेशान

धान नहीं खरीदने का षड्यंत्र रच रही विष्णुदेव सरकारः दीपक बैज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार धान नहीं खरीदने का षड्यंत्र रच रही है। उसकी नई नीति से स्पष्ट है कि वह किसानों से धान खरीदी कम करना चाहती है। इस बार 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य है। इसके लिए 14 नवंबर से 31 जनवरी तक का समय निर्धारित है। शनिवार, रविवार और सरकारी छुट्टियों को घटाकर कुल 47 दिन मिल रहे हैं। इसका मतलब यह है कि प्रति दिन सरकार को लगभग साढ़े तीन लाख मिट्रिक टन की खरीदी प्रति दिन करनी होगी, तब जाकर लक्ष्य पूरा होगा। ये बातें पीसीसी चीफ दीपक बैज ने शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर कहीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान धान के लिये उसको आगामी दिनों की तारीख दी जा रही है।

में जिस रफ्तार से धान खरीदी हो रही है, उसमें लक्ष्य प्राप्त करना संभव नहीं है। सोसाइटियों को निर्देश है कि एक दिन में अधिकतम 752 क्विंटल यानी 1880 कट्टा धान ही खरीदा जाना है। ऐसे में एक किसान का शेष सरकार ने यह घोषणा की है कि 72 घंटे में किसानों के खाते में पैसा आयेगा, लेकिन जो लोग 14 नवंबर को धान बेचे थे, उनके खाते के रकम नहीं आई है, जो रकम आ रही है वह एक मुश्त 3100 नहीं है। सिर्फ 2300 रू. प्रति क्विंटल ही आ रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अनावरी रिपोर्ट गलत बनाया जा रहा जिसके आधार पर मात्र 9 से 12-14 क्विंटल धान खरीदा जा रहा। किसानों से पूरा 21 क्विंटल धान नहीं खरीदा जा रहा है। बीज उत्पादक किसानों से सोसायटी में धान नहीं खरीदा जा रहा। सोसायटी में सूचना चस्पा किया गया है कि बीज उत्पादक किसानों का धान नहीं लिया जायेगा। सोसायटी में बारदाना की कमी है किसान परेशान है। सरकार ने कहा है कि 50 प्रतिशत नये 50 प्रतिशत पुराने बारदानों का उपयोग किया जाये। 50 प्रतिशत पुराने बारदाने समितियों में पहुंचे ही नहीं है, जिसके कारण धान खरीदी बाधित हो रही है। बैज ने कहा कि धान खरीदी केन्द्रो में टोकन नहीं जारी किया जा रहा है, किसान घंटों खड़े रहते हैं।

आनलाइन टोकन सिस्टम के कारण किसानों को 15 दिन बाद का भी टोकन नहीं मिल रहा है। धान की कीमत का भुगतान 3217 रुपये में करें, क्योंकि 3100 रुपये भाजपा ने अपने चुनावी वायदे में कहा था। केन्द्र सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 117 रू. बढ़ा दिया है। इस कारण इस वर्ष धान की खरीदी 3100 रू. से बढ़ाकर 3217 रू. किया जाये। कांग्रेस के समय भी कांग्रेस ने धान का समर्थन मूल्य 2500 देने का वादा किया था.

अनवर ढेबर की जमानत सुप्रीम कोर्ट ने की रद्द

रायपुर। प्रदेश के बहुचर्चित शराब घोटाला में आरोपी अनवर ढेबर की अंतरिम जमानत सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दी है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें हाई कोर्ट में जाकर फिर से जमानत अर्जी दाखिल करने को कहा है।

जानकारी के अनुसार, जिस मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर अनवर ढेबर को हाई कोर्ट ने जमानत दी थी, उसे सुप्रीम कोर्ट में छत्तीसगढ़ पुलिस ने चेलेंज किया था, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने जमानत को रद्द करते हुए वापस हाई कोर्ट में भेज दिया है।

दरअसल, अनवर ढेबर को हाई कोर्ट ने जुलाई में किडनी और गॉलब्लैडर स्टोन की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर अंतरिम जमानत दी थी। ढेबर के वकील ने मेडिकल ग्राउंड पर इलाज के लिए जस्टिस अरविन्द वर्मा की पीठ के सामने जमानत देने का आग्रह किया था।

इस मेडिकल रिपोर्ट को बनाने वाले डीकेएस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के गेस्ट्रो सर्जन को छत्तीसगढ़ सरकार ने बर्खास्त करने के साथ उसके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करा दी थी। शराब घोटाला के आरोप में जेल में बंद ढेबर को 8 जून को ईलाज के लिए डीकेएस ले जाया गया था।

वकील ने तर्क दिया कि अनवर को किडनी की बीमारी है, और उन्हें पेशाब करने में दिक्कत हो रही है। सुनवाई के दौरान यह भी तर्क दिया गया कि ढेबर का इलाज चल रहा है, जिसके लिए अस्पताल जाने की जरूरत पड़ती है। जेल में गार्ड उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, जिसके चलते इलाज नहीं हो पा रहा है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.